दैनिक
रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

■ वर्ष - 09 ■ अंक - 239 ■ मंडला, मंगलवार 02 दिसम्बर 2025 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-1 रूपये ■ विक्रम संवत् 2082 शक 1935 ■ www.revanchaltimes.com RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877

सुविचार

दुखियारों को हमदर्दी के आंसू भी कम प्यारे नहीं होते।

प्रेमचंद

सरकार ने कंपनियों को 90 दिन की डेडलाइन दी, 'संचार साथी' एप से 7 लाख फोन रिकवर हुए

अब हर मोबाइल में होगा साइबर सिक्योरिटी एप

नई दिल्ली। अब हर नए स्मार्टफोन में साइबर सिक्योरिटी एप 'संचार साथी' प्री-इंस्टॉल (पहले से डाउनलोड) मिलेगा। केंद्र सरकार ने स्मार्टफोन कंपनियों को आदेश दिया कि वे स्मार्टफोन में सरकारी साइबर सेफ्टी एप को पहले से इंस्टॉल करके बेचें। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, ये आदेश आज सामने आया है। इसमें एपल, सैमसंग, वीवो, ओप्पो और शाओमी जैसी मोबाइल कंपनियों को 90 दिन का समय दिया गया है। इस एप को यूजर्स डिलीट या डिसेबल नहीं कर सकेंगे। पुराने फोन पर सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए यह एप इंस्टॉल किया जाएगा। हालांकि यह आदेश फिलहाल पब्लिक नहीं किया गया है, बल्कि चुनिंदा कंपनियों को निजी तौर पर भेजा गया है। इसका मकसद साइबर फ्रॉड, फर्जी IMEI नंबर और फोन की चोरी को रोकना है। एक सीनियर सरकारी अधिकारी ने कहा, 'यह एप फर्जी क्टएकसे होने वाले स्कैम और नेटवर्क मिसयूज को रोकने के लिए जरूरी है।'

संचार साथी एप क्या है, कैसे करेगा मदद

संचार साथी एप सरकार का बनाया साइबर सिक्योरिटी टूल है, जो 17 जनवरी 2025 को लॉन्च हुआ था। अभी यह एपल और गूगल प्ले स्टोर पर वॉलंटरी डाउनलोड के लिए उपलब्ध है, लेकिन अब नए फोन में यह जरूरी होगा।एप यूजर्स को कॉल, मैसेज या वॉट्सएप चैट रिपोर्ट करने में मदद करेगा। क्टएक नंबर चेक करके चोरी या खोए फोन को ब्लॉक करेगा।

डुप्लिकेट IMEI नंबर से बढ़ रहा साइबर क्राइम

भारत में 1.2 अरब से ज्यादा मोबाइल यूजर्स हैं, जो दुनिया का सबसे बड़ा मार्केट है, लेकिन फर्जी या डुप्लिकेट क्टएक नंबर की वजह से साइबर क्राइम बढ़ रहा है। क्टएकएक 15 डिजिट का यूनीक कोड होता है, जो फोन की पहचान करता है। अपराधी इसे क्लोन करके चोरी के फोन को ट्रैक से बचाते हैं, स्कैम करते हैं या ब्लैक मार्केट में बेचते हैं। सरकार का कहना है कि यह एप पुलिस को डिवाइस ट्रेस करने में मदद करेगा। सितंबर में उङ्ख्ळ ने बताया था कि 22.76 लाख डिवाइस ट्रेस हो चुके हैं।

एपल की पॉलिसी में थर्ड पार्टी एप को परमिशन नहीं

इंडस्ट्री सोर्सेज का कहना है कि पहले से बातचीत न होने से कंपनियां परेशान हैं। खासकर एपल की मुश्किल बढ़ सकती है, क्योंकि कंपनी की पॉलिसी में गवर्नमेंट या थर्ड-पार्टी एप के प्री-इंस्टॉलेशन पर बैन है। पहले भी एपल का एंटी-स्पैम एप को लेकर रेगुलेटर से टकराव हुआ था। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का मानना है कि एपल सरकार से नेगोशिएशन कर सकती है या यूजर्स को वॉलंटरी प्रॉम्प्ट देने का सुझाव भी दे सकती है। हालांकि अभी तक किसी भी कंपनी ने आदेश के बारे में कोई कमेंट नहीं किया है।

यूजर्स को सीधा फायदा मिलेगा

यूजर्स को सीधा फायदा मिलेगा। चोरी का फोन होने पर क्टएक चेक करके तुरंत ब्लॉक कर सकेंगे। फ्रॉड कॉल रिपोर्ट करने से स्कैम कम होंगे, लेकिन एप डिलीट न होने से प्राइवेसी ग्रुप्स सवाल उठा सकते हैं। यूजर कंट्रोल कम होगा। भविष्य में एप और फीचर्स जुड़ सकते हैं, जैसे बेहतर ट्रैकिंग या अकबेस्ड फ्रॉड डिटेक्शन। DoT का कहना है कि यह टेलिकॉम सिक्योरिटी को नेक्स्ट लेवल पर ले जाएगा।

कोहली बोले-सिर्फ वनडे खेलूंगा टेस्ट में वापसी के कयास थे

वर्ल्ड कप खेलने पर बैटिंग कोच बोले- अच्छा खेल रहे फिर यह सवाल क्यों

रांची। रांची में खेले गए पहले वनडे में भारत ने साउथ अफ्रीका को 17 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस मैच में विराट कोहली ने 135 रन की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। मैच के बाद कोहली ने साफ कहा कि अब उनका पूरा ध्यान सिर्फ वनडे क्रिकेट पर है। वे पहले ही टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। हाल की टेस्ट सीरीज में भारत की 0-2 से हार के बाद उनकी टेस्ट टीम में वापसी के कयास लग रहे थे, लेकिन रांची में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद कोहली ने इन चचाओं को खत्म कर दिया।

कोहली को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उनके बयान के बाद जब उनके वर्ल्ड कप खेलने को लेकर सवाल पूछे गए, तो टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा- जब वे इतनी अच्छी फॉर्म में हैं, तो ऐसे सवाल उठाने की जरूरत ही क्या है?

मैं मानसिक रूप से मजबूत- कोहली- मैच के बाद विराट कोहली ने कहा कि उनकी तैयारी पूरी तरह मानसिक होती है। उन्होंने बताया कि जब तक शरीर की स्थिति ठीक रहती है और वे मानसिक रूप से शार्प महसूस करते हैं, तब तक उन्हें खुद पर भरोसा रहता है। कोहली ने कहा कि वे मैच से पहले एक दिन का ब्रेक लेते हैं, क्योंकि अब 37 साल की उम्र में रिकवरी के लिए समय की भी जरूरत होती है। उन्होंने कहा- मुझे पता है कब आराम करना है और कब खेलना है। वे 300 से ज्यादा वनडे खेल चुके हैं। कोहली के मुताबिक, अगर आप गेम के टच में हैं और नेट्स पर एक-दो घंटे बल्लेबाजी कर पा रहे हैं, तो आप जानते हैं कि आप सही स्थिति में हैं।

'अपने खेल का लुत्फ लेना चाहता था'

कोहली ने अपनी पारी पर कहा- 20-25 ओवर तक पिच अच्छी थी, उसके बाद धीमी हो गई। मैं बस गेंद के मुताबिक खेलना चाहता था और अपने खेल का लुत्फ लेना चाहता था।

विराट के भविष्य पर सवाल की जरूरत नहीं- बैटिंग कोच

टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा- विराट कोहली की फिटनेस और फॉर्म देखकर उनके भविष्य पर सवाल उठाने का कोई कारण नहीं है। वर्ल्ड कप 2027 में कोहली के खेलने को लेकर जब सवाल पूछा गया, तो कोटक ने कहा, मुझे समझ नहीं आता कि इस पर चर्चा की जरूरत क्यों है। वे बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि हमें उनके भविष्य पर बात करने की जरूरत है। वे जिस तरह खेल रहे हैं और जिस तरह अपनी फिटनेस बनाए रखते हैं, उसमें किसी भी तरह का सवाल उठ ही नहीं सकता। कोटक ने यह भी कहा कि टीम मैनेजमेंट भविष्य की बहस में नहीं उलझ रहा और फिलहाल वर्तमान पर फोकस है।

बाहुबली की पत्नी विभा देवी नहीं पढ़ पाई शपथ

पास बैठी JDU विधायक से बोलीं- छुटकी पढ़ ना, बता ना; पीछे मुड़कर देखते रहे सभी MLA

पटना। 18वीं विधानसभा के पहले सत्र में नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ली। बाहुबली राजबल्लभ की पत्नी और नवादा से जदयू विधायक विभा देवी शपथ पत्र नहीं पढ़ पाईं। अटक-अटक के किसी तरह से शपथ पढ़ रही थीं। इस बीच उन्होंने पास बैठी विधायक मनोरमा देवी से बताने को कहा। फिर मनोरमा देवी के प्रॉम्प्ट करने के बाद उन्होंने टूट-फूटे शब्दों में शपथ ली। वहीं बाहुबली अशोक महतो की पत्नी और वारिसलीगंज विधायक अनीता देवी ने बहुजन के नेताओं कोट करते हुए शपथ लेना शुरू किया। उन्होंने कहा, मैं बहुजन समाज की बेटी अनीता, रुहानी आशीर्वाद लेते हुए बाबा साहब को याद करते हुए शपथ लेती हूं.... जिसके बाद प्रोटेम स्पीकर ने उन्हें टोका। उन्होंने दोबारा अपना नाम लेते हुए शपथ पढ़ी। बेतिया से बीजेपी विधायक और पूर्व डिप्टी सीएम रेणु देवी ने सदन में गलत शपथ ली। जिसके बाद प्रोटेम स्पीकर ने उन्हें टोका और फिर से शपथ पढ़वाई। नवादा से जदयू विधायक और बाहुबली राजबल्लभ की पत्नी विभा देवी शपथ नहीं पढ़ पाईं। इस बार वे नवादा से चुनाव जीती हैं। चुनाव से पहले उन्होंने जेडीयू जॉइन की। इससे पहले वे राजद विधायक थीं। नवादा से जदयू विधायक और बाहुबली राजबल्लभ की पत्नी विभा देवी शपथ नहीं पढ़ पाईं। इस बार वे नवादा से चुनाव जीती हैं। चुनाव से पहले उन्होंने जेडीयू जॉइन की।

दिल्ली में भूजल प्रदूषण: यूरेनियम, सीसा और नाइट्रेट का स्तर खतरनाक स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण के अलावा अब भूजल में बढ़ते यूरेनियम स्तर ने दिल्लीवासियों के माथे पर गंभीर स्वास्थ्य चिंता की लकीर खींच दी है। दिल्ली का भूजल एक गंभीर स्वास्थ्य संकट से जूझ रहा है, जहां भारी धातुओं का प्रदूषण देश में सबसे अधिक दर्ज किया गया है। केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) की हालिया वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार राजधानी के भूजल में यूरेनियम, सीसा, नाइट्रेट, फ्लोराइड और लवणता से जुड़े मानक खतरनाक स्तर पर पाए गए हैं, जिससे बोरवेल और हैंड पंप के पानी पर निर्भर लोगों के स्वास्थ्य के लिए यह गंभीर जोखिम हो सकता है। यूरेनियम स्वाभाविक रूप से पाया जाने वाला एक रेडियोधर्मी तत्व है। जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत जारी केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) की वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट 2025 में बताया गया है कि एकत्र किए गए कुल नमूनों में से 13 से 15 प्रतिशत में यूरेनियम संदूषण पाया गया। यह रिपोर्ट 2024 में देशभर से एकत्र किए गए लगभग 15,000 नमूनों पर आधारित है। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि दिल्ली के 86 निगरानी स्थलों में लिए गए कई नमूनों में विभिन्न मानक भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की पेयजल सीमा से अधिक पाए गए। वर्ष 2024 में भूजल गुणवत्ता के नमूने 5,368 चयनित ट्रेंड स्टेशनों से मानसून से पहले और मानसून के बाद के मौसम में एकत्र किए गए, ताकि मौसमी पुनर्भरण का भूजल गुणवत्ता पर प्रभाव आंका जा सके। नमूना संग्रहण और विश्लेषण के लिए एपीएचए 2012 (स्टैंडर्ड मेथड्स फॉर द एग्जामिनेशन ऑफ वाटर एंड वेस्ट वॉटर, अमेरिकन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन) में दिए गए मानक तरीकों का उपयोग किया गया। इस रिपोर्ट का उद्देश्य पेयजल और कृषि उपयोग हेतु भूजल में अकार्बनिक जल गुणवत्ता मानकों के व्यापक परीक्षण करना है। देशभर में भूजल गुणवत्ता में बहुत अंतर पाया गया। अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मेघालय और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में शत-प्रतिशत नमूने बीआईएस मानकों पर खरे उतरे हैं। इसके विपरीत राजस्थान, हरियाणा और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में व्यापक प्रदूषण पाया गया। दिलचस्प बात यह है कि मानसून के दौरान पानी की गुणवत्ता में कुछ सुधार देखा गया, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहाँ विद्युत चालकता (ईसी) और फ्लोराइड उच्च था। मानसून के बाद कुछ क्षेत्रों में ईसी और फ्लोराइड स्तर में मामूली कमी दर्ज की गई, जिससे स्पष्ट होता है कि मानसूनी पुनर्भरण लवणों के घुलनशील होने के कारण जल गुणवत्ता में अस्थायी सुधार ला सकता है। मानकों के अनुसार 30 पीपीबी की अधिकतम अनुमेय मात्रा से अधिक यूरेनियम घनत्व वाला पानी पीने के लिए सुरक्षित नहीं माना जाता, क्योंकि इसका निरंतर सेवन आंतरिक अंगों को क्षति पहुंचा सकता है। पीने के पानी में बढ़ा हुआ यूरेनियम स्तर कई महामारी-विज्ञान अध्ययनों में मूत्र मार्ग कैंसर और गुर्दे की विषाक्तता से जुड़ा पाया गया है।

मस्क बोले- मेरी पार्टनर दिल से आधी भारतीय

मुंबई। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ इलॉन मस्क ने एक पॉडकास्ट में कहा कि उनकी पार्टनर शिवोन जिलिस दिल से आधी भारतीय हैं। उन्होंने अपने बेटे का नाम नोबेल विजेता वैज्ञानिक सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर के नाम पर शेखरX रखा है। पूरा नाम सेल्डन शेखर लाइकुर्गस मस्क है। मस्क ने कहा कि अमेरिका को भारतीय टैलेंट से बहुत फायदा हुआ है। वहीं उन्होंने कहा कि 10-20 साल में अक और रोबोटिक्स इतने डेवलप हो जाएंगे कि इंसानों के लिए काम करना जरूरी नहीं रह जाएगा। काम उनके लिए हॉबी की तरह होगा। मस्क ने ये बात ब्रोकिंग फर्म जिरोधा के फाउंडर निखिल कामत के पॉडकास्ट 'पीपल बाय हळ्त्रं में कही। ये पॉडकास्ट 1 घंटे 54 मिनट का था जो रविवार को रिलीज हुआ।

सवाल 1: अक और रोबोटिक्स की वजह से काम का भविष्य क्या होगा? जवाब: मेरा अनुमान है कि आने वाले 10-20 साल में काम एक विकल्प बन जाएगा। लोग चाहें तो काम करें, चाहें तो ना करें। अकइतना काम कर देगा कि ज्यादातर जरूरतें रोबोट्स और मशीन खुद पूरी कर देंगी। जॉब इंसानों के लिए जरूरत की जगह हॉबी जैसा बन जाएगा। कुछ लोग काम इसलिए करेंगे, क्योंकि उन्हें मजा आता है, न कि अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए। अक और रोबोट्स सुनामी की तरह आगे बढ़ रहे हैं।

संसद परिसर में कुत्ता लेकर पहुंचीं कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी

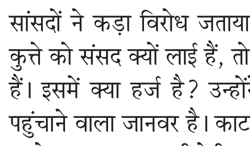

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी एक कुत्ता लेकर संसद परिसर में पहुंच गईं। इस घटना पर बीजेपी सांसदों ने कड़ा विरोध जताया है। रेणुका चौधरी से जब पूछा गया कि वे कुत्ते को संसद क्यों लाई हैं, तो उन्होंने कहा- सरकार को जानवर पसंद नहीं हैं। इसमें क्या हर्ज है? उन्होंने कहा, ये छोटा और बिल्कुल नुकसान न पहुंचाने वाला जानवर है। काटने वाले और डसने वाले संसद में, कुत्ते नहीं। उनके इस कदम पर बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल ने नाराजगी जताई और कहा- रेणुका चौधरी कुत्ता लेकर संसद आईं, यह गलत है। उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। विशेषाधिकार का मतलब दुरुपयोग नहीं होता।

पीएम भी हिस्सा ले सकते हैं; केंद्र बोला- SIR पर बहस के लिए तैयार, समय सीमा न थोपें

लोकसभा में वंदे मातरम पर 10 घंटे चर्चा संभव

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो गया। दोनों सदनों में रक्क और वोट चोरी के आरोप के मुद्दे पर हंगामा हुआ। विपक्ष चर्चा के लिए अड़ा है। इस बीच संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा को बताया कि सरकार SIR और चुनावी सुधारों पर चर्चा के लिए तैयार है। विपक्ष से अपील कि वह इस पर कोई समय सीमा न थोपें। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने पर सरकार सदन में वंदे मातरम् पर 10 घंटे चर्चा करा सकती है। यह बहस गुरुवार-शुक्रवार को हो सकती है। पीएम मोदी खुद इसमें हिस्सा ले सकते हैं। 30 सितंबर को राज्यसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में सत्तारूढ़ दल के कई सदस्यों ने इस चर्चा का प्रस्ताव रखा था। अब तक ऑफिशियल बयान नहीं आया है। आज सदन की कार्यवाही से पहले पीएम मोदी ने संसद के बाहर मीडिया से 10 मिनट बात की। उन्होंने कहा, 'यह सत्र पराजय की हताशा या विजय के अहंकार का मैदान नहीं बनना चाहिए। नई पीढ़ी के सदस्यों को अनुभव का लाभ मिलना चाहिए। यहां ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए। यहां जोर नीति पर होना चाहिए, नारों पर नहीं।' PM ने इसके बाद राज्यसभा में नए सभापति सीपी राधाकृष्णन का स्वागत किया और उनके अभिवादन में स्पीच दी। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति का अभिवादन किया। खड़गे ने इस दौरान पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा- मुझे इस बात का दुख है कि सदन को पूर्व सभापति को फेयरवेल देने का मौका नहीं मिला। खड़गे की टिप्पणी पर भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने पलटवार किया। नड्डा ने कहा- आपको बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र की हार ने काफी तकलीफ पहुंचाई है।

धार खलघाट टोल पर प्रदर्शन, कल नई रणनीति तैयार होगी, जिले में धारा 144 लागू

MP किसान आंदोलन: कलेक्टर से बैठक बेनतीजा, हाईवे पर बिताएंगे रात

धार। मध्यप्रदेश के धार जिले के धामनोद में चल रहे किसान आंदोलन को देखते हुए जिला प्रशासन ने संपूर्ण धार जिले में धारा 144 लागू कर दी है। किसानों ने स्पष्ट किया कि उनका आंदोलन जारी रहेगा और रात हाईवे पर ही गुजारेंगे। मंगलवार सुबह से आंदोलन की नई रूपरेखा तैयार की जाएगी। किसानों की मांगें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), कर्जमाफी और अन्य मुद्दों को लेकर हैं। धार, बड़वानी, खरगोन और खंडवा जिलों से करीब 5,000 किसान नेशनल हाईवे-52 पर जुटे हैं। आंदोलन के दौरान कुछ किसान सड़क के बीचोंबीच पेड़ रखकर बैठे हैं। पुलिस ने 400 अधिकारियों का बल तैनात किया है। इससे पहले किसानों की कलेक्टर प्रियंक मिश्रा से बैठक बेनतीजा रही। जिसके बाद किसानों ने आंदोलन को जारी रखने का फैसला लिया है।

किसान महासंघ ने की भोजन की व्यवस्था

किसान महासंघ ने दूर-दूर से आए किसानों के लिए भोजन और रात गुजारने की व्यवस्था की है। किसानों ने सड़क पर भोजन बनाना शुरू कर दिया है। जो किसान सोने के साधन नहीं लाए, उनके लिए संघ ने इंतजाम किया है। फोरलेन की एक लेन पर पुलिस ने ट्रैफिक शुरू किया तो किसानों ने वाहन रुकवाकर विरोध जताया। पिछले 5 महीने में किसानों ने कई आवेदन दिए, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। आंदोलन लंबा चल सकता है। कलेक्टर ने कहा कि किसान अपनी मांगें शांतिपूर्ण रूप से ज्ञापन के माध्यम से रख सकते हैं। आंदोलन को लेकर प्रशासन ने ड्रोन की मदद से निगरानी भी तेज कर दी है।

किसानों के प्रदर्शन की बड़ी बातें

किसान महासंघ के पदाधिकारियों ने गांव-गांव जाकर किसानों को आंदोलन में पहुंचने की अपील की थी। अपील अभी जारी है।

किसान महासंघ के प्रतिनिधियों और कृषि मंत्री एंदल सिंह कंसाना के बीच भोपाल में शनिवार को हुई चर्चा बेनतीजा रही।

मंत्री ने उट के घर में शादी का हवाला देते हुए आंदोलन स्थगित करने का अनुरोध किया, लेकिन किसानों ने मना कर दिया।

फोरलेन की एक लेन से पुलिस ने ट्रैफिक शुरू किया तो किसान नाराज हो गए और वाहनों के सामने आकर खड़े हो गए।

निमाड़ क्षेत्र के चार जिलों के किसान ट्रैक्टरों से पहुंचे हैं। संगठन ने और बड़ी संख्या में किसानों के आने की संभावना जताई है।

संगठन ने किसानों से कंबल, दो जोड़ी कपड़े, आटा, दाल, लकड़ी और कंडे साथ लाने का आग्रह किया है। आंदोलन लंबा चल सकता है।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें 7415685293 9589490996 9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

तीन पत्ती से छोटी लाइन फाटक तक निगम की बड़ी कार्रवाई, बाजार हुआ अतिक्रमण मुक्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए नगर निगम ने मंगलवार को ह्लस्मार्ट एक्शन ऑन ग्राउंडह्व की मिसाल पेश करते हुए तीन पत्ती चौराहे से छोटी लाइन फाटक तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। सुबह निगमायुक्त द्वारा किए गए निरीक्षण में दिए गए निर्देशों पर तत्परता दिखाते हुए दोपहर होते-होते पूरा बाजार क्षेत्र अतिक्रमण से मुक्त करा दिया गया।

नाले-फुटपाथ पर जमी दुकानें ध्वस्त

कार्रवाई के दौरान नाले व फुटपाथ पर बने स्थायी अतिक्रमण को जेसीबी मशीनों की सहायता से हटाया गया। ये अवैध दुकाने पैदल यात्रियों की आवाजाही और बारिश में जलनिकासी में गंभीर बाधा बन रही थीं।

लेफ्ट टर्न और सड़कों पर से हटे ठेले-टपरे

मुख्य सड़कों पर यातायात अवरुद्ध कर रहे ठेले-टपरे तथा लेफ्ट टर्न पर खड़े अवैध वाहनों को भी सख्ती से हटाया गया। इस कदम से मार्गों पर जाम की स्थिति में कमी आने और यातायात प्रवाह बेहतर होने की उम्मीद जताई जा रही है।

त्वरित निर्णय, त्वरित कार्रवाई

सुबह मिले निदेर्शों पर उसी दिन अमल कर निगम ने अपनी तेज और असरदार कार्यशैली का परिचय दिया। महज कुछ घंटों में पूरी कार्रवाई को अंजाम देकर निगम ने आम नागरिकों में सकारात्मक संदेश दिया है।

भारी पुलिस बल के साथ अधिकारी रहे मौजूद

कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा। मौके पर एडिशनल एसपी श्री गुप्ता, नगर निगम अपर आयुक्त अरविंद शाह, वी.एन. बाजपेई एवं अतिक्रमण अधिकारी मनीष तड़से सहित अन्य अधिकारी निरंतर निगरानी करते रहे।

सनवर पटेल साहब का जन्मदिन बना जनसेवा का दिन... अंजुमन स्कूल वक्फ कमेटी ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मध्य प्रदेश की राजनीति में चेहरों की भरमार है, लेकिन उनमें कुछ नाम अपने काम के दम पर भी तैरते रहते हैं। सनवर पटेल...वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष, कैबिनेट मंत्री का दर्जा, और कानून में पीएचडी...उन्हीं में से एक। 1 दिसंबर को उनका जन्मदिन था। भोपाल में वक्फ बोर्ड कार्यालय में व्यस्त रहने के बावजूद, प्रदेश के कई जिलों में उन समर्थकों ने इस दिन को साधारण जश्न नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के साथ मनाया। इसी कड़ी में जबलपुर के अंजुमन इंग्लिश एवं हिंदी मीडियम स्कूल में अंजुमन स्कूल वक्फ कमेटी और पटेल साहब के चाहने वालों ने एक विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया...शांत, व्यवस्थित और बिना प्रचार के।

जनता की नब्ज पर हाथ...जबलपुर में लगा स्वास्थ्य शिविर- इस स्वास्थ्य शिविर में बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों की बड़ी संख्या पहुँची। विशेषज्ञ डॉक्टरों की मौजूदगी ने इसे सामान्य शिविर नहीं रहने दिया...डॉ. अर्शी खान बाल रोग विशेषज्ञ, डॉ. सिराज खान चर्म रोग विशेषज्ञ, डॉ. एहतेशाम अंसारी, नेत्र रोग विशेषज्ञ़ दवाइयाँ पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध थीं और 100 से अधिक लोगों ने जाँच व उपचार का लाभ उठाया। स्कूल के बच्चों ने वालंटियर की भूमिका निभाकर यह भी दिखाया कि समाजसेवा पीढ़ियों की साझेदारी होती है, केवल वयस्कों का अकेला काम नहीं।

समुदाय की सक्रिय मौजूदगी- अंजुमन स्कूल वक्फ कमेटी से अनवर अन्नू, एडवोकेट मोहम्मद रियाज, गुलाम मुस्तफा, इकबाल भाई, परवेज मंसूरी, सोहेल फैजल खान, नाजनीन तबस्सुम, सबीना बानो (प्राचार्य इंग्लिश मीडियम), इदरीस सर (प्राचार्य हिंदी मीडियम), शकील अनवर और अनवारुद्दीन अंसारी सहित कई लोग पूरे समय मौजूद रहे और शिविर को सफल बनाने में सक्रिय रहे।

नेतृत्व की असली कसौटी- नेतृत्व की असली पहचान यह है कि आपके नाम से लोग समाज के लिए कदम उठाएँ, और आपके मूल्य मैदान में उतरकर काम करें। जबलपुर की इस पहल ने यह साबित किया कि राजनीति में संकल्प की मिट्टी मजबूत हो तो उसके फल जनसेवा के रूप में हर साल दिखाई देते हैं...जन्मदिन पर भी, और बाकी दिनों में भी।

इंस्टाग्राम की दोस्ती, ब्लैकमेलिंग का जाल और पुलिस तंत्र की चुप्पी

जबलपुर में हनी ट्रैप गैंग का खुलासा, दो आरक्षक लाइन अटैच

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जबलपुर में एक बार फिर वही कहानी दोहराई गई है...इंटरनेट का दोस्ताना चेहरा, असल ज़िंदगी में एक जाल। पुलिस ने एक ऐसे हनी ट्रैप गैंग का पदार्फाश किया है, जिसकी मास्टरमाइंड कोई बाहरी दुश्मन नहीं, बल्कि हमारे ही डिजिटल समाज की एक युवती है। वह युवती, जो इंस्टाग्राम पर दोस्ती का हाथ बढ़ाती थी और असल ज़िंदगी में ब्लैकमेलिंग का फंदा कस देती थी। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। जब गुनाहगारों के साथ कानून के रखवाले भी उसी कमरे में बैठ जाएँ, तो सवाल सिर्फ अपराध का नहीं रह जाता...सिस्टम की चुप्पी और उसकी मिलीभगत का हो जाता है। युवती थी मास्टरमाइंड...तीन महीने से शहर में किराए का ठिकाना, इंस्टाग्राम पर शिकार की तलाश नरसिंहपुर के करेली की रहने वाली यह युवती तीन महीने पहले जबलपुर आई थी। इंस्टाग्राम पर दोस्ती...फिर मिलने का प्रस्ताव...और फिर वही पुरानी स्क्रिप्टः कमरे में ले जाकर दो साथियों को बुलाना और युवा लड़कों से पैसे ऐंठना। यानी सोशल मीडिया की चमक-दमक के पीछे एक ऐसा धंधा, जो भरोसे को कमाई का जरिया बना चुका है। 19 साल का युवक, इंस्टाग्राम की रागिनी शर्मा और फँसाने का पूरा खेल बेलखेड़ा का 19 वर्षीय युवक रागिनी शर्मा नाम के अकाउंट से बात करता है। दोस्ती बढ़ती है, चैटिंग लंबी होती है। और जैसा

अक्सर होता है...नयापन, भावनाएँ और भरोसाङ्क सब कुछ धीरे-धीरे फंदे में बदलता जाता है। युवक अपने रिश्ते के भाई के साथ मिलने पहुँचता है। पहले चाय, फिर शताब्दीपुरम का घर...और फिर वही प्री-डिजाइन्ड सेटअप। जैसे ही भाई बाहर जाता है, साहिल और विवेक अंदर आ जाते हैं। मारपीट, मोबाइल कैमरा चालू, और धमकीः एक लाख रुपए दो, नहीं तो वीडियो वायरल और रेप केस की धमकी अलग से। भाई लौटता है...उसे भी धमकियाँ। एक क्लिक में दुश्मन बनाने का यह नया डिजिटल तरीका आज का समाज शायद समझ ही नहीं पा रहा। परिजन आए तो बुला लिए दो कॉन्स्टेबल...सवालों की लंबी कतार छोड़ गए जब परिजनों ने पैसे देने से इनकार किया...तो इस गैंग का असली नेटवर्क सामने आया। युवती ने यादव कॉलोनी चौकी के दो आरक्षकों को फोन किया।

और सिर्फ 5 मिनट में पुलिस मौके पर...

जबकि सामान्य स्थिति में 10-15 मिनट लगते हैं। क्या संयोग इतना नेक हो सकता है? या फिर यह जल्दी पहुँचना किसी जान-पहचान का लाभ था? यही वह जगह है जहाँ कहानी सिर्फ ब्लैकमेलिंग की नहीं रहती...सिस्टम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है। युवती पुलिस के सामने लड़कों पर छेड़छाड़ का आरोप लगाती है...और दोनों कॉन्स्टेबल भी पीड़ितों को जेल भेजने की धमकी देते हैं। यानी आरोपी और पुलिस एक ही फ्रेम में, और पीड़ित अकेला। एसपी की एंट्री...सिस्टम का वो हिस्सा जो अभी भी जागा हुआ है पीड़ित परिजन सीधे एसपी संपत उपाध्याय तक पहुँचे। और यहाँ से कहानी थोड़ी बदलती है। एसपी ने तुरंत कोतवाली सीएसपी रितेश कुमार शिव को जांच सौंपी। जांच में जो बातें सामने आईं, वे मामले को और गंभीर बनाती हैंः दोनों आरक्षकों ने वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की सूचना नहीं दी महिला शिकायत के बावजूद बिना महिला पुलिसकर्मी के मौके पर पहुँचे

उनकी बहुत त्वरित मौजूदगी खुद ही सवाल बन गई

और नतीजा...दोनों कॉन्स्टेबल लाइन अटैच। लेकिन लाइन अटैच कोई सजा नहीं...बस एक इंतजार का कमरा है। अगर जांच में दोष साबित हुआ, तो निलंबन की तलवार अभी बाकी है। आरोपी जेल भेजे गए...गैंग कितना पुराना था, यह अभी भी बड़ा सवाल युवती, साहिल और विवेक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। विवेक ऑटो चालक है, साहिल प्राइवेट नौकरी करता है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यह गैंग कितने समय से सक्रिय था, और कितने युवकों को इसी तरह धमकाकर रुपए वसूले गए। इस पूरी कहानी में अपराधी पकड़े जा चुके हैं।

लेकिन वह बड़ा सवाल वहीं खड़ा है...

जब अपराधी पुलिस को बुलाए और पुलिस पाँच मिनट में हाज़िर हो जाए... तो नागरिक किसके पास जाए? कानून किसकी रक्षा कर रहा है? और सोशल मीडिया पर बनाने वाली दोस्ती...कब भरोसे से शक तक पहुँच जाती है? जबलपुर की यह घटना सिर्फ एक केस नहीं, हमारे समाज और सिस्टम के बीच की दरार का एक आईना है।

कैंटः राजीव गांधी नगर के 120 परिवारों को बेदखली का नोटिस

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। रक्षा मंत्रालय एक तरफ कैंट के सिविल एरिया को समीपस्थ निकाय में विलय करने की दिशा में काम कर रहा है। इस बीच जबलपुर कैंट में डिफेंस ईस्टेट ऑफिसर (डीईओ) ने सैन्य भूमि पर बने अवैध मकानों को हटाने को लेकर अपनी प्रक्रिया को तेज कर दिया है। सबसे पहले आर्मी सेंटर्स से लगी भूमियों को खाली कराया जाना है। लिहाजा डिफेंस ईस्टेट ऑफिसर ने राजीव गांधी नगर के करीब 120 परिवारों को बेदखली का नोटिस थमा दिया है। उक्त सभी परिवारों को सार्वजनिक परिसर (अनधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 की धारा 5बी की उपधारा (1) के अंतर्गत नोटिस दिया गया है। बताया जाता है कि इसके पहले 18 अक्टूबर 2021 का संबंधित परिवारों को नोटिस दिया गए थे। जिसके तहत उन्हें भूमि से जुड़े दस्तावेजों को प्रस्तुत करने को कहा गया था। अब 21 नवबंर को पुनः नोटिस जारी करते हुए कहा गया है कि 10 दिसंबर तक अपने अवैध निर्माण को संबंधित परिवार हटा ले। साथ ही इस बात का उल्लेख है कि पूर्व में दिए गए नोटिसों का अभी तक जबाव प्रस्तुत नहीं किया गया है।

सुबह 7 बजे मैदान में उतरे निगमायुक्त, तीन घंटे तक शहर की सफाई का लिया जायजा

स्वच्छता हमारी जिम्मेदारी, इसे आदत में लाएंः निगमायुक्त अहिरवार

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने मंगलवार सुबह 7 बजे से शहर के प्रमुख इलाकों का तीन घंटे तक औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का लक्ष्य सफाई व्यवस्था में सुधार, जवाबदेही तय करना और कर्मचारियों को सतर्क रखना रहा। निगमायुक्त ने वर्कशॉप, बस स्टैंड, तीन पत्ती से घंटाघर, रसल चौक, नागरथ चौक, इनकम टैक्स क्षेत्र सहित कई इलाकों का दौरा कर सफाई व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य अमले से स्पष्ट शब्दों में कहा–स्वच्छता केवल जिम्मेदारी नहीं, इसे आदत में लाना होगा, तभी शहर स्वस्थ रहेगा।

लापरवाही पर सख्ती, वेतनवृद्धि रोकने का नोटिस

निरीक्षण के दौरान कुछ क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था में खामियां सामने आने पर निगमायुक्त ने तत्काल सख्त कदम उठाते हुए सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, मुख्य

स्वच्छता निरीक्षक, स्वच्छता निरीक्षक, वार्ड सुपरवाइजर, सभी को एक-एक वेतन वृद्धि रोकने का नोटिस जारी किया। उन्होंने सख्त संदेश देते हुए कहा कि स्वच्छता में किसी भी प्रकार की कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी।

सुबह 6 बजे से फील्ड में उतारने के निर्देश

निगमायुक्त ने सफाई, उद्यान, लोककर्म एवं अतिक्रमण विभागों के कार्यों का भी निरीक्षण किया। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए गए कि वे प्रतिदिन सुबह 6 बजे से अपने-अपने वार्डों में भ्रमण सुनिश्चित करें तथा सफाई व अन्य व्यवस्थाओं का नियमित निरीक्षण करें। इससे दिन की शुरूआत से ही शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने में मदद मिलेगी।

महिला सफाई कर्मियों से संवाद, हौसला अफजाई

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने करमचंद चौक के पास महिला सफाई संरक्षकों से बातचीत कर उनका मनोबल बढ़ाया और सीधे संवाद के माध्यम से उनकी समस्याएँ सुनीं।

उन्होंने कहा –

शहर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसे हमें आदत का हिस्सा बनाना होगा।

अधिकारी रहे उपस्थित

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन, अतिक्रमण अधिकारी मनीष तड़से, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अनिल बारी, अर्जुन यादव सहित स्वास्थ्य एवं निगम के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स, वार्ड वॉय, आया बाई, फिजियोथैरेपी और दवाईयॉं घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो. जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)

म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

12 साल बाद जीआरपी के हत्थे चढ़ा फरार स्थाई वारंटी

विशेष अभियान के तहत परवेज आलम गिरफ्तार, 2013 से था फरार

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जीआरपी जबलपुर ने स्थाई वारंटियों की तलाश और गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान एक बड़ी सफलता हासिल की है। करीब 12 वर्ष से फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2013 से चोरी के प्रकरण में न्यायालय द्वारा स्थाई वारंट जारी था। इस कार्रवाई का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक रेल सिमाला प्रसाद के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेल भावना मरावी और पुलिस उप अधीक्षक रेल अंकिता सुलया के मार्गदर्शन में किया गया। अभियान के तहत जीआरपी थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत ने वारंटियों की पतारसी हेतु विशेष टीम गठित की।

12 साल पुराना वारंटी आखिर पकड़ में आया- जीआरपी की टीम को 01 दिसंबर 2025 को सूचना मिली कि वर्ष 2013 में दर्ज चोरी के मामले में स्थाई वारंटी परवेज आलम देखा गया है। नामः परवेज आलम पिताः अब्दुल बहाव उम्रः 23 वर्ष निवासीः ग्राम परसा, थाना बेला, जिला सीतामढ़ी (बिहार) आरोपी के खिलाफ प्रकरण क्रमांक 10026/13, अपराध क्रमांक 141/13, धारा 379 भादवि के तहत न्यायालय द्वारा स्थाई वारंट जारी था, जिसके बाद से वह लगातार फरार था। जीआरपी टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया और न्यायालय का स्थाई वारंट तामील कराया। पुलिस टीम का सराहनीय योगदान इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में निम्न पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही– रक्षड संजीवनी राजपूत प्रधान आरक्षक व्यास सिंह आरक्षक संजीत कुमार जीआरपी द्वारा की गई यह कार्रवाई लंबे समय से फरार वारंटियों पर शिकंजा कसने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

रिपोर्ट मोहम्मद अकरम अंसारी

Mob.: 9770559042 Reg No. 48783
THE BEST ORTHO PHYSIOTHERAPY AND WELLNESS CENTRE
Dr. Riya Sonkar (PT) B.P.T., M.P.T. (Ortho) DNHE
Physiotherapist at GOVT RANIDURGAWATI (ELGIN) HOSPITAL JABALPUR
* Cupping & Manual Therapy
* Certified IASTM Therapist
* Certified Dry Needling Therapist
YOGA FITNESS CLASS ZUMBA
HOME VISIT AVAILABLE
64, Saket Nagar, Badi ukhri, Jabalpur (M.P.)
विशेष उपचार :-
Paralysis (लकवा)
Neck Pain (गर्दन दर्द)
Sciatica (सायटिका)
Frozen Shoulder (कंधे का दर्द)
Joint Pain (जोंड़ो का दर्द)
Osteoarthritis (बात)
Disc Prolapse/Slip disc (रीढ़ की हड्डी का खिसक जाना)
Facial Palsy etc (चेहरे का लकवा)
WEIGHT LOSS DIET
आधुनिक मशीनों एवं कसरत व व्यायम द्वारा उपचार किए जाते है

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

ढाई माह बाद भी मोहगांव दंपती हत्याकांड का पुलिस नहीं कर सकी खुलासा, भोपाल से डीएनए आने पर क्या होगा हत्याकांड खुलासा या फिर राजनीति दबाव

कटंगी थाना के मोहगांव में बिसेन दंपती की निर्मम हत्या का मामला

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। बालाघाट जिले के कटंगी थाना क्षेत्र के मोहगांव नांदी में गत 13 सितंबर की रात्रि हुए डबल हत्याकांड मामले में ढाई माह बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। मामले में पुलिस ने करीब 15-20 संदेहियों का डीएनए लेकर जांच करने फारेंसिक लैब भोपाल भेजा गया हैं। वहां से रिपोर्ट आने पर क्या हत्या का खुलासा होगा, सबको बेसब्री से इंतजार है। इधर, आम जनता और कुछ जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि पुलिस इस हत्याकांड को राजनीतिक दबाव के चलते दबाने का प्रयास कर रही है और लोगों का ध्यान भटकाने पूरे जिले भर में हेलमेट चेकिंग व शाम की गश्त में जबरन बेगुनाह लोगों को शराब पीने के नाम पर परेशान करने का काम किया जा रहा है, लेकिन हत्या, चोरी जैसे मामले कई लंबित है उनका खुलासा करवाने का इनके पास समय नहीं हैं।

ग्राम मोहगांव में प्रतिष्ठित बिसेन परिवार से ताल्लुक रखने वाले बिसेन दंपती के शव उन्हीं के घर पर बेडरूम में लहूलुहान हालत में बरामद किए गए थे। प्रथम दृष्टया अज्ञात आरोपितों के द्वारा निर्मम हत्या करने का अनुमान लगाया गया था। इस पूरी वारदात को अंजाम देने में दो से अधिक लोगों के शामिल होने का अनुमान है। अज्ञात आरोपितों ने हेमेन्द्र बिसेन (47 वर्ष) और उनकी धर्मपत्नी योगिता बिसेन (47 वर्ष) की धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी है।

बिसेन दंपती की ऐसी है परिवार की परिस्थिति

बताया जा रहा है कि परिवार में सबसे छोटे हेमेन्द्र बिसेन हार्डवेयर का व्यापार करते थे। पड़ोस के ही नांदी गांव में उनकी हार्डवेयर की दुकान थी और अपने तीन बड़े भाई ईश्वरी प्रसाद बिसेन, करण बिसेन और शैलेन्द्र बिसेन के साथ एक ही परिसर में बने मकान में निवास करते थे। 13 सितंबर की रात्रि को सभी ने साथ में भोजन किया और करीब 12 बजे तक टीवी देखने के बाद सभी अपने-अपने कमरों में सोने के लिए चले गए थे। हेमेन्द्र का पुत्र भी अलग कमरे में सोने के लिए चले गया था। 14 सितंबर को सुबह करीब साड़े आठ बजे जब हेमेन्द्र और उनकी धर्मपत्नी नहीं जागी, तो करण बिसेन की पत्नी अपने देवर और बहू को जगाने के लिए उनके कमरे की तरफ गई। जहां बहू योगिता बिसेन बिस्तर पर और देवर नीचे जमीन पर खून से लथपथ मृत अवस्था में थे। ग्राम मोहगांव में हुई इस वारदात ने सभी को अचरज में डाल रखा है, क्योंकि बिसेन परिवार के प्रत्येक सदस्य का व्यवहार बेहद ही संतोषजनक है। आपस में सभी भाइयों के बीच घनिष्ट प्रेम भी हैं।

दूसरे दिन 14 सितंबर की सुबह करीब साढ़े आठ बजे हेमेन्द्र बिसेन के सभी तीन भाइयों और भाभियों को घटना के बारे में पता चला। उसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी गई। इस वीभत्स घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा घटनास्थल पर पहुंचे थे।

उन्होंने घटनास्थल का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया था। एसडीओपी विवेक शर्मा और थाना प्रभारी धमेन्द्र कुशराम की मौजूदगी में एफएसएल की टीम ने घटनास्थल से भौतिक साक्ष्य एकत्रित किए गए थे। मामले की जांच करने अलग से टीम भी गठित की गई। इसमें अनेक लोगों को संदेह के आधार पर पूछताछ किया गया। इसके बावजूद पुलिस आरोपितों तक नहीं पहुंच पाई है। ऐसे में पुलिस के ऊपर से लोगों का विश्वास कम होने लगा है। हत्याकांड का खुलासा नहीं होने की वजह से गांव के लोग शाम होते ही भयभीत नजर आने लगे है, क्योंकि इसी थाना क्षेत्र में कई चोरियों का भी आज तक

इनका कहना है

हमें जिन लोगों पर संदेह था। ऐसे 15-20 लोगों का डीएनए लेकर जांच करने भोपाल भेजा गया है। डीएनए रिपोर्ट आने के बाद ही मामले का खुलासा हो पाएगा। इसमें थोड़ा समय लगेगा, क्योंकि डीएनए टेस्ट एक ही जगह में होते है।

विवेक शर्मा
एसडीओपी, कटंगी।

टीएल बैठक में की गई समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। 01 दिसम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ ने विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर जी एस धुर्वे, डीपी बर्मन, एसडीएम गोपाल सोनी एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम सीएम हेल्पलाईन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। इस दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सीएम हेल्पलाईन में प्राप्त शिकायतों का तत्परता के साथ निराकरण करें। अधिकारी शिकायतकर्ता से सम्पर्क कर उसका संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें। सभी विभागो को सीएम हेल्पलाईन की ग्रेडिंग में अग्रणी स्थान पर रहना है। बैठक में वृंदावन ग्राम योजना के अंतर्गत चयनित ग्रामों के विकास के लिए अन्य विभागों को कार्य योजना बनाकर शीघ्रता से प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गए।

बैठक में प्रसूति सहायता योजना एवं आहार अनुदान योजना का लाभ हितग्राहियों को तत्परता के साथ दिलाने के निर्देश दिये गए और कहा गया कि कोई भी पात्र हितग्राही इसके लाभ से वंचित नही रहना चाहिए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत नक्सल प्रभावित क्षेत्र में अत्यधिक आवश्यकता वाली 10 सड़को का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सातनारी जलाशय के कार्य में प्रगति लाए और नहरों की साफ-सफाई का कार्य तत्परता के साथ पूर्ण करें। इस दौरान बताया गया कि सातनारी जलाशय का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है और नहरों की सफाई का कार्य भी किया जा रहा है।

किसानों को गेहूं व मसूर के बीज का किया वितरण

दैनिक रेवांचल टाइम्स मलाजखण्ड। ब्लाक बिरसा में कृषि विभाग के तरफ से अनेक गांवों में बीजों का वितरण किया जा रहा है। जिससे किसान अच्छे बीज खेत में बुवाई कर फसल उत्पादित की जा सके। ग्राम सुंदरवाही में 10 से अधिक किसानों को गेहूं, मसूर के बीजों का वितरण किया गया। इसमें किसान नसीब धुर्वे, सुंदर

प्रतापसिंग, संपतसिंह मरकाम, ज्ञानीराम कुर्वे, अशोक यैगारे सहित अन्य शामिल है। इस अवसर पर कृषि सभापति धर्मसिंह मरकाम, लक्ष्मी कावरे जनपद सदस्य, अनुपसिंह मरकाम जनपद सदस्य, कौशल्या मेरावी जनपद सदस्य, मनोता उइके जनपद सदस्य, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी योगेश वाहने, कृषि विस्तार अधिकारी खिमलेश्वरी धुर्वे, दिव्याप्रकाश मेरावी, ललित टेकाम, दामिनी मेश्राम उपस्थित रहे।

20 घंटे बाद हुई वृद्ध की शिनाख्त, परिजनों के पहुंचने पर कराया गया पीएम, दुपहिया वाहन की टक्कर से हुई थी चौकीदार वृद्ध की मौत

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जिला अस्पताल में सड़क हादसे के बाद मृत हुए जिले के भरवेली थाना क्षेत्र अंतर्गत ट्वेझरी निवासी रामलाल पिता तुलसीराम कुंभलकर की पहचान, 20 घंटे बाद हो सकी। दरअसल, ट्वेझरी निवासी रामलाल कुंभलकर (62), वर्षीय, आंवलाझरी में एक निजी बंगले में चौकीदारी का काम करता था। जो रविवार को शाम तकरीबन 6-7 बजे के बीच घर से निकला था। इसी दौरान बालाघाट-भरवेली मार्ग पर किसी दुपहिया वाहन चालक ने तेज रफ्तार में टक्कर मार दी। घायल रामलाल को जिला अस्पताल लाया गया। जहां उसकी रविवार की रात तकरीबन 10 बजे हो गई थी। चूंकि मृतक के बारे में कोई

जानकारी नहीं होने पर पुलिस ने, उसे अज्ञात मानकर, शव को सुरक्षित फ्रिजर में रखवा दिया था।

सड़क हादसे में वृद्ध की पतासाजी के लिए उसकी मौत की जानकारी, पुलिस ने जिले के सभी थाना, चौकियों को रेडियो मैसेज के साथ ही उसकी फोटो व्हाट्सअप ग्रुप और ग्रामीण प्रतिनिधियों को भेजा था। जिसके बाद उसकी फोटो के आधार पर पहचान, ट्वेझरी निवासी रामलाल के रूप में की गई। दोपहर तकरीबन 3 बजे परिजन, जिला अस्पताल पहुंचे। जिसके बाद अस्पताल चौकी पुलिस ने शव बरामद कर पंचनामा कार्यवाही के बाद शव का पीएम करवाकर, शव परिजनों को सौंप दिया है।

पड़ोसी लक्ष्मीचंद गोमासे ने पता चला कि उपसरपंच से हमें पता चला कि रामलाल कुंभलकर की मौत हो गई। जिसके बाद परिजनो के साथ, हम अस्पताल पहुंचे। यहां पुलिस ने शव पंचनामा कार्यवाही कर शव का पीएम करवाया है। अस्पताल चौकी पुलिस ने बताया कि शव की पहचान होने के बाद पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मामले की अग्रिम जांच भरवेली पुलिस द्वारा की जाएगी।

बालाघाट में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ साफ्टवेयर समस्या से किसान नहीं बेच सके धान

बहेराभाटा केन्द्र को लेकर किसानों ने जताई आपत्ति

पहले दिन 12 उपार्जन केन्द्रो में 36 किसानों से खरीदी गई 1173 क्विंटल धान

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट।

1 दिसंबर को समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ हो गई है, जिले में इस वर्ष, 185 खरीदी केन्द्र बनाए गए है। जिसमें 130038 किसानो ने समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए पंजीयन कराया है। सरकार ने इस वर्ष धान का रेट 2389 रूपए तय किया है। 1 दिसंबर को प्रारंभ हुई अधिकांश धान खरीदी सेंटर में किसान, धान का विक्रय करने नहीं पहुंचे। जिससे खरीदी केन्द्रो में सन्नाटा पसरा रहा। हालांकि किसान, धान विक्रय करने, स्लॉट बुक कराने पहुंचे थे। जिसमें भी कई केन्द्रो में सर्वर समस्या के कारण, किसानों को परेशान होना पड़ा।

लामता साख समिति 9 किसानो ने अपने स्लाड बुक किए। जबकि दो किसान, धान विक्रय करने पहुंचे थे। लेकिन तकनीकी खराबी होने के कारण किसानो से धान नही खरीदा जा सका। इसी प्रकार चरेगांव, टाकाबर्रा, घुनाड़ी, चांगोटोला,गुडरू और मोहगांव स्थित धान खरीदी केन्द्रो में भी साफ्टवेयर बंद होने से, कारण धान खरीदी नही हो सकी। हालांकि खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने साफ्टेवयर की समस्या से इंकार किया है और बताया है कि पहले दिन 12 उपार्जन केन्द्रो में 36 किसानों से 1173 क्विंटल धान खरीदी गई है।

दूसरी ओर ग्राम पंचायत सालेटेकरी तथा आसपास के ग्रामीणों ने बहेराभाटा में संचालित हो रही धान खरीदी पर गंभीर आपत्ति जताते हुए इसे कलेक्टर के आदेशों का खुला उल्लंघन बताया है। कृषकों ने आरोप लगाया है कि शासन की बिना अनुमति बहेराभाटा में धान खरीदी शुरू कर दी गई है, जबकि कलेक्टर, खाद्य शाखा ने 27 नवंबर को जारी आदेश में स्पष्ट रूप से सेवा सहकारी समिति मर्यादित सालेटेकरी (केंद्र क्रमांक 01) को ही अधिकृत खरीदी केंद्र घोषित किया है। इसके बावजूद, ग्रामीणों का कहना है कि बहेराभाटा में बिना अनुमति केंद्र संचालित कर धान खरीदी की जा रही है, जिससे नियमों का उल्लंघन तो हो ही रहा है, साथ ही कुछ राजनीतिक तत्वों की मिलीभगत से निजी लाभ उठाने का प्रयास होने की आशंका किसानों ने जाहिर की है। ग्रामीणों ने बताया कि 25 अगस्त को सालेटेकरी, रघोली, लालपुर और मछुरदा पंचायतों के कृषकों ने इसी विषय पर शिकायत की गई थी, किंतु अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण पुनः आवेदन देना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि यदि नियम विरुद्ध चल रही यह प्रक्रिया नहीं रोकी गई तो वे सामूहिक रूप से माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में रिट याचिका दायर करेंगे।

छात्रो, जनप्रतिनिधियों और पंडितो ने किया गीता पाठ

सांदीपनी स्कूल में किया गया गीता जयंती पर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन, सैकड़ो की संख्या में रही मौजूदगी

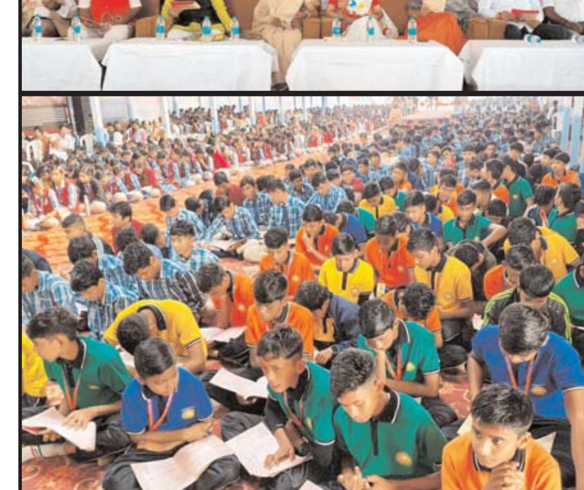

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट।

1 दिसंबर को गीता जयंती पर आयोजित किए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव पर राज्य में हो रहे कार्यक्रम की तरह बालाघाट के सांदीपनी स्कूल में गीता पाठ किया गया। गीता जयंती पर आयोजित गीता महोत्सव कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, शिक्षक, हिन्दु संगठन पदाधिकारी, पंडित और विभिन्न स्कूलो के विद्यार्थी मौजूद रहे। अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती पर सांदीपनी स्कूल में श्रीमद्भगवद्गीता के 15 वें अध्याय का पाठ किया गया। युगावतार भगवान श्रीकृष्ण के मानव कल्याण के संदेश को आत्मसात किए जाने के उद्देश्य को लेकर संस्कृत में गीता पाठ हुआ।

विश्व गीता प्रतिष्ठानम के संयोजक रत्नेश शिवहरे ने बताया कि विश्व गीता प्रतिष्ठानाम और मध्य प्रदेश शासन के संयुक्त कार्यक्रम, आयोजित किया गया है। जिला स्तर पर 1100 और विकासखंड स्तर पर 500 व्यक्तियों के द्वारा श्रीमद् भगवत गीता के 15 अध्याय का पठन-पाठन किया गया। उसके पूर्व गीता स्वाध्याय (गीताजी का विधिवत पूजन) किया गया। संस्कृत में किए गए गीता पाठ में नगरपालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर, शिक्षाविद लता एलकर, पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी, नपा उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, भाजपा उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, आरएसएस विभाग संचालक वैभव कश्यप सहित अन्य जनप्रतिनिधि, सामाजिक और स्वयंसेवी संगठन तथा छात्र, छात्राएं उपस्थित थे।

पालडोंगरी में मड़ई मेला आज

दैनिक रेवांचल टाइम्स लांजी। जनपद पंचायत लांजी के ग्राम पालडोंगरी में मंगलवार दो दिसंबर को दिन रात की मड़ई मेले का आयोजन मड़ई मेला समिति ग्राम पालडोंगरी के द्वारा किया गया है। मड़ई मेले के तहत दिन में धार्मिक सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। रात्रि में छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक लोक कला मंच के द्वारा सुर सिंगार कार्यक्रम में प्रस्तुति उनके सभी कलाकारों के द्वारा दी जाएगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत प्रमुख विधा सामूहिक, एकल नृत्य, सुवा, कर्मा, ददरिया, देवार, पंथी गीत एवं हास्य प्रसंग सहित अन्य कलाओं की प्रस्तुति सोनू दीवान गायक, कुमार लाल पोर्ते, झूला रंगीला, लल्ली कुसरे गायिका सहित अन्य कलाकारों के द्वारा दी जाएगी। आयोजित कार्यक्रम में पालडोंगरी मड़ई मेला समिति के अध्यक्ष गणेश नारनौरे, खाणेश उमरे, विकास उमरे, पवन पालेवार, पंकज ढोमने, सचिन वासनिक, अजय उमरे सहित सदस्यों व ग्रामीणों समस्त क्षेत्रवासियों ने लोगों से पहुंचने की अपील की है।

चांदनी चौक नेवरगांव में मेला आज

दैनिक रेवांचल टाइम्स लामता। लामता तहसील के ग्राम नेवरगांव चरेगांव में चांदनी चौक सार्वजनिक मेला उत्सव समिति के तत्वावधान में चौथे वर्ष में दिन-रात का मेले का आयोजन मंगलवार को किया जा रहा है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि ग्राम में मेला मड़ई से एकता व भाईचारा बड़ता है। साथ ही ग्रामीणजनों का मनोरंजन भी होता है। इस वर्ष मेले में रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए समिति की ओर से रात्रि आठ बजे से देवी जागरण के पश्चात, नागपुर का मशहूर अम्बे म्यूजिकल ग्रुप व आर्केस्ट्रा कार्यक्रम रखा गया है। इसके साथ ही अपनी धमाकेदार कामेडी के लिए प्रसिद्ध अमित जोसेफ भोपाली अपनी टीम के साथ उपस्थित होकर श्रोताओं का मनोरंजन करेंगे। मेला समिति के अध्यक्ष बलराम जैतवार, संतोष राहंगडाले, आशीष राहंगडाले, विकास यादव, सागर यादव, दुर्गेश बिसेन, पंकज जैतवार, ऋषि चौहान, मुकेश टरंडे, समिति के संरक्षक मंडल, कार्यकारिणी सदस्यों ने मेला और आयोजित कार्यक्रम का आनंद उठाने की अपील की है।

संपादकीय

विकास से हारा टैरिफ

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप स्तब्ध और हैरान होंगे! भारत की जिस अर्थव्यवस्था को उन्होंने मृत करार दिया था और 27 अगस्त को 50 फीसदी टैरिफ थोपा था, दोनों ही गलत और बेअसर साबित हुए। अमरीका भारत को रूस से भी तोड़ नहीं सका। यह अमरीका को भारत की जबरदस्त चुनौती है, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था की गति जापान, जर्मनी, फ्रांस सरीखे विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं की गति से भी तेज साबित हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) की आर्थिक विकास दर 8.2 फीसदी रही है। 2023-24 में भी विकास दर 9 फीसदी से अधिक रही थी और वित्त वर्ष का समापन 8.4 फीसदी के साथ हुआ था। भारत की वास्तविक जीडीपी 48.63 लाख करोड़ रुपए है, जबकि एक साल पहले यह 44.94 लाख करोड़ रुपए थी। भारत की नॉमिनल जीडीपी 85.25 लाख करोड़ रुपए है। नॉमिनल जीडीपी के मायने हैं कि एक ही भौगोलिक सीमा के भीतर, एक अर्थव्यवस्था में, एक निश्चित अवधि में, उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का कुल बाजार मूल्य कितना है। उसमें मुद्रास्फीति को समायोजित नहीं किया जाता। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन का आकलन है चूंकि पहले 6 माह की बढ़ोतरी दर 8 फीसदी से अधिक रही है, नतीजतन अब भारत की कुल अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन डॉलर के पार होगी और चालू वित्त वर्ष की अंतिम आर्थिक विकास दर करीब 7.5 फीसदी हो सकती है। बजट संसद में पेश करने से पहले जो आर्थिक समीक्षा सदन में रखी गई थी, उसमें 2025-26 की विकास दर का अनुमान 6.3-6.8 फीसदी लगाया गया था। अर्थव्यवस्था में यह बढ़ोतरी भारत के सतत आर्थिक विकास को प्रतिबिंबित करती है। चूंकि त्योहारी मौसम की मांग और खरीद के आंकड़े अभी सामने आने हैं। अक्तूबर-दिसंबर की तीसरी तिमाही की बढ़ोतरी दर और भी अच्छी हो सकती है। जीएसटी की दरों में जो कमी की गई, उनसे आम आदमी ने भी खरीददारी बढ़ाई है। त्योहारी मौसम में तो व्यापक, बंपर खरीददारी होती रही है। भारत में निजी खपत का जीडीपी में योगदान 55-57 फीसदी तक रहा है। यदि विकास दर 8 फीसदी से अधिक है, तो जाहिर है कि निजी खपत बढ़ रही है। लोगों में क्रय-शक्ति है। वे मांग कर रहे हैं और वस्तुओं, सेवाओं का उपभोग कर रहे हैं, लिहाजा बाजार में चमक है और उत्पादन बढ़ रहा है। दूसरी तिमाही के दौरान मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में 9.1 फीसदी, सेवा में 9.2 फीसदी, निर्माण में 7.4 फीसदी (कुछ कम हुआ), कृषि में 3.5 फीसदी, नॉमिनल जीडीपी में 8.7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। व्यापार, होटल, परिवहन, संचार सेवाओं के क्षेत्र में 7.4 फीसदी, बिजली में 4.4 फीसदी, फाइनेंशियल, रियल एस्टेट, पेशेवर सेवाओं में बढ़ोतरी 10 फीसदी से ज्यादा हुई है। इन क्षेत्रों का जीडीपी में करीब 25 फीसदी योगदान होता है। दरअसल भारतीय कंपनियों ने टैरिफ लगने से पहले ही उत्पादन और निर्यात को बढ़ा दिया था, नतीजतन टैरिफ का जीडीपी और अर्थव्यवस्था पर कोई नकारात्मक असर नहीं दिखा। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और थोक मूल्य सूचकांक के स्तर पर मुद्रास्फीति इस तिमाही के दौरान कम ही रही। इसी आधार पर महंगाई को नियंत्रित किया जा सका। आर्थिक विकास दर से प्रधानमंत्री मोदी, उद्योगपति, व्यापारी, बाजार और आम उपभोक्ता सभी गदगद होंगे। ऐसे मौकों पर एक बुनियादी सवाल कुरेदता रहा है कि जब हम आर्थिक तौर पर इतने मजबूत हो रहे हैं, बाजार में मांग और व्यापार हैं, तो उसका पूरा लाभ आम आदमी को क्यों नहीं मिल पाता? देश में आज भी 81 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज हर माह बांटा जा रहा है। इसके अलावा, सस्ता गेहूं, चावल की योजना गरीबी-रेखा के नीचे वालों के लिए भी है। हमारा दावा है कि करोड़ों की यह जमात बेरोजगार नहीं है। यदि है, तो सरकार एक अभियान चला कर उन्हें रोजगार मुहैया करा सकती है।

टेस्ट में भारत की गिरती बादशाहत

भारतीय क्रिकेट में रेंगने की चर्चा का दौर

हिंदी टीवी समाचार चैनलों पर जिस तरह की कल्पनाशील और रंगीन सुर्खियां जारी की जाती हैं, उसे देखते हुए मुझे आश्चर्य हो रहा है कि अब तक किसी ने दक्षिण अफ्रीका द्वारा भारत को हराए जाने को बौने का बदला नहीं कहा। मानव विकास के इस चरण में, बौना शब्द का प्रयोग भी बेहद अनुचित है। बौना हिंदी/पंजाबी में एक और अधिक अपमानजनक शब्द है, जिसका उपयोग किसी छोटे कद वाले व्यक्ति के लिए किया जाता है। जसप्रीत बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा को यही कहकर पुकारा था। महज पांच फुट चार इंच कद के बावुमा दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीम में शानदार बदलाव लाए हैं। बुमराह मैच के दौरान विकेटकीपर ऋषभ पंत से एलबीडब्ल्यू की एक अपील को लेकर बात कर रहे थे। पंत ने कहा, यह शॉर्ट (छोटा) भी तो है। बुमराह ने इसके बाद बौना शब्द का प्रयोग किया और एक ऐसी गाली दे दी जो कई भाषाओं में आम बोलचाल में है। प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में गालियां आम हैं और उनसे किसी को दिक्कत भी नहीं होती। महिला क्रिकेट भी इस मामले में पीछे नहीं है। परंतु स्टंप माइक्रोफोन और सोशल मीडिया के जमाने में गाली के साथ बौना बोलने के बाद आप बच नहीं सकते। बावुमा क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी हैं। पांच फुट चार इंच की ऊंचाई उनके क्रिकेटिंग कद को परिभाषित नहीं करती। ठीक वैसे ही जैसे सुनील गावसकर या एक इंच लंबे सचिन तेंडुलकर या गुंडप्पा विश्वनाथ को नहीं करती थी। दक्षिण अफ्रीका के लिए तो बावुमा भी उनकी तरह लिटल मास्टर हैं। वह उस देश की क्रिकेट टीम के पहले काले कप्तान हैं जो नस्ली विभाजन से निपट रहा है। वह विभाजन जो रग्बी से लेकर क्रिकेट तक तमाम खेलों में मौजूद रहा है। बावुमा ने पहले टेस्ट की दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी में कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए 55 रन बनाए, जो उस टेस्ट में दोनों टीमों की ओर से सर्वोच्च स्कोर था। इस पारी ने उनकी टीम की जीत की नींव रखी। इसके बाद भारत को अपने ही घर में सबसे बड़े अंतर यानी 408 रनों से करारी हार और अपमान झेलना पड़ा, जिससे श्रृंखला 2-0 से दक्षिण अफ्रीका के हक में समाप्त हुई। इस तरह बौना ने, यदि ऐसा कहा जाए, बदला ले लिया। दक्षिण अफ्रीका ने पहला टेस्ट बमुश्किल आठ सत्रों में अपने नाम कर लिया। हमने देखा कि मैच समाप्त होने पर बुमराह बावुमा से गर्मजोशी से बातचीत करते नजर आए। उनके चेहरे पर बधाई का भाव था और शायद पश्चाताप का भी। गुवाहाटी में चौथे दिन के अंत तक, जब पूछा गया कि उन्होंने भारत को इतनी देर तक मैदान में क्यों रखा बजाय पहले घोषणा करने के, तो दक्षिण अफ्रीका के कोच शुक्री कॉनराड ने कहा, हम चाहते थे कि वे रेंगे। संभव है कि उन्हें संदर्भ पता था। वे भारत को उनके ही अंदाज में क्रिकेट के तौर-तरीके सिखा रहे थे। चोट के बदले चोट। रेंगने (ग्रवल)का संदर्भ 1976 में जाता है जब वेस्टइंडीज की टीम इंगलैंड आई और मेजबान कप्तान टोनी ग्रेग ने श्रृंखला से पहले कहा था कि वह वेस्टइंडीज की टीम को रेंगने पर विवश करना चाहते हैं। नस्लवाद किसी से छिपा नहीं रहा, और इसलिए भी कि ग्रेग दक्षिण अफ्रीका में जन्मे थे और वह नस्लभेद युग का शिखर समय था। इस बात ने वेस्टइंडीज की टीम को नाराज और एकजुट किया। उन्होंने इंगलैंड को उसके ही घर में 3-0 से पराजित किया। हालांकि उस समय वेस्ट इंडीज की टीम में क्लाइव लॉयड, गॉर्डन ग्रीनिज, विवियन रिचड्र्स, माइकल होल्डिंग, ऐंडी रॉबट्र्स, वैनबर्न होल्डर, वेन डैनियल और अन्य जैसे महान खिलाड़ी थे। गुवाहाटी में मैच के बाद हुए संवाददाता सम्मेलन में बावुमा से रेंगने वाली टिप्पणी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि कोच की उम्र तकरीबन 60 साल है और वह उनके शब्दों के बारे में सोचेंगे। उन्होंने यह भी कहा, लेकिन इस श्रृंखला में कुछ (भारतीय) खिलाड़ी भी हद पार करते नजर आए हैं। यह पहला मौका नहीं है जब बावुमा का मजाक उड़ाया गया है। इंटरनेट पर 2023 में उनकी कही एक बात तुरंत तैरने लगी, मुझे जिंदगी में कई नामों से बुलाया गया है। कुछ नाम दुख देते हैं लेकिन मुझे जिंदगी में जिस नाम से सबसे अधिक बुलाया गया, वह है टेंबा। मेरी दादी ने मुझे टेंबा नाम दिया था क्योंकि इसका अर्थ है उम्मीद। अपने समुदाय के ?लिए उम्मीद। अपने देश के लिए उम्मीद। हालांकि ये शब्द श्रृंखला को परिभाषित नहीं करते। श्रृंखला की वास्तविक परिभाषा है भारतीय टेस्ट क्रिकेट का विनाशकारी पतन, जहां एक विदेशी टीम ने पूरी श्रृंखला पर कब्जा कर लिया। भारतीय जेन-जी और यहां तक कि मिलेनियल्स को भी याद नहीं कि भारतीय टेस्ट क्रिकेट कभी ऐसी स्थिति में रहा हो। 2008 से 2025 के बीच खेले गए 88 घरेलू टेस्ट मैचों में भारत ने शानदार 59 जीत दर्ज की थीं। भारत दो बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल तक पहुंचा और शास्त्री-द्रविड़ युग में लंबे समय तक टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर बनाए रखा। इन 17 साल में भारत अपनी जमीन पर केवल 10 टेस्ट हारा। इनमें से आधे यानी पांच बीती दो श्रृंखलाओं में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध मिली हार हैं। हम देश में मिलने वाली बढ़त गंवा चुके हैं और विडंबना है कि हमारी टीम अब विदेश में अधिक बेहतर खेल रही है बजाय कि देश के। हमारी मौजूदा टीम न तो बेहतर स्पिन गेंदबाजी कर पा रही है, न ही स्पिन के विरुद्ध अच्छी बल्लेबाजी। दूसरा, टीम प्रबंधन में बदलाव के बाद हरफनमौला खिलाड़ी विशेषज्ञों पर तरजीह पा रहे हैं। 2001 से ही भारत का घरेलू फॉमूर्ला साधारण रहा है। एक आक्रामक विकेट कीपर, दो तेज गेंदबाज और तीन विशेषज्ञ स्पिन गेंदबाज। अगर इनमें से कुछ अच्छी बल्लेबाजी भी कर लें तो बेहतर। समय के साथ उम्र और थकान ने पुराने स्पिनरों पर असर डाला। फिर यह अजीब मूर्खतापूर्ण विचार आया कि वॉशिंगटन सुंदर को बल्लेबाजी करने वाले ऑफ-स्पिनर के रूप में खिलाया जाए, जिसने ईडन गार्डन्स की दो-दिवसीय पिच पर केवल एक ओवर फेंका और गुवाहाटी में एक विकेट लिया और 48 रन बनाए। कितनी हास्यास्पद बात है कि उनको नंबर तीन पर उतारा गया। वह स्थान जो हाल ही में शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा और राहुल द्रविड़ का रहा है और फिर गुवाहाटी में उन्हें नंबर आठ पर धकेल दिया गया। नीतीश रेड्डी को भी बल्लेबाजी हरफनमौला के रूप में खिलाया गया। उन्होंने भी गुवाहाटी में दो पारियों में 10 ओवर फेंके और इतने ही रन बनाए। यह हठधर्मिता है। भारतीय चयनकताओं को, आत्मसंतुष्ट अजीत अगरकर के नेतृत्व में, घरेलू क्रिकेट पर नजर रखनी चाहिए थी ताकि कुछ स्पिन प्रतिभा सामने आए। मुझे यकीन है कि रणजी में आधा दर्जन खिलाड़ी होंगे जो आज सुंदर या जाडेजा से बेहतर गेंदबाजी कर सकते हैं। बल्लेबाजों को घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए था और स्पिन खेलने का अभ्यास कराया जाना चाहिए था। दक्षिण अफ्रीका भी पाकिस्तान में ड्रॉ हुई श्रृंखला के बाद अच्छी तरह तैयार होकर आया। बड़ी समस्या यह है कि बीसीसीआई का ध्यान टेस्ट क्रिकेट पर नहीं है। प्रशंसक ही उसका ग्राहक है और टेस्ट क्रिकेट खेल का सबसे शुद्ध तथा सबसे मूल्यवान रूप है। इंगलैंड और ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के दर्शक आंकड़ों पर नजर डालिए। इसे क्रिकेट और पार्टी राजनीति को भूलकर परिस्थितियों के अनुसार सही विकल्प चुनने की नीति पर लौटना होगा। यदि खेल के अलग-अलग प्रारूपों के लिए अलग कप्तान हो सकते हैं, तो अलग कोच भी खोजे जा सकते हैं। गौतम गंभीर क्रिकेट की नई पीढ़ी से आते हैं, जिसका सबसे आक्रामक रूप उनके पश्चिमी दिल्ली में मिलता है, जो विराट कोहली की कर्मभूमि भी है। यह क्या उखाड़ लेगा स्कूल ऑफ क्रिकेट है। फिलहाल, उन्होंने केवल भारतीय टेस्ट क्रिकेट की गिल्लियां उखाड़ दी हैं। उन्हें चयन समिति के साथ जाना चाहिए। उन्होंने उस स्टार सिस्टम को नष्ट करने के लिए एक बड़े अभियान की शुरूआत की जिसे वह नापसंद करते थे। भारत का रेड बॉल वर्चस्व एक आकस्मिक क्षति बन गया है। क्या उन्हें परवाह है? इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अब उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। यह डब्ल्यूटीसी चक्र ऑस्ट्रेलिया के भारत में पांच टेस्ट खेलने के साथ समाप्त होता है।

राशिफल

मेष राशि :- दैनिक व्यवसाय गति में सुधार होगा, योजनायें फलीभूत होंगी, रुके कार्य बनेंगे ध्यान दें।

वृष राशि :- दैनिक क्षमता में वृद्धि होगी, सफलता एवं प्रभुत्व वृद्धि के योग बनेंगे, कार्यगति पर ध्यान अवश्य दें।

मिथुन राशि :- आर्थिक योजना पूर्ण होगी, कार्य क्षमता में वृद्धि के योग बनेंगे, इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा।

कर्क राशि :- कार्य व्यवसाय अनुकूल रहेगा, चिन्तायें कम होंगी तथा इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, समय का ध्यान रखें।

सिंह राशि :- धन लाभ होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, कार्यवृत्ति में सुधार होगा, कार्य पर ध्यान दे।

कन्या राशि :- कुछ समस्या सुलझेंगी कुछ पैदा होंगी, समय अनुकूल नहीं सोच-विचार कर कार्य अवश्य करें।

तुला राशि :- कार्य-व्यवसाय क्षमता अनुकूल होगी, आशाओं में कुछ सफलता किन्तु तनाव बनेगा, धैर्य अवश्य रखें।

वृश्चिक राशि :- धन लाभ होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, कुटुम्ब की समस्यायें अवश्य ही सुलझेंगी ध्यान दें।

धनु राशि :- प्रत्येक कार्य में विलम्ब संभव है, धन लाभ होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, कार्य समय पर करें।

मकर राशि :- आरोप व क्लेश संभव है, धन का व्यय होगा किन्तु विशेष सफलता से खुशी होगी, धैर्य के साथ कार्य करें।

कुंभ राशि :- सफलता के साधन जुटायेंगे, सोचे कार्य समय पर पूर्ण होंगे, रुके कार्य परिश्रम से बनेंगे, आलस्य से हानि।

मीन राशि :- किसी तनाव व क्लेश की स्थिति से बचें, अशांति व असमंजस का वातावरण रहेगा, वाद-विवाद से बचें।

प्रकृति का अद्भुत सौंदर्य और मन को शांत करने वाला ठिकाना है पापीकोंडालु

पापीकोंडालु कृष्णा जिले और पूर्वी-गोडावरी जिले की सीमा पर स्थित हैं। यहाँ पर गोदावरी नदी पर्वत श्रृंखलाओं के बीच से बहती हुई नागिन जैसी बलखाती है। पापीकोंडालु नाम का अर्थ हैझ पापों को हरने वाली पहाड़ियाँ। कहा जाता है कि यहाँ आने मात्र से मनुष्य का मन निर्मल हो जाता है और जीवन में शांति का संचार होता है। आंध्र प्रदेश का पापीकोंडालु भारत के उन प्राकृतिक स्थलों में से एक है जहाँ पहुँचते ही पर्यटक खुद को किसी अलग ही दुनिया में पाते हैं। यह रमणीय स्थल गोदावरी नदी की घाटियों के बीच स्थित है और अपनी हरियाली, पहाड़ों की श्रृंखला और नदी के शांत प्रवाह के कारण दक्षिण भारत का कश्मीर भी कहा जाता है।

पापीकोंडालु का भूगोल और नाम

पापीकोंडालु कृष्णा जिले और पूर्वी-गोडावरी जिले की सीमा पर स्थित हैं। यहाँ पर गोदावरी नदी पर्वत श्रृंखलाओं के बीच से बहती हुई नागिन जैसी बलखाती है। पापीकोंडालु नाम का अर्थ है झ पापों को हरने वाली पहाड़ियाँ। कहा जाता है कि यहाँ आने मात्र से मनुष्य का मन निर्मल हो जाता है और जीवन में शांति का संचार होता है।

पर्यटन का मुख्य आकर्षण

बोट क्रूज (नौका विहार) झ पापीकोंडालु घूमने का सबसे रोमांचक अनुभव बोट क्रूज है। पर्यटक राजमहेंद्रवरम या पोलवरम से बोट पकड़कर गोदावरी की गहराइयों में प्रवेश करते हैं। पानी के बीच से उठती हरी-भरी पहाड़ियाँ मन मोह लेती हैं। वन्य जीवन और प्राकृतिक सौंदर्य झ यह क्षेत्र वनस्पति और जीव-जंतु विविधता से भरा है। यहाँ तेंदुआ, हिरण, जंगली भैंसा और कई पक्षियों की प्रजातियाँ देखी जा सकती हैं। आदिवासी संस्कृति झ पापीकोंडालु क्षेत्र में बसे आदिवासी गाँव पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति, परंपराएँ और हस्तशिल्प से परिचित कराते हैं।

घूमने का उपयुक्त समय

पापीकोंडालु की यात्रा के लिए अक्टूबर से मार्च तक का समय सबसे बेहतर माना जाता है। इस दौरान मौसम सुहावना होता है और नदी का जलस्तर भी नौका विहार के लिए उपयुक्त रहता है।

पहुँचने का मार्ग

हवाई मार्ग : नजदीकी हवाई अड्डा राजमहेन्द्रवरम एयरपोर्ट है। रेल मार्ग : राजमहेन्द्रवरम रेलवे स्टेशन से टैक्सी या बस द्वारा आसानी से पहुँचा जा सकता है।

सड़क मार्ग : आंध्र प्रदेश के बड़े शहरों से पापीकोंडालु तक नियमित बस सेवाएँ उपलब्ध हैं।

पर्यटकों के लिए सुझाव

बोट क्रूज की बुकिंग पहले से कर लें।

हल्के कपड़े और पानी की बोतल अवश्य साथ रखें।

पर्यावरण की स्वच्छता बनाए रखने के लिए कचरा न फैलाएँ। स्थानीय आदिवासी हस्तशिल्प का समर्थन करें।

पापीकोंडालु पर्यटन केवल प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद नहीं है बल्कि यह आत्मा को शांति देने वाला अनुभव है।

घर बैठे इन आसान एक्सरसाइज से पिघलेगी पेट की जिद्दी चर्बी, पाएं स्लिम बॉडी

एक पत्नी के तौर पर आप अपने पति की सेहत का ध्यान रख सकती हैं। उनको इंस्पायर कर सकती हैं और मदद कर सकती हैं। आज हम आपको 3 ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको रोजाना करने से आपके पति की चर्बी कुछ ही दिनों में कम होने लगेगी।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में कई बार पति अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। जिसका नतीजा बढ़ा हुआ वेट और खासकर पेट के आसपास चर्बी जमा हो जाती है। यह न सिर्फ पि की पर्सनैलिटी को प्रभावित करता है और कई तरह की सेहत संबंधी समस्याओं की वजह बनता है। जैसे डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और दिल के रोग आदि। एक पत्नी के तौर पर आप अपने पति की सेहत का ध्यान रख सकती हैं। उनको इंस्पायर कर सकती हैं और मदद कर सकती हैं। यह दिखाता है कि आप अपने पति से कितना प्यार करती हैं।

हाई नी टच : हाई नी टच एक्सरसाइज पेट की निचली मसल्स पर काम करती है। साथ ही यह कैलोरी बर्न करने में भी मदद करती है।

इसको करने के लिए पैरों को हिप चौड़ाई में थोड़ा अलग करके खड़े हों।

फिर दोनों हाथों को कोहनी से मोड़कर चेस्ट के सामने लेकर आएं।

अब बारी-बारी से दाएं घुटने को हाथों से छूने का प्रयास करें और फिर बाएं घुटने को।

इस दौरान शरीर को सीधा रखने के साथ पेट की मसल्स को टाइट रखें।

शुरूआत में इसे 20 बार करें।

बाद में धीरे-धीरे इसकी संख्या बढ़ाकर 100 के 3 सेट करने का लक्ष्य सेट करें।

क्रॉस बॉडी क्रंच : क्रॉस बॉडी क्रंच एक्सरसाइज पेट की ऑब्लिक मसल्स पर काम करती हैं, जोकि साइड की चर्बी को कम करने में सहायक है।

इस एक्सरसाइज को करने के लिए सीखे खड़े हो जाएं। फिर दोनों हाथों को सिर के पीछे रखें और कोहनियों को बाहर की ओर खोलें। अब दाएं घुटने को ऊपर की तरफ लाएं और बाईं कोहनी से छूने का प्रयास करें। इसके बाद बाएं घुटने को ऊपर की ओर लाएं और दाईं कोहनी से छूने का प्रयास करें। यह एक्सरसाइज धीमे और कंट्रोल स्पीड से करने की कोशिश करें।

शुरूआत में 20 बार करें।

अब महंगे ट्रीटमेंट नहीं, आटे की लोई से चेहरे के अनचाहे बाल हटाएं, पाएं प्राकृतिक निखार

चेहरे के अनचाहे बालों को हटाने के लिए मार्केट में कई सारे ट्रीटमेंट मौजूद हैं। वहीं मार्केट में कई हेयर रिमूवल प्रोडक्ट्स भी आते हैं, जोकि बालों को टेंपरेरी हटा देते हैं। लेकिन यह ट्रीटमेंट महंगे होने के साथ ही कम प्रभावशाली होते हैं। हालांकि इनसे आपको फौरन ही फायदा मिल जाता है, लेकिन कुछ समय बाद चेहरे पर वापस बाल आ जाते हैं। बार-बार चेहरे पर बाल आने से खूबसूरती बिगड़ती है दिखने में भी यह गंदा लगता है। इसलिए हम सभी ऐसे नुस्खों की तलाश में रहते हैं, जो बिना किसी साइड इफेक्ट और कम पैसों में फेस के बालों को हमेशा के लिए रिमूव कर दे। ऐसे में अगर आप रोजाना आटे की लोई से चेहरे पर रोल करती हैं, तो इससे अच्छा रिजल्ट्स देखने को मिल सकता है। यह नुस्खा 100 साल से भी ज्यादा पुराना है। जोकि पहले हमारी दादी-नानी इस्तेमाल किया करती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस आसान और असरदार नुस्खे के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसको आप रोजाना घर पर ट्राई कर सकती हैं।

ऐसे हटाएं चेहरे के अनचाहे बाल

कई महिलाओं को फेस पर बाल निकलने की शिकायत होती है। ऐसा तब होता है, जब शरीर में एंड्रोजन हार्मोन बढ़ जाते हैं। ब्यूटी एक्सपर्ट के मुताबिक पुरुषों के शरीर में एंड्रोजन हार्मोन ज?यादा होते हैं और इसी के कारण उनके फेस पर दाढ़ी-मूछ आती है। लेकिन जब यह हार्मोन

महिलाओं की बॉडी में ज्यादा हो जाते हैं, तो फेस के साथ शरीर के अन्य हिस्सो में भी बाल आने लग जाते हैं। इनको हटाने के लिए अगर आप एक नुस्खा फॉलो करती हैं, तो कुछ ही समय में आपको अच्छे रिजल्ट देखने को मिल जाएंगे।

सामग्री

आटा- 1 कप गेहूं का

पानी- 1/2 कप

हल्दी- 1 छोटा चम्मच

सरसों का तेल- 1 बड़ा चम्मच

विधि

एक पतीला लेकर उसमें गेहूं के आटा, हल्दी, पानी और तेल आदि को डालकर अच्छे से गूंथ लें। इसकी एक लोई तैयार कर लें और इस लोई को फेस पर रोल करना है। कम से कम 5 मिनट चेहरे पर रोजाना लोई को रोल करें। ऐसा करने से फेस के बाल आसानी से लोई में निकलकर चिपक जाएंगे। वहीं इस बात का ख्याल रखें कि यह काम आपको आहिस्ता-आहिस्ता करना चाहिए। जब बाल खुद ही टूट-टूटकर लोई में चिपकते हैं, तो इससे आपके चेहरे पर दाने नहीं उभरते हैं। लेकिन जब आप चेहरे के बालों को जबरदस्ती खींचते हैं तो फेस पर दाने उभर सकते हैं। जोकि काफी दर्दनाक और भद्दे होते हैं।

भ्रष्ट पूर्व सचिव सुखदेव सिंह ठाकुर, बना प्रशासन की नाक पर धब्बा-शिकायतों के बाद भी कार्यवाही ठप....

जिम्मेदारों के नाक के नीचे फल फूल रहा भ्रष्टाचार का साम्राज्य...!

दैनिक रेवांचल टाइम्स, सिवनी। प्रदेश सरकार की पारदर्शिता और सुशासन की मंशा पर सवाल खड़ा करती तस्वीर सिवनी जिले के अन्तर्गत आने वाली केवलारी जनपद जो लम्बे समय से अनियमिताओं एवं जिम्मेदारों की नाकामी को लेकर अखबारों एवं प्रशासन की सुर्खियों में बनी रहती है ।उसी के अंतर्गत आने वाली पचांयत चिरचिरा से सामने आ रही है। पंचायत के पूर्व भ्रष्ट सचिव सुखदेव सिंह ठाकुर पर लंबे समय से गंभीर अनियमितताओं व भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने कई बार शिकायतें कीं, मगर अभी तक कोई ठोस कार्रवाई शुरू नहीं हुई। कार्यवाही के नाम पर जिम्मेदार निरंतर नाकामी का परिचय दे रहे हैं। प्रमाणित शिकायतों के बाद भी कार्यवाही ना होना सबसे बड़ा विषय बना हुआ है। कार्यवाही ना करना जिम्मेदार अधिकारियों का को चुनौती देते नजर आ रहे हैं।

फर्जी बिलों से लेकर योजनाओं की रकम तक – हर जगह घोटाले के निशान... ?- शिकायतों के अनुसार विकास कार्यों के नाम पर लाखों रुपये के फर्जी बिल पास किए जाने और कई योजनाओं की राशि गबन किए जाने के आरोप हैं। कथित तौर पर दस्तावेजों में अनियमितताएँ स्पष्ट दिखाई पड़ती हैं, लेकिन जांच की गति लगभग ठप है ।आखिर प्रशासन किसका इंतजार कर रहा है?

पहले भी घोटालों में रहा नाम, पर जांच बनती रही औपचारिकता......- भ्रष्ट पूर्व सचिव सुखदेव सिंह ठाकुर पर पहले भी अनियमितताओं के आरोप लगे थे, लेकिन शिकायतकताओं के अनुसार हर बार जांच कागजों में ही सीमित रही ।काई वर्षों से भ्रष्टाचार

चक्र निर्बाध रूप से चलता आ रहा है।

निरंतर अखबारों के माध्यम से आईना दिखा रहे हैं जिम्मेदार....

केवलारी जनपद से लेकर पंचायत तक निरंतर अनियमितताओं भ्रष्टाचार के मुद्दे को निरंतर अखबारों एवं अन्य माध्यम से सुर्खियों में बना हुआ है ।सोशल मीडिया पर भी शिकायतकर्ता विभिन्न माध्यमों से जिम्मेदारों को आईना दिखाने में लगे हुए हैं,। वही जिम्मेदार कार्यवाही के नाम पर निरंतर नाकाम साबित हो रहे हैं एवं नाकामी का परिचय दे रहे हैं।

दस्तावेज गवाही दे रहे, पर जिम्मेदार नाकाम....- पंचायत की फाइलों में कई संदिग्ध भुगतान और असंगत रिकॉर्ड मौजूद हैं ।फिर भी कार्रवाई न होना प्रशासन की भूमिका पर प्रश्नचिह्न लगा रहा है।

वर्तमान पदस्थ सचिव शेलू ठाकुर पर भी सवाल – RTI के बाद भी दस्तावेज देने में आना-कानी.....-वर्तमान सचिव शेलू ठाकुर भी पारदर्शिता में सहयोग नहीं कर रहे फ्ळकलगाने के बावजूद आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। जांच के लिए मांगी गई फाइलें और रिकॉर्ड या तो रोके जा रहे हैं, या बार-बार बहाने बनाकर टाले जा रहे हैं। इससे संदेह पैदा होता है कि कहीं वे पूर्व भ्रष्ट सचिव सुखदेव सिंह ठाकुर को बचाने की कोशिश तो नहीं कर रहे हैं।

इनका कहना है कि......

शिकायतों के बाद भी कार्यवाही ना होना भ्रष्टाचारीयों के हौसले बुलंद करने का प्रमाण है जब तक अधिकारी निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई नहीं करेंगे, तब तक भ्रष्टाचार का सिलसिला नहीं रुकेगा ।साथ ही ह्लदस्तावेज न देने का रवैया खुद ही बहुत कुछ कहता है। प्रशासन की चुप्पी हौसला बढ़ा रही है।

शिकायतकर्ता अखिलेश बन्देवार
आरटीआई एक्टिविस्ट एवं समाजसेवी......

सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

कलेक्टर के निर्देश पर धान खरीदी केन्द्रों में पहुंचे राजस्व अधिकारी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए सोमवार से शुरू हुई धान खरीदी केन्द्रों में समुचित व्यवस्थाओं की उपलब्धता का निरीक्षण करने के लिए कलेक्टर श्री आशीष तिवारी द्वारा दिये गये निर्देश के पालन में सभी एसडीएम, तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों ने उपार्जन केन्द्रों पर पहुंचकर जरूरी व्यवस्थाओं और इंतजामों का औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सभी 84 खरीदी केन्द्रों मे पहुंचकर तौल कांटों, वारदानों की उपलब्धता, सिलाई मशीन और किसानों के लिये पेयजल की उपलब्धता, बारिश के दौरान उपज के बचाव हेतु तिरपाल, खरीदी के बैनर, सीसीटीव्ही कैमरे की स्थापना, ग्रेडर छन्ना, स्टेन्सिल, माइश्चर मीटर, धागा और किसानों के बैठने के लिए कुर्सी, टेन्ट और पेयजल की उपलब्धता आदि का औचक निरीक्षण किया और सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों ने खरीदी केन्द्र प्रभारियों को दिये। अधिकारियों ने खरीदी केन्द्र प्रभारियों को ताकीद किया कि किसी भी हाल में बाहरी व्यक्तियों और दलालों, बिचौलियों और व्यापारियों की धान खरीदी न हो यह सुनिश्चित किया जाय। कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम ढीमरखेड़ा निधि सिंह गोहल ने मुरवारी, दशरमन, कछारगांव, सिलौंड़ी व कचनारी खरीदी केन्द्रों और बहोरीबंद एसडीएम राकेश चौरसिया ने सिंहुड़ी, बरही, बहोरीबंद, सलैया पटोरी और सिंदूरसी उपार्जन केन्द्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एसडीएम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी ने खरीदी केन्द्र पिपरौंध, श्री कृष्णा वेयरहाउस पडुआ का निरीक्षण किया। वहीं विजयराघवगढ़ एसडीएम विवेक गुप्ता ने अमेहटा, कारीतलाई, सलैया कोहरी और विजयराघवगढ़ के धान उपार्जन केन्द्रों में पहुंचे। इसके अलावा तहसीलदार आकाशदीप नामदेव ने बहोरीबंद तहसील के जुजावल नरसिंह वेयरहाउस, खमतरा, कौड़िया, तेवरीधुरी और ऋषि गौतम ने बड़वारा के निगहरा, बसाड़ी बड़वारा, भदौरा व लखाखेरा तथा खगेश भलावी नायब तहसीलदार ने ग्राम बकलेहटा और बड़गांव उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं के संबंध में खरीदी केन्द्र प्रभारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिये।

'विवादित बोल' पर 'चप्पल वार', ब्राह्मण समाज का पन्ना में 'हल्लाबोल' प्रदर्शन

आईएएस अफसर संतोष वर्मा के पुतले को पीटा गया

रेवांचल टाइम्स पन्ना संवाददाता उमाकांत त्रिपाठी। मध्य प्रदेश के राजनीतिक और सामाजिक गलियारों से एक बड़ी खबर सामने आई है, जिसने पूरे प्रदेश में हड़कंप मचा रखा है। मुद्दा है सीनियर आईएएस अफसर संतोष वर्मा का एक 'विवादित बयान', जिस पर पन्ना में ब्राह्मण समाज का गुस्सा सातवें आसमान पर है। 23 नवंबर को भोपाल में एक सम्मेलन के दौरान आईएएस वर्मा ने कथित तौर पर आरक्षण को लेकर ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणी की, जिसने ब्राह्मण समाज की भावनाओं को बुरी तरह आहत किया है। आरोप है कि अधिकारी ने कथिततौर पर कहा "जब तक मेरे बेटे को कोई ब्राह्मण अपनी बेटी दान न कर दे या

उससे संबंध न बना दे, तब तक आरक्षण मिलना चाहिए। "आक्रोशित ब्राह्मण समाज आज सड़कों पर उतर आया। पुरानी कचहरी चौराहे पर सैकड़ों की संख्या में महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं ने 'हल्लाबोल' प्रदर्शन किया। सबसे तीखा नजारा तब देखने को मिला जब अधिकारी संतोष वर्मा के पुतले को पहले महिलाओं ने चप्पलों से पीटा, और फिर उसे आग के हवाले कर दिया गया। इस विरोध प्रदर्शन में नगरपालिका अध्यक्ष मीना विष्णु पाण्डेय समेत कांग्रेस और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति ने बता दिया कि यह मुद्दा अब सियासी रंग ले चुका है। ?अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एस कुमार चंदपुरिया ने इसे जातिगत द्वेष फैलाने वाला बयान बताते हुए कहा कि यह भविष्य में वर्ग संघर्ष को जन्म दे सकता है, और यह बयान माफी लायक नहीं, बल्कि कार्यवाही लायक है! समाज की मांग साफ है की अधिकारी के खिलाफ FIR दर्ज हो और कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बयान वायरल होने के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई न होने से समाज में आक्रोश गहराता जा रहा है, और यह संकेत है कि यह चिंगारी आगे चलकर एक बड़े आंदोलन का रूप ले सकती है।

एआरटी सेंटर में वर्ल्ड एड्स डे का आयोजन नुक्कड़ नाटक व पेंटिंग के माध्यम से दी जागरूकता की जानकारी

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी - सिवनी एआरटी सेंटर सिवनी में वर्ल्ड एड्स डे के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, परामर्शदाताओं, नर्सिंग स्टाफ, समग्र विहान टीम एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर (मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी) एवं डॉ.विनोद कुमार नावकर (सिविल सर्जन) का स्वागत एआरटी सेंटर के डेटा मैनेजर अवनेश ठाकुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान नर्सिंग छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें एचआईवी/एड्स से संबंधित भ्रांतियों को दूर करने, जांच, उपचार और सुरक्षित व्यवहार के महत्व पर संदेश दिया गया। वहीं स्कूली बच्चों ने पेंटिंग बनाकर जागरूकता का संदेश चित्रों के माध्यम से व्यक्त किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर ने अपने संदेश में कहा कि वर्ल्ड एड्स डे का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना ही नहीं, बल्कि समाज में मौजूद गलत धारणाओं को दूर करना भी है। उन्होंने कहा कि एचआईवी/एड्स से जुड़े रोगी सामान्य जीवन जी सकते हैं, बशर्ते समय पर जांच, उपचार और नियमित दवा का पालन किया जाए ।उन्होंने युवाओं को सुरक्षित व्यवहार अपनाने तथा समुदाय में जागरूकता बढ़ाने का आग्रह करते हुए कहा कि एड्स को हराने के लिए हमें मिलकर प्रयास करना होगा, क्योंकि रोकथाम ही इसकी सबसे बड़ी सुरक्षा है। सिविल सर्जन डॉ.विनोद कुमार नवकार ने कार्यक्रम में कहा कि एचआईवी परीक्षण, परामर्श और उपचार सेवाएँ सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में निःशुल्क उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि एआरटी सेंटर द्वारा मरीजों की नियमित मॉनिटरिंग, दवा वितरण और मानसिक सहायता जैसी महत्वपूर्ण सेवाएँ निरंतर प्रदान की जा रही हैं ।उन्होंने कहा कि समाज को चाहिए कि एचआईवी से पीड़ित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशीलता और सहयोग की भावना रखे। भेदभाव कम होगा तो इलाज की ओर रुझान बढ़ेगा और संक्रमण की रोकथाम भी आसान होगी। नोडल अधिकारी डॉ. जयज काकोडिया ने कहा कि वर्ल्ड एड्स डे केवल एक दिवस का आयोजन नहीं, बल्कि वर्षभर चलने वाली जागरूकता प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने छात्रों, नर्सिंग प्रशिक्षुओं और समुदाय को संबोधित करते हुए बताया कि एचआईवी संक्रमण केवल असुरक्षित व्यवहार से ही नहीं, बल्कि जानकारी की कमी से भी फैलता है ।उन्होंने कहा कि एचआईवी की शुरूआती जांच, समय पर इलाज और नियमित फॉलो-अप से जीवन पूरी तरह सुरक्षित और सामान्य रह सकता है। हमारी कोशिश है कि जिले में कोई भी व्यक्ति जांच और उपचार से वंचित न रहे।

परामर्शदाता अशोक गौवंशी ने बताया कि एचआईवी से बचाव की सबसे बड़ी कुंजी जागरूकता और समय पर जांच है। उन्होंने कहा कि संक्रमण से जुड़े मिथकों को दूर करना बेहद जरूरी है, ताकि लोग बिना डर के सेवाओं का लाभ ले सकें। उन्होंने युवाओं से सुरक्षित व्यवहार अपनाने और दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की। अंत में अधिकारियों और चिकित्सा कर्मचारियों ने एचआईवी/एड्स उन्मूलन के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत मे अवनेश ठाकुर ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर, सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार नावकर, नोडल अधिकारी डॉ. जयज काकोडिया, परामर्शदाता अशोक गौवंशी, फौजिया अंजुम, ममता मर्सकोले, डाटा मैनेजर अवनेश ठाकुर, स्टाफ नर्स मीना यादव, रोशनी भालेकर, खुमेश्वरी बिसेन, शीबा खालिक, तथा समग्र विहान परियोजना से रत्नी शर्मा, शीबा सोफिया सिंग, विष्णुदास, प्रज्ञा नागदेव,ज्योति,नवीन निर्मलकर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

32 महीने बाद कथन रिपोर्ट में खुली जांच की पोल –

समनापुर व अमरपुर बने भ्रष्टाचार के केंद्र

डिंडौरी कृषि विभाग में महाघोटाला, 'बीज' के नाम पर लूट : किसानों से ठगी, फर्जी सूचियाँ और लाखों का गबन

डिंडौरी। जिस किसान की मेहनत से देश का पेट भरता है, अगर उसी किसान के हक का बीज ह्लसिस्टम के दीमकोंह्व द्वारा निगल लिया जाए, तो यह केवल घोटाला नहीं, बल्कि अन्नदाता के साथ खुली साजिश है। मध्यप्रदेश के आदिवासी

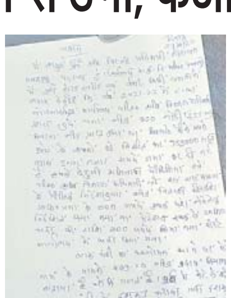

बहुल जिले डिंडौरी से ऐसा ही सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने कृषि विभाग की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। जिला मुख्यालय स्थित किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के अंतर्गत समनापुर और अमरपुर विकासखंड में वर्ष 2021-22 के दौरान चना बीज वितरण के नाम पर एक संगठित घोटाला सामने आया है। यह मामला सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि एक सिंडिकेट की तरह संचालित भ्रष्टाचार का रूप लेता नजर आ रहा है, जिसमें मैदानी अमले से लेकर उच्च अधिकारियों तक की संलिप्तता के संकेत मिले हैं। इस पूरे प्रकरण को उजागर करने वाली शिकायत रूपभान सिंह पाराशर ने वर्ष जनवरी 2023 में की थी, लेकिन करीब 32 महीने की देरी के बाद कथन दर्ज होने पर सच्चाई सामने आई है।

समनापुर ब्लॉक : कागजों में बीज, जमीन पर गायब

वरिष्ठ अधिकारी का दावा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी (SADO) श्री एस.एच. अठया के अनुसार, वर्ष 2021झ्र22 में 1175.10 क्विंटल चना बीज प्राप्त हुआ था। इसमें से 469.20 क्विंटल बीज ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती सकुन धुर्वे को वितरण हेतु सौंपा गया।

मैदानी अधिकारी का पलटवार...

लेकिन, श्रीमती सकुन धुर्वे ने अपने बयान में बताया कि उन्हें मात्र 255 क्विंटल (850 बोरी) बीज ही प्राप्त हुआ। सवाल यह है कि 469.20 क्विंटल भेजा गया और मिला सिर्फ 255 क्विंटल, तो शेष 214 क्विंटल बीज आखिर कहां गायब हो गया?किसानों तक यह बीज पहुंचा ही नहीं। बल्कि, रास्ते में ही इसकी कालाबाजारी कर दी गई।

"मौखिक आदेश" की आड़ में कालाबाजारी

श्रीमती सकुन धुर्वे ने अपने बयान में चौंकाने वाला खुलासा किया कि यह खेल उच्च अधिकारियों के "मौखिक निर्देश" पर हुआ। उन्होंने सुश्री अभिलाषा चौरसिया और हरिशरण अठया के नाम लेकर आरोप लगाया कि इन्हीं के निर्देश पर बीजों की अवैध बिक्री हुई ।75 किलो की जगह 30 किलो — दाम 775 की जगह 900 रुपये..नियम के तहत एक किसान को 75 किलो चना बीज ?775 कृषक अंश पर मिलना था। लेकिन हकीकत यह थी— केवल 30 किलो बीज दिया गया.. ?900 की अवैध वसूली की गईयह सीधा गरीब आदिवासी

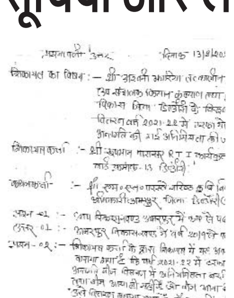

किसानों से धोखाधड़ी और खुली लूट का मामला बनता है।

अमरपुर ब्लॉक : बीज मिला ही नहीं, बना दी गई फर्जी सूची..अमरपुर में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री मानसिंह परस्ते ने बयान दिया कि—उन्होंने वर्ष 2021-22 का 353.25 क्विंटल बीज प्राप्त ही नहीं किया, लेकिन तत्कालीन उपसंचालक कृषि (DDA) श्री अश्विनी कुमार झारिया ने उन पर दबाव डालकर—ऐसे किसानों की फर्जी सूची तैयार करवाई, !जिन्हें वास्तव में बीज दिया ही नहीं गया था।

यह प्रशासनिक कदाचार, दस्तावेजों में हेराफेरी और आपराधिक षड्यंत्र का स्पष्ट प्रमाण है।

7.59 लाख का रहस्यमयी जमावड़ा

रिकॉर्ड के अनुसार, "टर्फा योजनांतर्गत" कृषक अंश के नाम पर 7,59,000 की राशि श्री एच.एस. अठया के पास जमा कराई गई, जिसकी पावती मौजूद है। जब बीज किसानों को मिला ही नहीं, तो यह राशि किससे और किस मद में वसूली गईयह रकम अवैध वसूली के संदेह को और गहरा करती है।

सामूहिक घोटाला या सुनियोजित षड्यंत्र? यह स्पष्ट है कि यह कोई एक व्यक्ति की गलती नहीं, बल्कि—वरिष्ठ अधिकारी — बीज की मात्रा में हेराफेरी..मैदानी अमला — अवैध वसूली व बाजार में बिक्री जांच अधिकारी — 32 महीने की देरी व लीपापोती सभी की मिलीभगत से चला हुआ एक पूरा सिंडिकेट है। **किसानों पर असर-** इस घोटाले का सीधा प्रभाव किसानों पर पड़ा—75 किलो की जगह 30 किलो मिलने से बुवाई का रकबा घटा..उत्पादन कम हुआ, जिससे आय पर सीधा असर पड़ा.. जिन किसानों को बीज मिला ही नहीं, वे योजनाओं से पूरी तरह वंचित रह गए। **प्रशासन के सामने सवाल-** ब जिले व शासन के सामने गंभीर सवाल खड़े हैं, तत्कालीन DDA व सभी संलिप्त अधिकारियों पर नामजद FIR कब?

अवैध वसूली गई राशि वेतन से वसूलकर किसानों को कब लौटाई जाएगी? क्या जिले के सभी विकासखंडों में भौतिक सत्यापन कराया जाएगा?

नारा बना मजाक

"जय जवान — जय किसान" का नारा अब डिंडौरी में "जय बेईमान — जय घोटाला" बनता दिख रहा है ।जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं, तो किसान न्याय के लिए आखिर जाए कहां?

अब देखना यह है कि शासन इस सामूहिक घोटाले पर सख्ती करता है या यह मामला भी फाइलों की धूल में दबकर रह जाएगा।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में गीता जयंती एवं अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन

कटनी। शासकीय कन्या महाविद्यालय कटनी में गीता जयंती तथा अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के पावन अवसर पर श्रीमद्भगवद् गीता के 15वें अध्याय (पुरुषोत्तम योग) का सामूहिक सस्वर पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि भगवद्गीता के उपदेश जीवन की हर परिस्थिति में मार्गदर्शन करते हैं। विशेष रूप से विपरीत परिस्थितियों में भी मनुष्य को संबल प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा, ह्लनिष्काम कर्म, धैर्य, संयम और आत्मसंयम ही जीवन का सच्चा सार है।

अजय सिंह बागरी को मिली अनुकंपा नियुक्ति

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। एक ओर जहां लापरवाह लोक सेवकों के प्रति जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने सख्त एवं कठोर रवैया अपनाते हुए कार्यवाहियां की है, वहीं दूसरी ओर संवेदनशील मामलों में तत्परता पूर्वक कार्रवाई करते हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्रालय के निदेर्शों एवं वर्णित प्रावधानों के अंतर्गत सेवा काल के दौरान पिता के आकस्मिक निधन पर परिवार के आश्रित सदस्य अजय सिंह बागरी को अनुकंपा नियुक्ति का आदेश सौंपा। सुश्री कौर ने नव पदस्थ सचिव को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आम नागरिकों के बीच रहकर उनके लिए बेहतर करने का आपके लिए एक अच्छा अवसर है। योजना बनाकर परिश्रम के साथ पदीय दायित्वों का निर्वहन शासकीय नियमों और निदेर्शों के तहत समय सीमा में करें। जिला पंचायत की सीईओ सुश्री कौर ने नवनियुक्त सचिव अजय सिंह बागरी को अनुसूचित जाति प्रवर्ग के अंतर्गत जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा की ग्राम पंचायत अतरसूमा में उपस्थिति देने हेतु आदेशित किया है। उल्लेखनीय

है कि जिला पंचायत की सीईओ सुश्री कौर ने जिला स्तरीय अनुकंपा नियुक्ति समिति द्वारा परीक्षण उपरांत पात्र पाए जाने एवं अनुशंसा के आधार पर नियम एवं शर्तों के अधीन अस्थाई रूप से अनुकंपा नियुक्ति श्री अजय सिंह को प्रदान की। जारी आदेश के मुताबिक ग्राम पंचायत सचिव की नियुक्ति दिनांक से 2 वर्ष तक की सेवा अवधि के लिए 10000 रुपए मासिक फिक्स वेतन दिया जाएगा। नवनियुक्त सचिव को 15 दिवस के अंदर उल्लिखित चौदह बिंदुओं की नियम एवं शर्तों का पालन करते हुए ग्राम पंचायत अतरसूमा में कार्यभार ग्रहण करना होगा।

जवाहर नवोदय विद्यालय बड़वारा में कक्षा 6 में प्रवेश हेतु प्रवेश पत्र जारी

कटनी। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय बड़वारा में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6 में प्रवेश हेतु आयोजित होने वाली परीक्षा के लिए ऑनलाईन प्रवेश पत्र जारी कर दिये गये हैं। विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रेम प्रकाश ने बताया कि अभ्यर्थी नवोदय विद्यालय की वेबसाईट ३३स्र२://ुश्री३२.१्ॅ.ङ्म५.ल्ल/ल्ल५२/अ्ल्लिउं१/अ्ल्लिउं१ पर जाकर प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। प्रवेश पत्र डाउनलोड करने के लिये विद्यार्थी को पंजीयन संख्या एवं जन्मतिथि की आवश्यकता होगी। इस प्रवेश परीक्षा हेतु कुल 7055 अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र जारी किये गये हैं। यह परीक्षा विकासखण्ड रीठी, कटनी, बड़वारा, विजयराघवगढ़, बहोरीबन्द एवं ढीमरखेड़ा के 19 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जायेगी। अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र पर अंकित केन्द्र पर शनिवार 13 दिसम्बर 2025 को सुबह 10:30 बजे उपस्थित होना अनिवार्य है। विस्तृत जानकारी प्रवेश पत्र पर अंकित है। जिन अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र डाउनलोड करने में समस्या हो रही हो।

दैनिक रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक
डिंडोरी जिले में जिला ब्यूरो नियुक्त करना है और सभी ब्लॉक स्तर पर एजेंसी देना है पत्रकारिता के क्षेत्र में रुचि रखने वाले संपर्क करें
संवाददाता भी नियुक्त करना है
प्रबंध संपादक
अतुल कुमार
7415685293
7509202320
प्रधान कार्यालय
आदि प्लाजा की पीछे, फ्लैट न. 03
सी ब्लॉक, शताब्दीपुरम MR-4 रोड उखरी
जबलपुर म.प्र.

क्या आप दाद-खाज़, खुजली से परेशान है?
अब आपके शहर सिवनी में सभी प्रकार के चर्म रोगों का उपचार सुप्रसिद्ध चिकित्सक द्वारा संभव
डॉ. हेमलता चांचरिया
BHMS, PGDCC, Cosmetologist
चर्म, केश, सौन्दर्य चिकित्सक
माह के दूसरे एवं चौथे बुधवार
सुबह 11 बजे से 2 बजे तक
दाद (दराद) खाज खुजली का ईलाज
* कील मुहाँसे का सफलतम ईलाज
* चेहरे का साँवलापन झाई एवं Chemical Peeling दाग धब्बे हटाये द्वारा
* तील एवं मस्सो का स्थाई ईलाज लेजर द्वारा
* चेहरे के अनचाहे बालों को हटाना बालों का झड़ना समय से पहले बाल सफेद होना गंजेपन का ईलाज (पी.आर.पी.) द्वारा
* सफेद दाग का सफल ईलाज दवाई एवं सर्जरी द्वारा।
* काली झाईयाँ, चेहरे के दाग धब्बे एवं गड्ढों का सफलतम ईलाज।
* एलर्जी, एग्जिमा, शरीर पर खुजली एवं सोरायसिस का सफल इलाज
* चेहरे के गड्ढे झुरियां एवं दाग का सफल ईलाज दवाई एवं Dermaroller द्वारा
रेवा फार्मेसी
पता: बरघट रोड़, गणेश चौक, सिवनी
Mob: 96696 52061, 88393 10065

गीता हमें कर्मवाद की शिक्षा देती है, यह मोह माया को तजकर कर्तव्य पथ को चुनना सिखाती है, भगवान श्रीकृष्ण के जहाँ जहाँ चरण पड़े, उन्हें तीर्थ बनाएगी सरकार

॰गीता॰ अद्भुत और पवित्र ग्रंथ है, जीवन की सारी जिज्ञासाओं का समाधान ॰गीता॰ में है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

11000 कृष्ण-मार्गियों एवं कृष्ण भक्तों ने किया एक स्वर में गीता के 15वें अध्याय का पाठ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि श्रीमद्भगवद्गीता एक अद्भुत, अनुपम और पवित्र ग्रंथ है। गीता के अध्ययन मात्र से ही मनुष्य के जीवन के सभी प्रश्नों और सभी जिज्ञासाओं का शमन (समाधान) हो जाता है। उन्होंने कहा कि गीता का ज्ञान ही सम्पूर्ण सृष्टि के समग्र ज्ञान और चेतना का मूल आधार है। योगीराज भगवान श्रीकृष्ण ने मानव जीवन को धर्म, कर्म और मर्म का वास्तविक मार्ग दिखाया है। भगवान श्रीकृष्ण ने कर्मयोग, निष्काम कर्म और धर्म पालन को ही मनुष्य के जीवन का सर्वोच्च मार्ग इंगित किया है। उन्होंने वीर अर्जुन को सिखाया कि लौकिक जगत में रहते हुए भी मनुष्य को अपने कर्तव्य (स्वधर्म) का पालन करना चाहिए।

कर्म करते हुए भी फल की इच्छा नहीं करनी चाहिए। यही अलौकिक धर्म का मार्ग है, जिससे मनुष्य मोक्ष और परम शांति की ओर बढ़ता है। भगवान श्रीकृष्ण ने विश्व समुदाय को कर्मयोग के जरिए ही अपने धर्म का पालन करने की प्रेरणा दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को रवीन्द्र भवन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी प्रदेशवासियों को गीता जंयती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गीता का ज्ञान हम सबको सिखाता है कि मनुष्य के आत्मा रूपी पिंड को एक दिन अंततः परमात्मा में ही समाहित हो जाना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गीता जयंती के पावन पर्व पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ योगीराज भगवान श्रीकृष्ण के चित्र पर माल्यार्पण कर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। गीता महोत्सव में श्रीकृष्ण आराधना एवं आचार्यों/संतों की सन्निधि में 11000

कृष्णमार्गियों/ कृष्ण भक्तों/बटुकों/स्कूली विद्यार्थियों द्वारा एक स्वर में श्रीमद्भगवद्गीता के 15वें अध्याय का सुमधुर पाठ किया गया। गीता के इस पुरूषोत्तम अध्याय के सस्वर पाठ ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत प्रोत कर दिया। धर्म, संस्कृति और तकनीक के इस अनूठे आयोजन ने गीता की शिक्षाओं को नए आयामों में प्रस्तुत किया। साथ ही समाज में गीता के मूल्यों के प्रति नई चेतना का जागरण भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी गीता पाठियों के साथ समूह चित्र खिंचवाए और उनके आह्लाद में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि गीता जयंती के पावन पर्व पर ऐसा लग रहा है कि गोपाल कृष्ण हमारे आसपास ही विद्यमान हैं। बीते वर्ष लाल परेड ग्राउंड पर 3500 विद्यार्थियों ने एक साथ गीता पाठ कर अद्भुत रिकॉर्ड बनाया था। इस गीता जयंती पर प्रदेश के सभी 55 जिलों, 10 संभागों और 313 विकासखंडों में करीब 3 लाख से अधिक गीता पाठियों के 15वें अध्याय के सस्वर पाठ से अद्वितीय रिकार्ड बनेगा। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने कंस को मारने के बाद अपने जीवन में शिक्षा को सर्वोपरि रखा। भारत में 5 हजार वर्ष पहले से विद्यार्थियों के लिए गुरुकुल जाकर शिक्षा ग्रहण करने की व्यवस्था थी। भगवान श्रीकृष्ण भी उज्जैन के सांदीपनि आश्रम आए और यहां पर चारों वेद, सभी उपनिषद्, 64 कलाएं और 14 विद्याएं सीखीं। भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की अमर मित्रता की नींव मध्यप्रदेश की धरा में स्थित इसी आश्रम में पड़ी थी। इन दोनों की मित्रता से हमें यह सीख मिलती है कि कोई कहीं भी पहुंच जाए, अपने बचपन के मित्रों को नहीं भूलना चाहिए। मित्र यदि गरीब हो, तो बिना बताए ही उसकी भरपूर सहायता कर देनी चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन संघर्ष और कर्मवादी रहा है। उन्होंने महाभारत के युद्ध में अर्जुन को कर्मवाद की शिक्षा दी।

मनुष्य को कर्तव्यों के निर्वहन के लिए मोहमाया और कर्म में से किसी एक मार्ग को चुनना पड़ता है। यह कर्तव्य मार्ग होता है। उन्होंने कहा कि हर प्राणी के जन्म के साथ ही उसकी मृत्यु निश्चित है। भगवान श्रीकृष्ण ने 15वें अध्याय में आत्मा और परमात्मा के माध्यम से पुरुषोत्तम ज्ञान दिया। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण के जीवन के हर पल से कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। कर्मवाद के आधार पर भगवान को भी पृथ्वी पर मनुष्य रूप में जन्म लेना पड़ा। उन्होंने भी जीवन में सुख-दुःख का अनुभव किया। मनुष्य को जन्म के साथ ही अपने सभी संचित, अकिंचन और अर्जित कर्मों का फल भोगना पड़ता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़े प्रत्येक स्थान को तीर्थस्थल के रूप में विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के चरण जहां-जहां पड़े उसे रेखांकित करते हुए 'श्रीकृष्ण पाथेय' का रूप दिया जा रहा है। इसी के साथ प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में सामुदायिक भवनों की आवश्यकता की पूर्ति करने वाले गीता भवन तैयार किए जा रहे हैं। प्रदेश का पहला गीता भवन इंदौर के राजवाड़ा में बनकर तैयार है। इसका लोकार्पण किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव गृह, संस्कृति एवं पर्यटन श्री शिवशेखर शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सांस्कृतिक आयोजनों को नई दिशा मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सच्चे अर्थों में मध्यप्रदेश की कला और संस्कृति के संरक्षक हैं। गीता जयंती के अवसर पर आज उज्जैन में 11 हजार भक्तों ने श्रीमद्भगवद्गीता के 15वें अध्याय का सस्वर पाठ किया। उन्होंने कहा कि तीन लाख से अधिक गीता पाठियों द्वारा एक ही दिन में गीता पाठ कर नया रिकार्ड कायम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गीता को घर-घर तक पहुंचाने के लिए पर्ण मनोयोग से काम कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में पहली बार एआई आधारित संगीत नाट्य ह्यकृष्णायनह्ल का मंचन किया जा रहा है, जो दर्शकों को भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य जीवन और उपदेशों की जीवंत अनुभूति कराएगा। इसके साथ ही विश्व गीता प्रतिष्ठानों द्वारा नृत्य नाटिका, दिव्यांग कलाकारों की अनूठी ह्यगीता ऑन व्हीलसह्ल प्रस्तुति और आकर्षक चित्र प्रदर्शनी का आयोजन भी इस वर्ष के गीता जयंती आयोजन के मुख्य आकर्षण हैं। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक श्री भगवानदास सबनानी, विधायक श्री विष्णु खत्री, डॉ. उमेश वैद्य, डॉ. विष्णु नारायण तिवारी, पं. विष्णु राजौरिया, मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्री श्रीराम तिवारी, जिलाध्यक्ष श्री रविन्द्र यति सहित संतगण, आचार्यगण, धर्मगुरु, धर्म प्रेमी एवं बड़ी संख्या में गीता पाठी उपस्थित थे।

सीएम मंगलवार से करेंगे मंत्रियों के परफार्मेंस का रिव्यू

2 और 3 को भोपाल, 8-9 को खजुराहो में विभागीय अफसरों से लेंगे तीन साल का एक्शन प्लान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने दो वर्ष के कार्यकाल के मूल्यांकन की तैयारी में जुट गए हैं। मंगलवार से मंत्रियों और विभागों की परफॉर्मेंस समीक्षा का हाई-लेवल दौर शुरू हो रहा है, जो एक सप्ताह तक चलेगा। सीएम प्रत्येक मंत्री से दो साल की उपलब्धियों, कमियों और चुनौतियों का रिपोर्ट कार्ड मांगेंगे। सूत्रों के अनुसार इस व्यापक समीक्षा का सीधा असर 15 दिसंबर के बाद होने वाली वरिष्ठ अधिकारियों की पोस्टिंग और मंत्रियों के विभागों में संभावित बदलाव के रूप में दिख सकता है। वर्ष 2026 के लिए प्रशासनिक कसावट और नई रणनीतियों के तहत यह प्रक्रिया की जा रही है।

अफसरों से पूछेंगे समस्या के समाधान के तरीके

मुख्यमंत्री सभी विभागों से पिछले दो वर्षों में जनता के हित में लिए गए फैसलों का विवरण, उनके क्रियान्वयन की स्थिति और सामने आई समस्याओं की जानकारी लेंगे। साथ ही अफसरों से समाधान और सुधार के सुझाव भी जुटाए जाएंगे। अगले तीन वर्षों के लक्ष्य तय करने के लिए विभागीय अफसरों को विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर प्रजेंटेशन देने के निर्देश दिए गए हैं।

2-3 और 8-9 को होंगी बैठकें

मंत्रियों, मुख्य सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हाई-लेवल

मीटिंग का सिलसिला मंगलवार और बुधवार को दिनभर चलेगा। इसके बाद 8 और 9 दिसंबर को खजुराहो में भी दो दिन तक विभागवार समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। सीएम कार्यालय का कहना है कि यह पूरी प्रक्रिया बेहतर शासन, पारदर्शिता और तेज निर्णय क्षमता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है।

दो साल के काम बताएंगे अधिकारी

प्रत्येक मंत्री अपने दो साल के कामकाज का लेखा-जोखा देगा और विभागों की उपलब्धियां बताएगा। अगले तीन साल के लिए विभागों के क्या टारगेट और प्लानिंग है, यह भी बताएंगे। दो साल में जो कमियां सामने आई हैं उसे बताएंगे और निराकरण के उपाय भी बताएंगे। मंत्रियों की खुद के विभाग को आगे बढ़ाने और नंबर वन बनाने की क्या प्लानिंग है, यह भी बताएंगे। जो वर्किंग प्लान बताया जाएगा उसे धरातल पर उतारने के लिए क्या तैयारियां करनी होंगी, इस पर भी बैठक में डिस्कशन होगा।

ऐसे होगी विभागीय समीक्षा

विधानसभा भवन में 2 दिसंबर को पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग की बैठक विभागीय मंत्री प्रहलाद पटेल की मौजूदगी में दोपहर 2 बजे से शुरू होगी। यह बैठक आधे घंटे चलेगी। दोपहर 3 बजे से 3.30 बजे तक स्कूल शिक्षा विभाग की मीटिंग मंत्री उदय प्रताप सिंह की मौजूदगी में होगी। सायं 4 से 4.30 बजे के बीच नर्मदा घाटी विकास विभाग और जल संसाधन विभाग के मंत्री तुलसी सिलावट के मौजूदगी में विभागीय बैठक सीएम लेंगे। सायं 4.30 से 5 बजे के बीच ऊर्जा और नवीन व नवकरणीय ऊर्जा विभाग की मीटिंग सीएम विधानसभा परिसर में लेंगे।

3 दिसंबर को इन विभागों का रिव्यू

मंत्रालय में सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री और डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल और विभागीय अफसर रिपोर्ट देंगे।

दोपहर 12 से एक बजे तक सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग और विभाग का रिव्यू होगा।

दोपहर 1 बजे से 1:45 बजे तक महिला और बाल विकास विभाग की मंत्री निर्मला भूरिया और विभाग के अफसर प्रजेंटेशन देंगे।

दोपहर 1:45 से 2.30 बजे तक ओबीसी और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की मंत्री कृष्णा गौर के विभाग का रिव्यू होगा।

दोपहर 3.30 बजे से सायं 4.15 बजे तक सामाजिक न्याय और निःशक्तजन कल्याण विभाग के मंत्री नारायण कुशवाहा और वि?भाग का रिव्यू होगा।

श्रीकृष्णं वंदे जगद्गुरुम : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को 3 दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का शुभारंभ उज्जैन के दशहरा मैदान से किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर सभी को गीता जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जगत के गुरु भगवान श्रीकृष्ण को हम सभी नमन करते हैं। कुरूक्षेत्र के युद्ध स्थल में मोहग्रस्त अर्जुन को भगवान श्री कृष्ण द्वारा दिये गये उपदेश को समझने व आत्मसात करने के लिए प्रदेश में गीता जयंती से अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। पवित्र नगरी उज्जैन ने हर काल, हर परिस्थिति और हर युग में अपने महत्व को बनाए रखा है। आज से लगभग 5 हजार वर्ष पूर्व भगवान श्री कृष्ण ने कंस का वध किया था, और उसके पश्चात उन्होंने उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में आकर महर्षि सांदीपनि से विद्या प्राप्त की थी। सांदीपनि आश्रम में बिना किसी भेदभाव के सभी शिष्यों को एक समान विद्या-अध्ययन करवाया जाता था। भगवान श्री कृष्ण ने जन्म से ही कई संकटों को पार करते हुए विकट परिस्थितियों में भी सहज रहकर संकटों का सामना करना हम सभी को सिखाया। कंस वध के पश्चात उन्होंने अपने नाना उग्रसेन को राज्य हस्तांतरित किया और स्वयं उज्जैन में शिक्षा ग्रहण करने के लिए आये। यहां से शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात पूरे विश्व को उनके व्यक्त्वि ने प्रभावित किया। वर्तमान में विद्या अध्ययन कर रहे सभी विद्यार्थियों को इससे प्रेरणा लेना चाहिए कि जीवन में शिक्षा का महत्व सर्वाधिक होता है। नई शिक्षा नीति के तहत श्री भगवद्गीता को कुछ राज्यों के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है और कई राज्यों ने इसे अपनी शिक्षा प्रणाली का हिस्सा बनाने के लिए कदम उठाए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देना है। मुख्मयंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के गुरु महर्षि सांदीपनि ने उनके गुणों को पहचाना तथा अपना सम्पूर्ण ज्ञान उन्हें दिया। भगवान श्रीकृष्ण इसके पश्चात ही जगत गुरू बने। कर्मयोग का ज्ञान देते हुए उन्होंने सम्पूर्ण विश्व में धर्म की स्थापना की और जन-तंत्र के सबसे बड़े नायक बनें। कुरुक्षेत्र के युद्ध में श्रीकृष्ण की सेना को कौरवों की तरफ से युद्ध करना पड़ा था। युद्ध स्थल में विपरीत परिस्थितियों में भी डटकर संकट का सामना करने का संदेश हम सभी को श्रीकृष्ण ने दिया। श्रीकृष्ण ने सदैव हमें अन्याय के विरुद्ध लड़ना सिखाया है।

एमपी ट्रांसको देवास के 220 के.वी. सब स्टेशन में हुई सुरक्षा कार्यशाला

भोपाल। विद्युत अव्यवस्थता की सतत विश्वसनीयता तथा कर्मचारियों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने अपनी जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी के तहत 220 के.वी. सब स्टेशन देवास में एक विशेष सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया। एम पी ट्रांसको के अतिरिक्त मुख्य अभियंता के एम सिंघल ने जानकारी दी कि इस कार्यशाला का मुख्य फोकस मेंटेनेंस कार्य के दौरान परमिट जारी/निरस्त करने की प्रक्रिया तथा सुरक्षा नियमों के पालन पर केंद्रित रहा। कार्यशाला के संयोजक कार्यपालन अभियंता श्री निर्दोष केरकैटा ने सभी तकनीकी कर्मचारियों को सब स्टेशन यार्ड में ले जाकर वास्तविक परिस्थितियों में सुरक्षा प्रक्रियाओं को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी मेंटेनेंस कार्य के आरंभ से पूर्व सही ढंग से सुरक्षित परमिट जारी करना, लाइन डिस्कनेक्शन, उचित अर्थिंग तथा कार्य समाप्ति पर परमिट निरस्त करने की प्रक्रियाओं का विधिवत पालन करना दुर्घटनाओं को रोकने की सबसे बुनियादी एवं महत्वपूर्ण कड़ी है। **लाइव यार्ड मे भी सिखाई सुरक्षा तकनीक-** सब स्टेशन यार्ड मे उपकरणों के पास कार्य करते समय आवश्यक सावधानियों जैसे सेफ क्लियरेंस, इमरजेंसी प्रोटोकॉल, लाइव यार्ड में जोखिम बिंदु चिंहित करने आदि के संबंध मे भी विस्तार से प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में कर्मचारियों द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों के समाधान व्यावहारिक उदाहरणों द्वारा किए गए। कार्यक्रम में एमपी ट्रांसको से जारी सेफ्टी मैन्युअल का सामूहिक अध्ययन भी कराया गया तथा सभी कार्मिकों को निर्देशित किया गया कि वे दैनिक कार्यों में निर्धारित सुरक्षा मानकों का कठोर पालन करें और किसी भी परिस्थिति में सुरक्षा से समझौता न करें।

सिंहस्थ से पहले संतों में दो फाड़, रामादल अखाड़ा परिषद बनाया

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 के पहले उज्जैन में साधु-संतों के बीच बड़ा मतभेद सामने आया है। रविवार को हुए नाटकीय घटनाक्रम में स्थानीय अखाड़ा परिषद के पदाधिकारियों के इस्तीफे के बाद शेव (शैव) और वैष्णव संप्रदाय के अखाड़ों में स्पष्ट तौर पर दो फाड़ हो गए हैं। वैष्णव अखाड़ों ने अलग होकर नया संगठन रामादल अखाड़ा परिषद बनाने की घोषणा कर दी है। साधु-संतों का कहना है कि अब सिंहस्थ से जुड़े किसी भी मुद्दे पर प्रशासन से बातचीत वे शेव अखाड़ों के साथ नहीं करेंगे, बल्कि अपनी अलग बात रखेंगे।

आपात बैठक में लिया निर्णय

रविवार को अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज और महामंत्री हरिगिरि महाराज उज्जैन पहुंचे थे। दोपहर में शिप्रा नदी किनारे दत्त अखाड़े में महंत आनंदपुरी महाराज की अध्यक्षता में हुई आपात बैठक में स्थानीय अखाड़ा परिषद को तत्काल प्रभाव से भंग करने का निर्णय लिया गया। बैठक में स्थानीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत रामेश्वर गिरी महाराज, उपाध्यक्ष महंत आनंदपुरी महाराज और प्रवक्ता महंत श्याम गिरी महाराज ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। स्थानीय परिषद के भंग होने की सूचना के बाद मंगलनाथ रोड स्थित श्री पंच रामानंदीय निमोर्ही अखाड़े में वैष्णव संप्रदाय से जुड़े निमोर्ही अणि अखाड़ा, दिगंबर अणि अखाड़ा और निवार्णी अणि अखाड़ा के महंतों और महामंडलेश्वरों ने बैठक की। लगभग एक घंटे चली इस बैठक में निर्णय लिया गया कि स्थानीय अखाड़ा परिषद को पूर्ण रूप से भंग कर नए रामादल अखाड़ा परिषद का गठन किया जाएगा और उसके पंजीकरण की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी।

रामादल अखाड़ा परिषद में ये बने पदाधिकारी- संरक्षक - मुनि क्षरणदस ,अर्जुनदास, खाकी अखाड़ा, महंत भगवानदास अध्यक्ष - महंत रामेश्वरदास जी। उपाध्यक्ष- महंत काशीदास जी, रामचंद्रदास जी, दिगंबर अखाड़ा, हरिहर रसिक खेड़ापति।

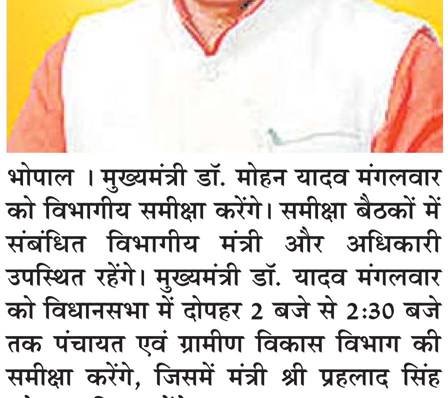

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे विभागीय समीक्षा

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को विभागीय समीक्षा करेंगे। समीक्षा बैठकों में संबंधित विभागीय मंत्री और अधिकारी उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को विधानसभा में दोपहर 2 बजे से 2:30 बजे तक पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा करेंगे, जिसमें मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल उपस्थित रहेंगे।

दोपहर 3 बजे से 3:30 बजे तक स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा करेंगे, जिसमें विभागीय मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह उपस्थित रहेंगे, शाम 4 बजे से 4:30 बजे तक नर्मदा घाटी विकास, जल संसाधन विभाग की समीक्षा करेंगे। जिसमें विभागीय मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट उपस्थित रहेंगे, शाम 4:30 बजे से 5 बजे तक ऊर्जा, नवीन और नवकरणीय ऊर्जा विभाग की समीक्षा करेंगे। जिसमें विभागीय मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं विभागीय मंत्री श्री राकेश शुक्ला उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को वल्लभ भवन में दोपहर 11 बजे से 12 बजे तक लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की समीक्षा करेंगे, जिसमें उप मुख्यमंत्री एवं विभागीय मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल उपस्थित रहेंगे। दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक सहकारिता विभाग की समीक्षा करेंगे, जिसमें विभागीय मंत्री श्री विश्वास सारंग उपस्थित रहेंगे। दोपहर 1 बजे से 1:45 बजे तक महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा करेंगे, जिसमें विभागीय मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया उपस्थित रहेंगी। दोपहर 1:45 बजे से 2:30 बजे तक पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की समीक्षा करेंगे, जिसमें विभागीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर उपस्थित रहेंगी।

दोपहर 3:30 बजे से 4:15 बजे सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग की समीक्षा करेंगे, जिसमें विभागीय मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा उपस्थित रहेंगे। दोपहर 4:15 से 5 बजे कृषि एवं किसान कल्याण उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग की समीक्षा करेंगे, जिसमें विभागीय मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना एवं मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 8 दिसम्बर सोमवार को खजुराहो में दोपहर 11 बजे से 11:30 बजे तक खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग की समीक्षा करेंगे, जिसमें विभागीय मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत उपस्थित रहेंगे। दोपहर 11:30 बजे से 12 बजे तक वाणिज्यिक कर विभाग की समीक्षा करेंगे, जिसमें उप मुख्यमंत्री एवं विभागीय मंत्री श्री जगदीश देवड़ा उपस्थित रहेंगे। दोपहर 12 बजे से 12:30 बजे तक पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग की समीक्षा करेंगे, जिसमें विभागीय मंत्री श्री लखन पटेल उपस्थित रहेंगे। दोपहर 12:45 बजे से 1:30 बजे तक नगरीय विकास एवं आवास विभाग की समीक्षा करेंगे, जिसमें विभागीय मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय उपस्थित रहेंगे। दोपहर 4 बजे से 4:45 बजे जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित समीक्षा करेंगे, जिसमें विभागीय मंत्री कुँ. विजय शाह एवं मंत्री श्री नागर सिंह चौहान उपस्थित रहेंगे। दोपहर 4:45 से 5:30 बजे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की समीक्षा करेंगे, जिसमें विभागीय मंत्री श्री चैतन्य काश्यप उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 9 दिसम्बर मंगलवार को खजुराहो में दोपहर 12 बजे से 12:45 बजे तक लोक निर्माण विभाग की समीक्षा करेंगे, जिसमें विभागीय मंत्री श्री राकेश सिंह उपस्थित रहेंगे। दोपहर 12:45 बजे से 1:30 बजे तक लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा करेंगे, जिसमें विभागीय मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके उपस्थित रहेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक कैबिनेट बैठक करेंगे।

जिला मुख्यालय पर मांस विक्रेता उड़ा नियमों की धज्जियां

■ मंदिरों के पास बिक रहा मांस, पजीयन पर भी संदेह ■ कागजों पर सिमटती नजर आ रहे आदेश

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। सरकार द्वारा प्रदेश में मांस विक्रय के लिए नियम बनाए गए है लेकिन जिले मुख्यालय में मांस विक्रेताओं द्वारा सरकार के नियमों को पालन नहीं किया जा रहा है। सरकार द्वारा बनाए नियम केवल कागजों पर सिमटते नजर आ रहे है। वही प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी के कारण मांस विक्रेताओं द्वारा व्यापार फल फूल रहा है। जबकि सरकार द्वारा मांस विक्रय के लिए जो नियम बनाए गए है उनका जरा भी पालन नहीं हो रहा है। जिला प्रशासन की नाक नीचे धड़ल्ले से नियमों धता दिखाकर मांस का विक्रय जारी है। वही मांस विक्रेताओं की दुकान पर आने वाले शराबियों की धमाचैकड़ी भी बखूबी जारी है और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है।

मामला इस प्रकार

जिला मुख्यालय में प्रशासन की नाक के नीचे नियमों को धता दिखाते हुए मांस का विक्रय किया जा रहा है। मांस विक्रेताओं द्वारा अपनी मनमर्जी के अनुरूप दुकानों का संचालन किया जा रहा है। जिला मुख्यालय के मुख्य मार्ग कलेक्टर कार्यालय की ओर जाने वाले रास्ते में कई मांस विक्रेताओं द्वारा दुकान लगाकर मांस का विक्रय किया जा रहा है। स्थानीय टॉकीज के सामने मंदिर बना हुआ है और मंदिर ठीक सामने अंडे व मांस की दुकान दूरी महत 50 कदम वही सहकारी बैंक परिसर में मंदिर है और उससे ठीक 50 कदम पर मांस की दुकान लगती है। वही शासकीय रेस्ट हाउस में मंदिर बना हुआ है और ठीक 50 कदम सामने मांस की दुकान है और दुकान से ठीक दस कदम दूर शासकीय कार्यालय है। वही स्टेशनगंज क्षेत्र में मंदिर के ठीक सामने मांस की दुकान लगाई जाती है। जिला मुख्यालय पर ऐसे अनेकों स्थान

है जहां पर मंदिरों से थोड़ी दूरी पर मांस की दुकान है।

ये रही सरकार की नियमावली

प्रदेश सरकार द्वारा 13 दिसंबर 2023 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा आदेश जारी कर प्रदेश में खुले में बिना अनुमति मांस तथा मछली का विक्रय प्रतिबंधित किया जायेगा। नगरीय निकायों में मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम-1956 के प्रावधानों के तहत किसी भी प्रकार के मांस एवं मछली के विक्रय के लिये नगरीय विकास विभाग के अधिनियमों के अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के प्रावधान लागू होते हैं। इस अधिनियम के अंतर्गत मांस एवं मछली के विक्रय के समस्त प्रतिष्ठानों में अपारदर्शी कांच - दरवाजा एवं साफ-सफाई की सम्पूर्ण व्यवस्था होना अनिवार्य है। इसके साथ ही किसी भी धार्मिक स्थल के मुख्य द्वार के सामने 100 मीटर की दूरी के भीतर उक्त सामग्री का विक्रय या प्रदर्शन प्रतिबंधित है। कलेक्टर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी को अधिनियमों नियमों एवं लायसेंस की शर्तों का पालन कड़ाई से कराने की बात कही गई थी लेकिन धरातल पर उक्त नियमों को पालन नही हो रहा है।

लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य

सरकार द्वारा जारी किए गए आदेश मे स्पष्ट रूप से कहा गया था कि मांस विक्री के नियमों में लाइसेंस प्राप्त कर एफएसएसएआई मानकों का पालन करना और स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण बनाए रखना अनिवार्य है। मांस को सरकारी नियमों के अनुसार संसाधित, लेबल और संग्रहित किया जाना चाहिए, और धार्मिक स्थलों के पास मांस बेचने पर प्रतिबंध है। नियमों में यह भी शामिल है कि मांस को साफ-सफाई वाले प्रतिष्ठानों में और उचित दूरी बनाए रखकर बेचा जाए। मांस बेचने के लिए खुदरा, थोक या बूचड़खाना लाइसेंस लेना होगा। दुकान के स्वामित्व का प्रमाण, लेआउट प्लान आदि शामिल है। मांस को खुले में प्रदर्शित नही किया जा सकता है। मांस काटने के तीन घंटे के भीतर बेचा जाना चाहिए, और लोहे की जगह स्टील के उपकरणों का उपयोग किया जाना चाहिए। भंडारण और परिवहन तथा मांस को ठंडा रखने के लिए इंसुलेटेड फ्रीजर प्रतिबंधित है। मांस की दुकान और धार्मिक स्थलों मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा के बीच कम से कम 100 से 150 मीटर की दूरी रखना अनिवार्य है। मांस बेचने वाले सभी कर्मचारियों को स्वास्थ्य प्रमाण पत्र रखना अनिवार्य है।

इनका कहना है

संविधान नियमों का पालन के साथ मांस विक्रेताओं व आमजनों को दायित्व नियमों का पूर्ण पालन करना नैतिक जिम्मेदारी है। हर परिस्थिति में पालन करते हुए सभी की धार्मिक भावनाओं का भी स्वतः ध्यान रखना चाहिए।

विनीत नेमा, हिन्दूवादी नेता

धार्मिक स्थलों के आसपास मांस विक्रय ना हो सरकार के नियमों का पूरी तरह पालन किया जाए।

गौरव तिवारी, युवा नेता

मांस विक्रय के लिए सरकार द्वारा बनाए गए सभी नियमों पूरी तरह पालन किया जाए, मंदिरों के पास मांस विक्रय उचित नहीं है।

आयुष शर्मा, जागरूक युवा

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गिवत दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में उच्च शिक्षा विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वैलनेस प्रोग्राम के तहत आज महाविद्यालय के बर्चुअल कक्ष में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसमें 120 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम द्वारा विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच की गई। इनमें ब्लड प्रेशर जांच, अनेमिया की जांच, मुख एवं दांतों की जाँच, आई टेस्ट एवं बी. एम आई. प्रमुख रूप से शामिल थे। इसके अतिरिक्त जनरल फिजिशियन द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। इस मौके पर चिकित्सकों

ने विद्यार्थियों को जीवनशैली से संबंधित रोगों की रोकथाम, संतुलित आहार के महत्व तथा नियमित व्यायाम की आवश्यकता के बारे में मार्गदर्शन दिया। महाविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इस तरह के कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों के शैक्षणिक जीवन को स्वस्थ बनाए रखते हैं बल्कि उन्हें भविष्य के लिए स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी करते हैं। चिकित्सकों ने बताया कि नियमित जांच से न सिर्फ बीमारियों की शुरूआती पहचान संभव होती है, बल्कि समय रहते उपचार भी आरंभ किया जा सकता है। खासतौर पर युवा वर्ग में बदलती जीवनशैली, तनाव, मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के अत्यधिक उपयोग और खानपान की गड़बड़ी के कारण कई स्वास्थ्य समस्याएँ तेजी से उभर रही हैं। ऐसे में आई टेस्ट, शुगर और ब्लड प्रेशर जैसी प्राथमिक जांच बेहद आवश्यक है। इस शिविर में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने अपनी जांच कराई और चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। छात्र-छात्राओं ने भी इस पहल की सराहना की और कहा कि कॉलेज स्तर पर ऐसे कार्यक्रम समय-समय पर होते रहना चाहिए। इससे न केवल स्वास्थ्य बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ता है। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर. बी. सिंह के मार्गदर्शन एवं नोडल अधिकारी अर्पित सक्सेना के सहयोग से किया गया।

सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद ने किया पुतला दहन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद,सनातन ब्राह्मण समाज, कर्मकांडी ब्राह्मण युवा बंधुओ एवं सर्व समाज ने मिलकर संतोष वर्मा के द्वारा ब्राह्मण बेटियों पर शर्मनाक टिप्पणी के खिलाफ सुभाष पार्क चैराहे पर नारेबाजी की एवं संतोष वर्मा का पुतला दहन किया। जिला उपाध्यक्ष अरुणा दुबे ने कहा कि पहले के समय में जो वर्ण व्यवस्था दी गई थी वह बुद्धि के हिसाब से ही रखी गई थी, आईएएस लेबल के अधिकारी के द्वारा ऐसी टिप्पणी विकृत मानसिकता को दशार्ती है। नगर अध्यक्ष सुनंदा भट्ट ने कहा

कि एक उच्च पद पर बैठे अधिकारी के ऐसे अशोभनीय विचार सामाजिक सौहाद्रता को ठेस पहुंचाते हैं और प्रशासनिक गरिमा पर भी प्रश्न उठाते हैं यदि प्रशासन द्वारा संतोष वर्मा पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई तो यह विरोध रुकेगा नहीं। जिला सचिव ज्योति तिवारी ने कहा कि ब्राह्मण समाज का अस्तित्व ही समाप्त कर देने में लगे हुए हैं दूसरे समाज वाले ब्राह्मण समाज इस निकृष्टता को बर्दाश्त नहीं करेगा। उक्त मौके पर मोनिका तिवारी, भारती रघुवंशी, श्रीमती नामदेव, श्रीमती महोबिया एवं बहुत संख्या में विप्र बंधुओं की उपस्थिति रही।

डॉ. कुसमरिया ने शहीद आशीष शर्मा को दी श्रद्धांजली

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग और पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष, डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने नरसिंहपुर जिले के ग्राम बोहानी में शहीद हॉक फोर्स इंस्पेक्टर आशीष शर्मा को श्रद्धांजलि दी। नक्सली मुठभेड़ में शहीद हुए आशीष शर्मा की शहादत पर डॉ. कुसमरिया ने कहा कि इंस्पेक्टर आशीष शर्मा ने नक्सल विरोधी अभियान में अदम्य साहस दिखाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। प्रदेश को उनकी शहादत पर गर्व है। शहीद आशीष शर्मा के परिजनों को ढांढस बंधाते हुए डॉ. कुसमरिया ने कहा, आपके बेटे की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। प्रदेश और देश उनकी बहादुरी को हमेशा याद रखेगा।

मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंची शिकायत, कार्रवाई की मांग

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। जिला मुख्यालय के समीपी ग्राम वांसकुवारी निवासी दिव्यांग रीतेश नेमा द्वारा मुख्यमंत्री के नाम कार्यालय मे शिकायत देकर कार्रवाई की मांग रखी। शिकायत मे बताया गया है कि संतोष विश्वकर्मा निवासी ग्राम बांसकुंवारी छिंदवाड़ा बायपास रोड पर रहवासी क्षेत्र में ट्रेक्टर-ट्राली का निर्माण कार्य किया जा रहा है निर्माण कार्य में लोहे को कूटने से ध्वनि प्रदूषण होता है जिस कारण से सामाजितक जीवन प्रभावित हो रहा है साथ ही ट्रेक्टर-ट्राली निर्माण कर उन्हे रंग रोगन कर विक्रय के लिए तैयार किया जाता है जिसमे केमिकल स्प्रे से वायु प्रदूषण होता है जिसके कारण आसपास के निवासियों को काफी परेशानी उत्पन हो रही है।

जादू नही विज्ञान कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में विगत दिवस विज्ञान प्रदर्शनी अंतर्गत विज्ञान के प्रति जागरूकता अभियान जादू नहीं विज्ञान है समझना समझाना आसान है के जिला स्तरीय आयोजन के संबंध में बैठक सम्पन्न हुई। आयोजित बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी नरसिंहपुर प्रतुल्य कुमार इंदुरख्या, प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान एवं जिला विज्ञान अधिकारी नरसिंहपुर राजीव किशोर श्रीवास्तव, ए.डी.पी.सी. समग्र शिक्षा विपनेश जैन, प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर एवं कार्यक्रम के जिला नोडल जी. एस. पटैल, सहायक जिला विज्ञान अधिकारी समीर त्यागी,

विकासखण्ड विज्ञान अधिकारी नरसिंहपुर डॉ फिरोज खान, विकासखण्ड विज्ञान अधिकारी करेली तरुण कुमार मालवीय एवं सहायक विज्ञान अधिकारी मनीष कुमार शर्मा, विकासखण्ड विज्ञान अधिकारी गोटेगॉव प्रीतम सिंह पटैल एवं सहायक विज्ञान अधिकारी मनोज जैन, विकासखण्ड विज्ञान अधिकारी चीचली गजेन्द्र सिंह कौरव, सहायक विकासखण्ड विज्ञान अधिकारी चॉवरपाठा श्रीमती संयोगिता शिवहरे, बी.एन. पांडे, व्याख्याता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान नरसिंहपुर, आर. एन. रावत, विज्ञान प्रभारी शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर एवं श्रीमती खुशबु साहू, समग्र शिक्षा नरसिंहपुर ने अपनी उपस्थिति प्रदान की। बैठक में जिला स्तरीय कार्यक्रम के आयोजन हेतु रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा करते हुए आगामी

9 दिसंबर को शासकीय स्वामी विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर के ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विकासखण्ड स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में विजेता 5-5 विद्यालयों की टीमों को जिला स्तर कार्यक्रम में निर्धारित समय पर उपस्थिति हेतु निर्देशित किया गया। विकासखण्ड से चयनित टीमों के मार्गदर्शी शिक्षकों को प्रत्येक विकासखण्ड के उत्कृष्ट विद्यालय में सुरक्षा मानकों के संबंध में दिशा निर्देश एवं आवश्यक तैयारी हेतु कार्यशाला आयोजित की गई है, जिसमें उपस्थिति अनिवार्य की गई है। बैठक के अंत में विद्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

व्यापार

सचिन तेंदुलकर के इस वर्ल्ड रिकॉर्ड के पीछे पड़े विराट कोहली, क्या कर पाएंगे ये कारनामा ?

नई दिल्ली, एजेंसी। सचिन तेंदुलकर जब अपने क्रिकेट ?करियर के आखिरी दौर में थे, तब वे करीब करीब हर मैच में कोई ना कोई कीर्तिमान बना रहे थे। तब किसी ने सोचा भी नहीं था कि सचिन के ये कीर्तिमान टूट जाएंगे। लेकिन अब विराट कोहली एक एककर सचिन के कई विश्व रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। आने वाले दिनों में भी ये सिलसिला जारी रह सकता है। अब विराट कोहली सचिन तेंदुलकर के एक और ?वर्ल्ड रिकॉर्ड के करीब पहुंच गए हैं। सवाल यही है कि क्या वे इसमे भी सचिन को पीछे छोड़ने में कामयाब हो पाएंगे। दरअसल भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेली जा रही वनडे सीरीज के पहले मैच में विराट कोहली ने शानदार सैकड़ा ठोकने का काम किया। विराट कोहली ने जिस अंदाज में बल्लेबाजी की और आसमानी छक्के लगाए, वे अपने आप में

काबिले ?तारीफ है। जब कोहली अपने शतक के नजदीक थे, तब उनकी बल्लेबाजी जरूर थोड़ी धीमी पड़ी, लेकिन सेंचुरी पूरी होते ही फिर से विराट कोहली ने विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी की। वनडे क्रिकेट में उनका ये 52वां शतक था। वे एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर कर रिकॉर्ड तोड़ने में कामयाबी हासिल की है। इससे पहले सचिन ने टेस्ट ?क्रिकेट में 51 शतक लगाने का कीर्तिमान बनाया था। अपनी शानदार बल्लेबाजी के बाद जब विराट कोहली ने टीम इंडिया को जीत दिला दी तो उसके बाद उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड भी दिया गया। इंटरनेशनल क्रिकेट में विराट कोहली का ये 70वां प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड है। अगर हम यहां इंटरनेशनल क्रिकेट की बात करते हैं तो उसमें टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल के रिकॉर्ड शामिल हैं। विराट कोहली सबसे ज्यादा बार प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड जीतने वाले दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हैं। उनसे आगे केवल सचिन तेंदुलकर हैं। सचिन तेंदुलकर ने अपने इंटरनेशनल करियर में कुल 76 दफा प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड अपने नाम किया है। यानी विराट कोहली अगर छह और बार इस अवार्ड को जीते तो वे सचिन की बराबरी कर सकते हैं और अगर सात बार कोहली ने काम किया तो वे सचिन तेंदुलकर से आगे निकल जाएंगे। वैसे तो विराट कोहली जैसे खिलाड़ी के लिए सात और प्लेयर ऑफ द मैच के अवार्ड जीतना कोई मुश्किल काम नहीं है, लेकिन दिक्कत ये है कि कोहली अब केवल वनडे ?ही खेल रहे हैं। टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल से पहले पहले ही रिटायरमेंट का ऐलान कर चुके हैं।

टाटा मोटर्स की बिक्री में 26% की बंपर बढ़ोतरी जानें मारुति, महिंद्रा, टोयोटा के लिए कैसा रहा नवंबर

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने सोमवार को बताया कि नवंबर 2025 में उसकी बिक्री सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 59,199 यूनिट हो गई। कंपनी ने पिछले साल नवंबर में डीलरों को 47,117 गाड़ियां भेजी थी। टाटा मोटर्स ने कहा कि घरेलू बाजार में उसकी बिक्री नवंबर, 2024 के 47,063 यूनिट से 22 प्रतिशत बढ़कर नवंबर, 2025 में 57,436 यूनिट हो गई। टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स ने एक अलग बयान में बताया कि इस साल नवंबर में उनकी बिक्री सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 35,539 यूनिट रही। इस दौरान घरेलू बिक्री में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

मारुति सुजुकी ने नवंबर में बेची कुल 2,29,021 गाड़ियां

मारुति सुजुकी इंडिया की नवंबर में कुल बिक्री भी सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 2,29,021 यूनिट हो गई। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में 1,81,531 गाड़ियां बेची थीं। मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि घरेलू थोक बिक्री सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 1,70,971 यूनिट हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में ये 1,41,312 यूनिट थी। महिंद्रा एंड महिंद्रा की नवंबर में कुल बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 92,670 यूनिट हो गई। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने सोमवार को कहा कि पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में कंपनी ने घरेलू बाजार में 56,336 गाड़ियां बेचीं, जो पिछले नवंबर के 46,222 की तुलना में 22 प्रतिशत ज्यादा है। महिंद्रा की कमर्शियल वाहनों की घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 24,843 यूनिट हो गई।

विकास की दौड़ में फिर पिछड़ा 'आदिवासी अंचल'

क्यों टूट गया मंडला का सपना पंचवेली एक्सप्रेस पर लगा ग्रहण

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिस पंचवेली एक्सप्रेस के मंडला फोर्ट से शुरू होने की उम्मीद में पूरे जिले की जनता एकजुट थी, उस पर अचानक ग्रहण लग रहा है। अब सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है कि यह बहुप्रतीक्षित ट्रेन मंडला फोर्ड न होकर गोंदिया-बालाघाट से चलेगी, जिससे मंडला के लोगों में गहरी निराशा और आक्रोश फैल गया है।

ट्रेन नहीं, टूटे सपने : गोंदिया को मिली रही है हरी झंडी

वही जानकारी के अनुसार रेलवे विस्तार की मुहिम में मंडला जिले के निवासियों की लगातार करते हुए इस बार भी अनदेखी ने एक बार फिर इस आदिवासी अंचल के विकास के दावों पर सवालिया निशान लगा दिया है। कई दिनों से मंडला फोर्ट स्टेशन पर सुविधाओं के विस्तार और ट्रेन की शुरूआत के लिए किए जा रहे प्रयास अचानक बेमानी साबित हुए हैं।

स्थानीय नागरिकों की तीखी प्रतिक्रिया है

जब-जब विकास की बात आती है, मंडला को पीछे धकेल दिया जाता है। जनप्रतिनिधि सिर्फ आदिवासियों के वोट चाहते हैं, लेकिन सुविधाएं देने के नाम पर हमें नजरअंदाज कर दिया जाता है। यह 'डबल इंजन की सरकार' का कैसा विकास मॉडल है?" अब आवाज उठाने का वक्त! क्या जन प्रतिनिधियों को सिर्फ वोट चाहिए, सुविधा नहीं? कब तक जिले वासी अपनी मूलभूत सुविधाए से वंचित होते जाएँगे जिले में सड़के सही है नहीं रेल मार्ग यह सिर्फ एक ट्रेन की बात नहीं है, यह मंडला के लोगों की दशकों पुरानी कनेक्टिविटी और बेहतर भविष्य की उम्मीद है। पंचवेली एक्सप्रेस का गोंदिया-बालाघाट से शुरू होना, मंडला की जनता को यह साफ संदेश देता है कि जिम्मेदारों के द्वारा उनके हितों को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। यह वक्त है कि मंडला के लोग एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करें। हमारा हक है, और हमें ही उसके लिए खड़ा होना होगा!

मंडला की जनता से आह्वान

वही जनप्रतिनिधियों से सवाल करें: आखिर क्यों मंडला फोर्ट को रेक पॉइंट और प्राथमिकता के बावजूद एक्सप्रेस ट्रेन से वंचित रखा गया? जिले को विकास से क्यो दूर रखा जा रहा है इसके पीछे की क्या मंशा है जो इस विकास को गति प्रदान नहीं मिल पा रही हैं सोशल मीडिया पर आवाज उठाएं अपनी मांग को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाएँ। एकजुटता दिखाएँ मंडला के हक की लड़ाई में हर नागरिक शामिल हो। हक हमारा है, और अब हम चुप नहीं बैठेंगे! वही भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा का कहना है कि अभी बात चल रही है फाइनल नहीं हुआ है दिल्ली में हम अपनी बात रख रहे हैं मंडला को और भी कनेक्टिविटी मिलने की उम्मीद है' मंडला के लोगों का कहना है कि यदि यह सुविधा हमें नहीं मिली तो आने वाले समय में चुनाव परिणाम प्रभावित हो सकते हैं अब देखना होगा केंद्र सरकार आदिवासियों के लिए क्या कदम उठाएगी मंडला जिले के मतदाताओं को सिर्फ लॉलीपॉप ही दिखाते रहेंगे या कोई सार्थक पहल करेंगे आने वाला समय ही बताएगा मंडला फोर्ट को यह सुविधा मिल रही है या नहीं और जिले वासी आखिर कब तक ये विकास के नाम का दंश झेलते रहते और आखिर कब तक जिले वासियों के विकास के नाम पर सपने दिखाते रहेंगे आज भी मंडला जिला विकास से कोसो दूर नजर आता है जिले के सांसद विधायक और मंत्री कब तक मोन साध कर चुपचाप देखते रहेंगे जिले में सत्ता पक्ष के सांसद मंत्री होने के बाद भी जिले के दूर दराज के निवासी आज भी मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही है आखिर कब तक मंडला जिला विकास के नाम पर ठगा जायेगा और जानता कब तक शांत रहकर अपना अधिकार खोती रहेगी! यह देखना बाकी है।

कान्हा टाइगर रिजर्व में बाघ आकलन 2026 की तैयारी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला जिले के कान्हा टाइगर रिजर्व में अखिल भारतीय बाघ आकलन-2026 की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इसी कड़ी में रविवार को खटिया इको सेंटर में 15 राज्यों से आए 44 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया गया। बाघों के आकलन के लिए कान्हा टाइगर रिजर्व को कान्हा लैंडस्केप के वनमंडलों का नोडल केंद्र बनाया गया है। इस लैंडस्केप में पूर्व और पश्चिम मंडला, उत्तर व दक्षिण बालाघाट, डिंडोरी तथा मोहगांव प्रोजेक्ट क्षेत्र शामिल हैं। आकलन का पहला चरण 2 दिसंबर से शुरू होगा, जिसमें मांसाहारी वन्यजीवों के साक्ष्य जुटाकर मोबाइल ऐप में दर्ज किए जाएंगे। इस प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए देशभर से ऑनलाइन आवेदन मंगाए गए थे, जिनमें से 15 राज्यों के 44 स्वयंसेवकों का चयन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम रविवार को खटिया इको सेंटर में आयोजित हुआ स्वयंसेवकों के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 नवंबर को खटिया इको सेंटर में आयोजित हुआ। इसमें कान्हा टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर रविंद्रमणि त्रिपाठी, उप संचालक अमिथा के.बी. सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। फील्ड डायरेक्टर रविंद्रमणि त्रिपाठी ने बाघ आकलन के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि वन्यजीव संरक्षण के लिए सटीक आंकड़े एक मजबूत आधारशिला प्रदान करते हैं। उप संचालक अमिथा के.बी. ने स्वयंसेवकों को फील्ड में काम करते समय बरती जाने वाली सावधानियों के प्रति जागरूक किया।

प्रयास करें प्रयास से ही मिलती है सफलता: शिक्षा किसी से नहीं करती भेदभाव, समाज की प्रगति के लिए करें कार्य

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के लोधी क्षत्रिय समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह और युवक-युवती परिचय सम्मेलन बम्हनीबंजर में संपन्न हुआ। जहाँ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लोकेश कुमार लिल्हारे कमिश्नर जीएसटी जबलपुर, आचार्य हरि गोविंद दास महाराज प्रमुख पुराणाचार्य मथुरा-वृंदावन, साध्वी राधिका पटेल, अपराजिता आईएसएस एकेडमी की डायरेक्टर चंद्रसिंह पटेल, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक, प्रदेशाध्यक्ष आलोक मध्यप्रदेश एस.के. गिरिया, अखिल भारतीय लोधी महासभा के प्रदेशाध्यक्ष संजय पटेल, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सीताराम पटेल सहित अनेक अतिथि मौजूद रहे। मुख्य अतिथि लोकेश लिल्हारे ने कहा कि प्रयास करें, प्रयास से ही सफलता मिलती है। आप में से ही आगे चलकर कलेक्टर और एसपी निकलेंगे। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि जो बेटियां 75 प्रतिशत से अधिक अंक पाकर सफल हो रही हैं, उनके विवाह में जल्दबाजी न करें, उन्हें अपनी मंजिल हासिल करने दें, उसके बाद विवाह कराएं। युवाओं को सीखते रहने और नशे से दूर रहने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा कि समाज को नशामुक्त बनाने सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। जो युवक जुआ, सट्टा और नशे का आदि हों, ऐसे युवकों को अभिभावक अपनी बेटियां न दें। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं और युवाओं ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

प्रतिभावानो का सम्मान

कक्षा 10वीं और 12वीं में आगामी परीक्षा वर्ष 2025 के लिए 75 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले समाज के एक सैकड़ा से अधिक विद्यार्थियों को रानी अवंति बाई का मोमेंटो, प्रमाणपत्र, डाक्यूमेंट्री फाइल और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही शासकीय सेवा प्राप्त करने वाले, शिक्षा व अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले, सेवानिवृत्त कर्मचारियों तथा समाज के उल्लेखनीय योगदानकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया। लोधी धर्मशाला निर्माण में विशेष सहयोग करने वालों को भी सम्मान दिया गया। आचार्य हरि गोविंद दास महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि न दहेज लें न दें, जो दहेज की मांग करे उस घर में बेटी का विवाह न करें, शिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है। साध्वी राधिका पटेल ने कहा कि बेटों और बेटियों में भेदभाव न करें, बेटियों को भी उच्च शिक्षा प्रदान करें। युवक-युवती पंजीयन का कार्य हुलकर सिंह (बंधु) ठाकुर और उनकी टीम ने किया।

यह रहे उपस्थित

जिला मीडिया प्रभारी मंगल सिंह ठाकुर ने बताया कि समाज को सुगठित बनाकर आगे बढ़ाने का संकल्प सभी को लेना चाहिए। कार्यक्रम में आलोक संगठन के प्रदेश अध्यक्ष एस.के. गिरिया, लोधी महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय पटेल, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीताराम पटेल, जिलाध्यक्ष आलोक नरेश पटेल, प्रदेश संगठन सचिव गोविंद लोधी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आलोक बालसिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में समाजजन, मातृशक्ति, युवा और वरिष्ठजन उपस्थित रहे। स्वागत भाषण जिला समाज के संरक्षक रवि ठाकुर ने दिया। कार्यक्रम संचालन कन्हैया ठाकुर जिलाध्यक्ष लोधी क्षत्रिय समाज मंडला एवं के.के. ठाकुर पूर्व महासचिव आलोक मध्यप्रदेश ने किया। सहयोगी पदाधिकारियों में ओ.पी. सिरसे, संजय कुमार ठाकुर, सतेंद्र लोधी, नारायण जंघेला, पी. मुरगन ठाकुर, हरी ठाकुर, शिवेश ठाकुर, लखन ठाकुर, चित्रभूषण ठाकुर, रश्मि जंघेला, गुलाब सिंह सिंगरौरे, गणेश सिंगरौरे, टीकाराम जंघेला, रामकुमार सिंगरौरे, अशोक ठाकुर, अषादु लाल जंघेला, एड. विजय जंघेला, सुनील जंघेला, शैलेश सिंह लोधी, ओमप्रकाश लोधी सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

बिछिया जनपद के खटोला ग्राम पंचायत का अजब -गजब कारनामा

फर्जी बिल लगा कर निकाल रहे राशि ब दस्तूर जारी है फर्जी बाड़ा

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले की जनपद पंचायत भुआ बिछिया की ग्राम पंचायतों का बुरा हाल है और ज़िम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से भाग तरह तरह के बहाने बना कर सरकारी खजानों को लूटने वाले सरपंच सचिव रोजगार सहायक और उपयंत्रियों जो गबन कर लोगों मिलने वाली योजनाओं में भ्रष्टाचार कर अपनी जेबे भरने वाले भ्रष्टाचारीयो के कारनामों पर जाच का पर्दा डाल कर उन्हें बचाते नजर आते है और ग्राम पंचायत में लूट मची हुई है!

वही ग्राम पंचायत में सरपंच सचिव के भ्रष्टाचार के चर्चे खुलेआम सुर्खियां बटोर रहे हैं ग्राम पंचायत में खुलेआम धड़ल्ले बिना जीएसटी के लाखों के बिल और मटेरियल सप्लायर की दुकान न होने के बावजूद भी लाखों के बिल लगाए जाते हैं जिसको लेकर लगातार मीडिया की सुर्खियों में बना हुआ है और टीवी चैनल के माध्यम से शासन प्रशासन को अगवत कराया जाता है फिर भी जनपद से लेकर जिला पंचायत में बैठे जिम्मेदारों के कानो में जू तक नहीं रेंग रही हैं और आखिर जिला प्रशासन कुंभकरण की नींद से कब जागेगा कब तक होगी भ्रष्टों पर जाच की कार्यवाही या फिर यू ही गरीबों हक छीनने वाले रसूखदार मालामाल होते रहेंगे और गरीब और गरीब! वही सूत्रो से जानकारी के अनुसार ऐसे ही मामला मंडला जिले के जनपद पंचायत बिछिया के ग्राम पंचायत खटोला मैं देखने को मिला जा सरपंच सचिव रोजगार सहायक और उपयत्री की चौकड़ी बिना कार्य और बिना जीएसटी के लाखों के बिल लगाए जाते हैं भुगतान किया जाता है और पंचायत से बिछिया बाजार की दूरी 8 किलोमीटर दूर है और बाजार में पूर्ण रूप से मटेरियल उपलब्ध है फिर भी खटोला पंचायत के द्वारा बिछिया मुख्यालय छोड़ दूर दराज में बैठे अपने रिश्ते नाते दारो के नाम पर बिल बुक बनवाकर धड़ल्ले से पंचायत दर्पण में बिल अपलोड कर शासकीय राशि का आहरण कर रहें आखिर जहाँ है निगरानी एर्जेसिया जो मुख्यालय छोड़ गांव खेड़े से मटेरियल के लगाए जा रहें है वही जानकारी के अनुसार मटेरियल अंजनिया और गांव मांद के झिगराघाट के सप्लायर के 40 से 50 किलोमीटर दूरी की दुकानें के बिल लगा कर भुगतान किया गया है जो संदेह के घेरे में जाता है सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जो दुकानदारों के द्वारा जो बिल दिए जाते हैं वह मटेरियल दुकानों पर उपलब्ध नहीं होता फिर भी अपनी कमीशन के चक्कर में सरपंच सचिव को फर्जी बिल दिए जाते हैं जो जांच का विषय है जब इसके बारे में पत्रकारों के द्वारा ग्राम पंचायत खटोला के सचिव, आनंद मनोहर पटेल जानकारी ली गई तो उसने एक ऐसा अनोखा खुलासा किया जिसको सुनकर आप हैरान हो जाओगे सचिव ने बताया कि मटेरियल सप्लायरों के पास जीएसटी नंबर नहीं है जिसके कारण से सप्लायर दूसरी दुकानों से जीएसटी दुकानों का बिल हमें देते हैं और हमारे द्वारा भुगतान किया जाता है, बिछिया में सप्लायरों के द्वारा हमें उधारी मटेरियल नहीं दिया जाता जिसकी वजह से हमें बाहर से मटेरियल खरीदना पड़ रहा है। सचिन के दिए गए वाइड में साफ जाहिर होता है कि मटेरियल सप्लायर कोई और रहता है और बिल मालिक कोई और रहता है।

पत्रकारों के द्वारा सीईओ को आवेदन देकर की गई कार्रवाई की मांग जिसको लेकर अधिमान्य पत्रकार नेतृत्व समिति बिछिया के द्वारा लिखित आवेदन देकर ग्राम पंचायत खटोला के सरपंच सचिव के द्वारा लगाए गए बिल और बिल मलिक की दुकानों सहित मटेरियल स्टॉक रजिस्टर एवं रेत रियलिटी मुर्रम खदान परमिशन की जांच करने के लिए मुख्य कार्यपालन जनपद पंचायत बिछिया को आवेदन सौंपकर करवाई की मांग की हे अब देखना यहां होगा कि मुख्य अधिकारियों के द्वारा कार्रवाई की जाती है या अपना हिस्सा बंदरबाट कर आवेदन को कचरे के डिब्बे में डाला जाता है।

इनका कहना है

मटेरियल सप्लायरों के पास जीएसटी नंबर नहीं है जिसके कारण से सप्लायर जीएसटी वाली दुकानों का बिल हमें देते हैं और भुगतान किया जाता है बिछिया में सप्लायरों के द्वारा हमें उधारी मटेरियल नहीं दिया जाता जिसकी वजह से हमें बाहर से मटेरियल खरीदना पड़ रहा है।

आनंद मनोहर पटेल सचिव खटोला

यह जानकारी आपके माध्यम से मुझे प्राप्त हुई है इसके लिए टीम का गठन किया जाएगा और जांच की जाएगी जो दोषी पाया जाएगा उस पर कार्रवाई की जावेगी।

रमेश मांडवी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बिछिया मंडला

जिला मुख्यालय में अवैध हाथ भट्टी शराब का कारोबार अनवरत जारी, कार्यवाही के बाद भी तस्करों के हौसले बुलंद

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिला मुख्यालय और इसके आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध हाथ भट्टी कच्ची शराब का कारोबार लगातार फल-फूल रहा है। आबकारी विभाग और पुलिस प्रशासन द्वारा समय समय पर की जाने वाली कार्यवाहियों के बावजूद इस गोरखधंधे पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। शहर के बाहरी इलाकों के साथ-साथ नगर सीमा के भीतर भी अवैध शराब की बिक्री खुलेआम जारी है। सूत्रों के अनुसार, कच्ची शराब की यह अवैध सप्लाई लंबे समय से कुछ क्षेत्रों में पूरी सुरक्षा के साथ संचालित होती आ रही है। शहर से सटे कई ग्राम पंचायतों में बिना किसी डर के कच्ची शराब न सिर्फ बनाई जा रही है, बल्कि पास के गांवों से तैयार शराब को शहर के भीतर विभिन्न स्थानों पर डिब्बों, थैलों और बोतलों के माध्यम से सप्लाई किया जा रहा है। यह कारोबार इतनी मजबूती से जड़ें जमा चुका है कि इसे रोकना संबंधित विभागों के लिए चुनौती बना हुआ है। स्थानीय सूत्र बताते हैं कि अवैध कच्ची शराब की बिक्री के प्रमुख स्थानों में बिझिया, कटरा, सेमरखपा, गाजीपुर, बराटीला, गोझी, देवदरा, रमपुरा, करिकोंन, मनादेई, सुरंगदेवरी, मोहनटोला, पोंडी, खैरी, बिनेका, जतीपुर, कोंडरा, कम्पोस कॉलोनी, रामबाग, पुरवा सहित कई अन्य मोहल्ले और गांव शामिल हैं। इन इलाकों में कई वर्षों से अवैध शराब का कारोबार चल रहा है, और समय-समय पर होने वाली छापेमार कार्रवाई भी इस व्यापार को रोक पाने में नाकाम साबित हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कच्ची शराब की कीमत बाजार में मिलने वाली अंग्रेजी या देशी शराब से काफी कम होती है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों का रुझान तेजी से इसकी ओर बढ़ रहा है। यही कारण है कि युवा वर्ग भी इस शराब की चपेट में आ रहा है। स्थिति यह है कि कई परिवारों में शराब की लत के कारण विवाद, घरेलू हिंसा और आर्थिक तंगी जैसी समस्याएँ आम हो चुकी हैं। लोग घर का जरूरी सामान, अनाज और अन्य उपयोगी वस्तुएँ बेचकर शराब खरीदने को मजबूर हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, अवैध हाथ भट्टी शराब का सेवन अत्यंत खतरनाक होता है क्योंकि इसमें जहरीले तत्वों की मात्रा नियंत्रित नहीं होती। इसी कारण जिले में पिछले कई वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं जिनमें कच्ची शराब के अधिक सेवन से लोगों की जान तक चली गई। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से की जाने वाली कार्रवाई मात्र औपचारिकता तक सीमित दिखाई देती है। यह पूरा गोरखधंधा प्रशासनिक संरक्षण के बिना संभव नहीं है। कई बार बड़ी मात्रा में कच्ची शराब की भट्टियाँ पकड़ी जाती हैं, लेकिन कुछ दिन बाद वही कारोबार फिर से शुरू हो जाता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि संबंधित विभाग ईमानदारी से कार्रवाई करें और इस अवैध व्यापार की जड़ों तक पहुँचे, तभी इसे रोका जा सकता है।यह अवैध शराब के पूरे नेटवर्क को उजागर कर कठोर कार्रवाई की जाए।

पास में मिला 7-8 माह का भ्रूण, पुलिस ने शुरू की गहन जांच

घुघरी क्षेत्र में सनसनी: सड़क किनारे मिली अज्ञात युवती का शव

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के घुघरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तबलपानी में सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब राहगीरों ने सड़क किनारे एक युवती का संदिग्ध अवस्था में पड़ा शव देखा। इससे कुछ ही दूरी पर करीब सात से आठ माह का एक भ्रूण भी मिलने की जानकारी सामने आई है। यह घटनास्थल ग्रामीणों और राहगीरों में दहशत व सनसनी का कारण बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने तत्काल सलवाह पुलिस चौकी को इसकी सूचना दी, जिसके बाद पुलिस दल मौके पर पहुंचा और क्षेत्र को घेराबंदी कर पंचनामा कार्यवाही शुरू की। पोस्टमार्टम के लिएसव को एवं भ्रूण को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। सूचना मिलते ही सलवाह पुलिस मौके में पहुँच कर घटनास्थल की गहन जांच की तथा फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, ताकि मृतका और भ्रूण की स्थिति, कारण तथा घटनाक्रम को वैज्ञानिक तरीके से समझा जा सके। प्रारंभिक जांच में मृत युवती की पहचान कमलो पिता इंदर मरकाम, उम्र लगभग 27 वर्ष, निवासी ग्राम धनोली के रूप में बताई जा रही है। हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया है कि पहचान की पुष्टि संबंधित दस्तावेजों और परिजनों से पूछताछ के बाद ही की जाएगी। वही पुलिस ने घटनास्थल से मिले सबूतों को एकत्र किया है और यह जांच की जा रही है कि युवती की मौत दुर्घटना, अपराध, या किसी अन्य कारण से हुई है। भ्रूण मिलने की वजह से मामला और भी गंभीर व संवेदनशील हो गया है। वही जब इस संबंध में चौकी प्रभारी सलवाह से मोबाइल कॉल के माध्यम से संपर्क किया गया तो उनके द्वारा कॉल रिसीव नहीं किया गया इसलिए उनका पक्ष नहीं रखा जा सका

स्वामी,प्रकाशक, मुद्रक, मुकेश श्रीवास द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं सिविल लाईन जवाहर वार्ड मंडला से प्रकाशित। प्रधान संपादक-मुकेश श्रीवास, सिविल लाईन, जवाहर वार्ड मंडला । मो. 9406771592, संपादक - प्रहलाद उइके
RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877 (समाचार पत्र के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) (न्यायलयीन क्षेत्राधिकार मंडला) Email:- revanchaltimes@gmail.com web-revanchaltimes.in

प्रलेस अनूपपुर की सद्यः प्रकाशित पुस्तक गूँज प्रलेस की का विमोचन हुआ संपन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। प्रलेस अनूपपुर की पुस्तक गूँज प्रलेस की का विमोचन होटल मंदाकिनी में संपन्न हुआ, जिसमें भोपाल, जबलपुर, सीधी व्यौहारी, छत्तीसगढ़,उमरिया, शहडोल, कोतमा, अनूपपुर, जैतहरी से प्रसिद्ध साहित्यकारों ने हिस्सा लिया।इस कार्यक्रम में मीना सिंह ने ले मसालें चल पड़े हैं लोग मेरे गाँव के गीत गाया। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत गुलाब के फूल के पौधे देकर किया गया।दूसरे कार्यक्रम में प्रलेस अनूपपुर व कोतमा की कार्यकारिणी का चुनाव हुआ। अनूपपुर की कार्यकारिणी जिसमें राजेन्द्र कुमार बियाणी, पवन छिब्बर और डी एस राव संरक्षक,गिरीश पटेल अध्यक्ष, सुधा शर्मा व बालगंगाधर सेंगर उपाध्यक्ष, रामनारायण पाण्डेय सचिव, आनंद पाण्डेय जनसंपर्क अधिकारी, डॉक्टर असीम मुखर्जी कोषाध्यक्ष,संतोष कुमार सोनी सह सचिव, मीना सिंह, पी एस राउत राय,दीपक पाण्डेय व देवव्रत कर सदस्य अध्यक्ष मंडल के रूप में चुने गए।इसके पश्चात गूँज प्रलेस कीप्रलेस अनूपपुर की एवं शहडोल के राजिंदर राज की पुस्तक बा- अदब व पुस्तक माटीका विमोचन हुआ। अगले सत्र में भारतीय कौन विषय पर साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ के पूर्व अध्यक्ष ईश्वर सिंह दोस्त ने अपना सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया जिसमें प्रगतिशील लेखक संघ मध्य प्रदेश के महासचिव तरुण गुहा नियोगी ने हस्तक्षेप किया। अंतिम सत्र हिंदी व बघेली कविता का कार्यक्रम था, जिसमें डॉक्टर परमानंद तिवारी, बघेली के प्रसिद्ध कवि डॉक्टर शिवशंकर मिश्र सरस,विभूति तिवारी, संतोष द्विवेदी,किरण सिंह, राजेंद्र सिंह राज, अरुण नामदेव,विजय उपाध्याय,फैयाज खान,अविनाश अग्रवाल, यासिन खान,दीपक अग्रवाल,अमित पोखरियाल, अभिलाषा अग्रवाल, श्री पाटकर व डॉक्टर दुर्गा शंकर श्रीवास्तव ने सुंदर- सुंदर रचनापाठ कर श्रोताओं का मन मोह लिया इसमें इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले कवियों के अतिरिक्त अनूपपुर और बाहर से आए सैकड़ों की संख्या में प्रतिष्ठित व गणमान्य हस्तियों ने कार्यक्रम को गरिमामय कर दिया। इस कार्यक्रम का सफल संचालन, प्रलेस अनूपपुर के अध्यक्ष गिरीश पटेल व राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य विजेंद्र सोनी ने किया। रात्रि भोज के पश्चात एक शानदार और गरिमामय कार्यक्रम का समापन हुआ।

यातायात नियमो का उल्लंघन हुई कार्यवाही

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव के निर्देशन में सड़क सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए विशेष यातायात चेकिंग अभियान सतत रूप से चलाया जा रहा है। इसी अनुक्रम में शहडोल शहर के विभिन्न स्थानों पर यातायात प्रभारी प्रियंका शर्मा द्वारा वाहनों के पंजीयन प्रमाणपत्र, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र, वाहन परमिट, ड्राइविंग लाइसेंस की जांच की गई तथा जांच के दौरान कई वाहनों में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालको के विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 4,900 रुपए की चलानी कार्यवाही की गई।

69वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर (अंडर-14) बालक फुटबॉल प्रतियोगिता का हुआ भव्य शुभारंभ

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। जिले में आज अमर शहीद स्टेडियम में 69वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर (अंडर-14 वर्ष) बालक फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन का उद्घाटन शहडोल संभाग की कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देकर किया। इस प्रतियोगिता में देशभर के 33 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। कुल 693 से अधिक युवा प्रतिभागी, कोच और सहायक स्टाफ इस आयोजन में शामिल हुए हैं। यह टूनार्मेंट भारतीय फुटबॉल के भविष्य के सितारों को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर प्रदान कर रहा है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा, ह्रखेल केवल शारीरिक विकास ही नहीं, बल्कि अनुशासन, टीमवर्क और आत्मविश्वास का भी माध्यम है। ये बच्चे देश का भविष्य हैं और इनके माध्यम से भारतीय फुटबॉल नई ऊंचाइयों को छुएगा। मध्यप्रदेश सरकार और जिला प्रशासन इस आयोजन को सफल बनाने में पूरी तरह प्रतिबद्ध है। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, मार्च पास्ट और खिलाड़ियों की शपथ के साथ उद्घाटन समारोह का समापन हुआ। प्रतियोगिता 1 दिसंबर से 10 दिसंबर 2025 तक चलेगी। लीग-कम-नॉकआउट आधार पर होने वाले इस टूनार्मेंट में क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले अमर शहीद स्टेडियम में ही खेले जाएंगे। आयोजन की सफलता के लिए जिला प्रशासन, मध्यप्रदेश फुटबॉल संघ और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने मिलकर दिन-रात कार्य कर रहे हैं। स्टेडियम को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है तथा खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन और चिकित्सा की पूरी व्यवस्था की गई है।

स्टेशन में हुआ विवाद, ऑटो चालक का से फूटा, अस्पताल में भर्ती, मामला दर्ज

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। शहडोल रेलवे स्टेशन के बाहर रविवार देर रात एक खौफनाक घटना ने शहर की कानून व्यवस्था की असलियत सामने ला दी। स्टेशन के मुख्य गेट पर दो ऑटो चालकों के बीच भीषण विवाद हुआ, जिसमें आरोपी राज उर्फ टाइगर ने ऑटो चालक प्रकाश कुशवाहा पर पत्थर से हमला कर सिर फोड़ दिया। स्थिति इतनी भयावह थी कि यदि अन्य ऑटो चालक और नागरिक बीच में न आते, तो शायद उसकी मौत हो जाती। सबसे हैरानी की बात यह कि यह घटना [illegible] और [illegible] थानों के ठीक सामने घटी, जहाँ से पुलिस के आने में 5 सेकंड भी नहीं लगने चाहिए थे, लेकिन मौके पर एक भी पुलिसकर्मी नहीं पहुंचा। सूचना देने के बावजूद रेलवे पुलिस के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी।आरपीएफ थाने के सामने बना ऑटो स्टैंड अपराधियों का सुरक्षित अड्डा बन चुका है। सड़क पर अवैध पार्किंग कर जाम लगाया जाता है। ऑटो चालक खुलेआम नशे में धुत्त रहते हैं। जुआ-सट्टा चलता है। झगड़े रोजमर्रा की बात है। पुलिस सब कुछ देखते हुए भी मूक दर्शक बनी रहती है। इसके पहले भी इस तरह के दो मामले का चुके हैं। फरियादी प्रकाश उर्फ कुशवाहा ने बताया कि रात 11:50 बजे आरोपी राज उर्फ टाइगर ने गाली देते हुए हमला कर दिया और पत्थर उठाकर सिर पर जोरदार वार कर दिया। गंभीर स्थिति में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने तुरंत भर्ती किया और सिर में कई टांके लगाए। हालत अभी भी नाजुक बताई जा रही है। कोतवाली पुलिस ने इठर 296(इ) इठर 115(2) इठर 351(2) के तहत केस दर्ज किया, जबकि यह जानलेवा हमला और हत्या का प्रयास था। कानूनविदों का कहना है कि धारा 109 व 307 (हत्या का प्रयास) जैसी बड़ी धाराएँ लगनी चाहिए थीं।

वाहन पर पुलिस ने लगाया 10 हजार का जुमार्ना, बिना परमिट-फिटनेस के चल रही थी बस

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले में यात्री बसों के संचालन में हो रही गंभीर लापरवाहियां एक बार फिर सामने आई हैं। जहां एक ओर यातायात विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है, वहीं परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। बस मालिकों की ढीली व्यवस्थाओं के चलते यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ती दिखाई दे रही है। ताजा मामले में बिना परमिट और बिना फिटनेस के चल रही बसों को पकड़ा गया, जिससे विभाग में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, रीवा रोड पर यातायात टीम द्वारा बसों की चेकिंग की गई। इस दौरान दादू एंड संस की बस एमपी 17 पी 1248 को रोका गया। जांच के दौरान बस फिटनेस में फेल पाई गई। बस का इमरजेंसी एग्जिट विंडो भी खुल नहीं रहा था, जिसे ड्राइवर ने पाना (स्पैनर) की मदद से खोलने की कोशिश की। यह स्थिति यात्रियों की सुरक्षा के नाम पर गंभीर लापरवाही को दशार्ती है। मौके पर कार्रवाई करते हुए मोटर व्हीकल एक्ट के तहत पांच हजार का चालान बनाया गया। इसी दौरान एक और बड़ा मामला सामने आया। कैपिटल बस क्रमांक एमपी 18 पी 0206, जिसे ब्यौहारी से प्रयागराज के लिए एक दिन का विशेष परमिट दिया गया था, वह नियमों का उल्लंघन करते हुए शहडोल बस स्टैंड से स्टेज कैरिज परमिट के रूप में संचालित की जा रही थी। बस में शहडोल से गोपारू, खन्नौधी, जयसिंहनगर तक जाने वाले यात्री बैठे हुए मिले, जबकि बस के पास इन मार्गों पर संचालित होने का परमिट नहीं था। बिना परमिट संचालन करते पाए जाने पर 10,हजार का चालान लगाया गया। इन दोनों मामलों में कार्रवाई यातायात सूबेदार प्रियंका शर्मा द्वारा की गई। लगातार सामने आ रही इस तरह की लापरवाहियां इस ओर इशारा करती हैं कि बस मालिक सुरक्षा मानकों को दरकिनार कर मनमानी पर उतारू हैं। वहीं परिवहन विभाग की निगरानी को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अभियान और सख्त होने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

अवैध पशु परिवहन कर रहा पीकप पलटा, पशु तस्कर हुए फरार, मामला दर्ज

पिकअप वाहन में क्रूरता पूर्वक भरकर ले जा रहे थे मवेशी,वाहन हुआ दुर्घटनाग्रस्त, तस्कर फरा

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। एक पिकअप वाहन में मवेशियों को क्रूरता पूर्वक भर कर पशु तस्कर रीवा की ओर जा रहे थे,उसके पहले ही वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसे छोड़कर तस्कर तो भाग गए,लेकिन पुलिस ने पिकअप वाहन से 7 नग पड़ा (मवेशी) तस्करों के कब्जे से मुक्त कराया है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त पिकअप वाहन को अपने कब्जे में लिया है। वाहन नंबर के अनुसार पुलिस जांच कर रही है, वाहन मालिक और चालक का पुलिस पता लगाने में जुटी हुई है।घटना गोहपारू थाना क्षेत्र के चुहरा गांव की है। पुलिस ने बताया कि यह घटना गुर्रा बुढार मार्ग में बीती रात्रि हुई है। चूहरा गांव में पिकअप वाहन का डायर फट जाने से वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क पर जा पलटा। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से निकले तो वाहन में सवार तस्कर भाग गए। स्थानीय लोगों ने मवेशियों की चीख पुकार सुन मवेशियों को पिकअप वाहन में बंधी रस्सी खोल कर बाहर निकला और पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त पिकअप वाहन को अपने कब्जे में लिया है। पुलिस के अनुसार एमपी 65 जेड सी 6383 वाहन में 7 नग पड़ा मिले है। पुलिस के अनुसार सभी मवेशी सुरक्षित हैं। पुलिस ने मवेशियों को सुरक्षित स्थान में पहुंचा है। थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है, वाहन में जो नंबर लिखा है, उसके बारे में भी पता करवाया जा रहा है। हम तस्करों तक तक जल्द पहुंचेंगे। पुलिस अनुमान लगा रही है कि पिकअप में मवेशियों को क्रूरता पूर्वक भरकर कर यूपी की ओर ले जाया जा रहा था।उसके पहले ही वाहन दुर्घटना का शिकार हो गया और तस्करों के मंसूबे में पानी फिर गया।

शादी का झांसा देकर नाबालिक का अपहरण करने वाले आरोपी उड़ीसा से गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिले चलाए जा रहे विशेष अभियान आपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस को सफलता प्राप्त हुई है। थाना कोतमा क्षेत्रान्तर्गत कोतमा पुलिस ने 16 वर्षीय किशोरी के अपहरण के मामले में आरोपी अफरीद खान उर्फ बबलू 18 वर्ष को उड़ीसा राज्य से गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। किशोरी को सकुशल दस्तयाब किया गया है। 12 नवंबर को किशोरी अचानक अपने घर से लापता हो गई थी । परिजनों की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर अपहृता तथा आरोपी की तलाश की जारी थी। विवेचना से ज्ञात हुआ कि आरोपी के द्वारा 16 वर्षीय नाबालिक किशोरी से मोबाइल के माध्यम से दोस्ती बढ़ाते हुए शादी का झांसा देकर अपहरण करते हुए नाबालिक को उड़ीसा ले गया। अपहरणकर्ता अफरीद खान उर्फ बबलू पिता बासा उर्फ बादशाह खान निवासी सरोढा जिला नवागढ़ थाना नवागांव की गिरफ्तारी के बाद धारा 64 (1) एवं पॉक्सो के तहत 3,4,5, 6 की धारा बढ़ाई गई पुलिस की जांच एवं साइबर सेल एवं मुखबिर सूचना तंत्र की मदद से किशोरी के 700 किलीमीटर दूर उड़ीसा में होने का पता चला। थाना प्रभारी कोतमा के द्वारा प्रधान आरक्षक रामखेलावन यादव प्रधान आरक्षक ज्ञानेंद्र पासी एवं आर संजय वर्मा,महिला आरक्षक पिंकी प्रजापति की टीम बनाकर अपहरणकर्ता को उड़ीसा से गिरफ्तार किया जाकर कोतमा लाया गया। एवं आरोपी को न्यायालय पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया। तथा किशोरी को सकुशल उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया है।

यातायात नियमों का पाठ पढ़ाने यमराज उतरे धरती पर, रोचक अंदाज से किया जागरूक

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। पर सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति आमजन में जागरूकता लाने के उद्देश्य से आज अनूपपुर जिले में एक अनूठी पहल देखने को मिली। शहडोल से आए *आर्टिस्ट श्री प्रकाश राव* ने यमराज का रूप धारण कर बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट चलने वाले वाहन चालकों को रोककर यातायात का *विशेष पाठ* पढ़ाया। यमराज के आकर्षक और हास्य-भरे अंदाज को देखकर राहगीर भी रुककर नियमों की जानकारी लेते नजर आए। नियमों का पालन नहीं तो अगला सफर मेरे साथ, हेलमेट ना पहनकर तुमने मुझे फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी है,एक्सेप्ट कर लू क्या जैसे डायलॉग ने लोगों का ध्यान खींचा। यह विशेष जागरूकता अभियान पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देश पर आयोजित किया गया। शहर के प्रमुख स्थानों पर यह गतिविधि पूरे दिन आकर्षण का केंद्र बनी रही। विशेष अभियान रेलवे स्टेशन तिराहा,बस स्टैंड,सामतपुर,कलेक्ट्रेट ऑफिस मुख्य मार्ग,अंडरब्रिज तिराहा,इंद्रा तिराहा आदि विभिन्न स्थानों पर चलाया गया। हर स्थान पर यमराज लोगों को रुकवाकर हंसी-ठिठोली के साथ समझाते दिखे। इस अभियान से बड़ी संख्या में लोगों ने यातायात नियमों का महत्व समझा। यातायात पुलिस अनूपपुर द्वारा लगातार आमजन को जागरूक करने के लिए अलग अलग प्रयास किए जा रहे है जो निरंतर जारी रहेंगे।

पारिवारिक विवाद सुलझाने गए मायके पक्ष के परिजनों पर हुआ हमला, दांत से काटकर किया घायल

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के कुदराटोला में एक पारिवारिक विवाद में बहन को समझाने पहुंचे मायके पक्ष के लोगों पर ससुराल पक्ष के बीच मामला इतना बढ़ गया कि झगड़े में शामिल एक आरोपी ने फरियादी को दांत से काट लिया, जिससे पूरा मामला और गंभीर हो गया। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस-कथन लेते हुए प्रकरण दर्ज किया है। अमझोर निवासी फरियादी ललित कुमार रैदास ने बताया कि 30 नवंबर की सुबह उनकी मां, पिता और बहन के बीच ससुराल पक्ष में विवाद की जानकारी मिलने पर वे सभी कुदराटोला पहुंचे। वहां बहन सरिता रैदास के घर पहुंचे तो माहौल पहले से तनावपूर्ण था, इसी दौरान सरिता के पति मनोज उर्फ ओमप्रकाश रैदास ने अचानक गाली-गलौज शुरू कर दिया और अपशब्दों का प्रयोग करने लगा, जब फरियादी ने विरोध किया तो मनोज भड़क गया और उस पर हमला कर दिया। थोड़ी ही देर में मनोज के पिता रामचंद्र और उसकी मां केशकली भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने भी हाथापाई शुरू कर दी। मां को जमीन पर पटक दिया, बहन भी हुई घायल, फिर फरियादी को दांत से काटा। स्थिति और बिगड़ गई जब हमले के दौरान फरियादी की मां सोनिया बाई बीच-बचाव करने आई। आरोप है कि ससुराल पक्ष ने उन्हें धक्का देकर गिरा दिया जिससे वे बेहोश हो गई। बहन सरिता को भी लात-घूंसों से मारने की कोशिश की गई। इसी अफरातफरी में आरोपी मनोज ने फरियादी को जोर से पकड़ा और दाहिने गाल पर दांत से काट लिया। दूसरी ओर मनोज रैदास के पिता रामचंद्र ने भी रिपोर्ट दर्ज कराई है। उनकी शिकायत में कहा गया है कि विवाद घरेलू बात को लेकर बढ़ा और फरियादी पक्ष के लोगों ने घर आकर मारपीट की। उन्होंने भी दांत से काटे जाने की बात कही है। मेडिकल परीक्षण में डॉक्टर ने फरियादी के गाल पर दांत से काटने की चोट की पुष्टि की है। पुलिस ने मामले में धाराएं 296(ए), 115(2), 118(1), 351(2) और 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है। सीधी थाना प्रभारी शिवेंद्र भगत ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है।

पीजी कॉलेज में एड्स सप्ताह का हुआ आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर द्विवेदी महाविद्यालय बालाघाट में 01 दिसंबर विश्व एड्स दिवस के अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन में जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ ही डॉ पुष्प लता कमलेशिया, डॉ शाजिया तबस्सुम, डॉ. ताराचंद बड़घैया सहित अन्य प्राध्यापक गण उपस्थित थे। इस अवसर पर जनकल्याण परिषद से आए विषय विशेषज्ञों के द्वारा व्याख्यान दिया गया। इस दौरान बताया गया कि महाविद्यालय में 01 दिसंबर से 06 दिसंबर तक एड्स सप्ताह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विविध प्रतियोगिताओं, जैसे पोस्टर, निबंध, स्लोगन लेखन तथा शॉर्ट वीडियो आदि का आयोजन किया जाएगा। 05 दिसंबर को नुक्कड़ नाटक द्वारा जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा एवं 06 दिसंबर को पुरस्कार वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।

ग्रामीण स्तरीय टेनिस बाल क्रिकेट स्पर्धा छह दिसंबर से

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट, रामपायली। क्षेत्र के ग्राम पंचायत मोहगांव खुर्द के ग्राम बिठली में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी न्यू स्टार क्रिकेट क्लब बिठली की ओर से ग्रामीण स्तरीय टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता आगामी छह दिसंबर से किया जा रहा है। क्लब सदस्य संजय बिसेन ने बताया कि प्रतियोगिता की विजेता टीम को 13001 रुपये व उपविजेता टीम को 6001 रुपये का इनाम दिया जाएगा। प्रतियोगिता का प्रत्येक मैच आठ-आठ ओवर के कराए जाएंगे। स्पर्धा का शुभारंभ कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी के मुख्य आतिथ्य में होगा। विशेष अतिथि जिला पंचायत संघ प्रदेश महासचिव मनोज टेंभरे रहेंगे। अध्यक्षता ग्राम पंचायत मोहगांव खुर्द सरपंच फागूलाल मरठे करेंगे। इस दौरान राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच जिलाध्यक्ष जावेद अली प्रमुख अतिथि व पूर्व सरपंच सालिकराम राऊत, उपाध्यक्ष सुरेश पटले, खोजेश बिसेन, सचिव अंकित बिसेन, कोषाध्यक्ष क्रांति बिसेन व स्थाई पटेल युगल किशोर बिसेन प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे।

कौन है गर्भस्थ बेटी की मौत का जिम्मेदार, 20 दिन में दूसरे गर्भस्थ शिशु की मौत

मां तड़पती रही, डॉक्टर बोली मेरी ड्यूटी खत्म

ऑपरेशन थियेटर में ले जाने के बाद वापस लौटाया

नहीं सुधर रही जिला अस्पताल में प्रसूता महिलाओं के साथ लापरवाही

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जिला अस्पताल में प्रसूता महिलाओं के साथ ईलाज में की गई लापरवाही से, सोमवार को एक और गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई। दरअसल, वारासिवनी क्षेत्र के शेरपार निवासी प्रसूता झरना पति अजय डहरवाल को प्रसव पीड़ा होने के बाद जिला अस्पताल में सुबह तकरीबन 4-5 बजे के बीच लाया गया था। जिसे ब्लाडिंग हो रही थी। जब, प्रसूता महिला को जिला अस्पताल लाया गया तो परिजन, उसका ऑपरेशन करवाना चाहते थे। महिला प्रसव दर्द से तड़प रही थी। परिवार और प्रसूता महिला को साथ लेकर आई आशा कार्यकर्ता, डॉ. से ऑपरेशन कराने मिन्नत करते रही लेकिन महिला डॉक्टर रश्मि बाघमारे ने, ड्यूटी टाईम खत्म होने का हवाला देकर, ऑपरेशन थियेटर तक पहुंची प्रसूता को लौटा दिया। कुछ देरबाद जब दूसरी महिला डॉक्टर ने ऑपरेशन किया, तब तक गर्भ में ही बेटी की मौत हो गई थी।

20 दिन में यह दूसरी घटना है, जब महिला डॉ. के समय पर शासकीय अस्पताल में प्रसव कराने पहुंची प्रसूता महिला के समय पर ऑपरेशन नहीं करने से गर्भ में ही शिशु की मौत हो गई। जिस बेटी को जन्म देने के लिए मां पूरे नौ महिने प्रसव पीड़ा झेलकर, अंतिम समय में प्रसव के लिए तड़पती रही। उस मां के आंचल से बेटी का साया छिन गया। घटना के बाद से परिवार सदमे है।

अस्पताल में ईलाज के लिए पग-पग पर जूझ रही प्रसूताएं, सीएचएमओ बोले बाहर हुं आकर देखता हुं

पग-पग पर जिला अस्पताल में प्रसूता महिलाओं को समस्या से जूझना पड़ रहा है, यही कारण है कि लोग शासकीय अस्पताल में प्रसव से मुंह मोड़कर बच्चे के जीवन की खातिर, प्रायवेट अस्पतालो में ईलाज कराने मजबूर है।

कौन है गर्भ में बेटी की मौत का जिम्मेदार

सीएचएमओ बताते है कि मैं अभी बाहर हुं, आकर देखता हुं कि मामला क्या था। वह यह भी बताते है कि महिला को जब लाया गया था तब ही गर्भ में उसकी मौत हो गई थी। जिम्मेदारों का इस तरह का बयान, उन परिवारों के जले पर नमक छिड़कने जैसा है, जिसने, ऑपरेशन में देरी से बेटी को जिंदगी देखने से पहले ही मौत की नींद सुला दिया।

आशा कार्यकर्ता ने बताया कि डॉ. ने मुझे भला बुरा कहा, ऑपरेशन थियेटर से बिना ऑपरेशन किये लौटाया

स्वास्थ्य विभाग के मातृ और शिशु मृत्यु दर को कम करने में जुटी आशा कार्यकर्ता अनिता जामुनपाने का आरोप है कि प्रसूता महिला झरना के ऑपरेशन के लिए, जब मैने और परिवार वालों ने कहा तो महिला डॉ. रश्मि बाघमारे ने, मुझे ही भला बुरा कहते हुए बदत्तमिजी से बात की और ऑपरेशन थियेटर में ऑपरेशन के लेकर गए प्रसूता को बिना ऑपरेशन किए लौटा दिया।

11 नवंबर को भी समय पर ऑपरेशन ना होने के कारण गर्भस्थ शिशु की हुई थी मौत

11 नवंबर को किरनापुर विकासखंड के ग्राम रट्टापायली की गर्भवती महिला किरण डोंगरे को प्रसव के लिए जिला अस्पताल के प्रसव वार्ड में में भर्ती कराया गया था। उस समय आकस्मिक चिकित्सा एवं ऑपरेशन ड्यूटी पर डॉ. गीता बारमाटे तैनात थी, बावजूद इसके उन्होंने महिला का परीक्षण नहीं किया। जिसके कारण 12 नवंबर को महिला का सिजेरियन ऑपरेशन, डॉ. श्रद्धा बारमाटे ने किया लेकिन, तब तक गर्भ में ही शिशु की मौत हो चुकी थी। जिसके बाद परिजनों ने डॉ. गीता बारमाटे की लापरवाही पर नाराजगी जाहिर की थी। परिजनों ने बताया था कि यदि डॉ. गीता बारमाटे 11 नवंबर को महिला का परीक्षण कर आपरेशन कर देती तो शिशु की जान बचाई जा सकती थी। इस घटना के बाद डॉ. को स्वास्थ्य आयुक्त ने कलेक्टर के प्रस्ताव पर निलंबित कर दिया है, तो क्या डॉ. रश्मि बाघमारे पर भी इसी तरह का एक्शन होगा या फिर, इस मामले को पूर्व मामलो की तरह स्वास्थ्य विभाग और जिम्मेदार दबा देंगे।

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन एवं मुख्य आतिथ्य में 01 दिसम्बर विश्व एड्स दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग एवं ए.आर.सी.टी. केन्द्र बालाघाट के समन्वय से जिला चिकित्सालय बालाघाट में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर न्यायाधीश श्री प्राण ने कहा कि आज के समय में स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बड़ रही है लेकिन फिर भी कुछ बीमारियॉ ऐसी है जिनके बारे में सही जानकारी लोगों तक नही पहुंच पाती है। एच.आई.वी. और एड्स ऐसी ही बीमारियॉ है जिनके बारे में कई गलतफहमियॉ फैली हुई है, ये ऐसी बीमारियॉ है जिनके बारे में जागरूकता ही बचाव और ईलाज है।

न्यायाधीश श्री प्राण ने कहा कि एच.आई.वी. एक ऐसा वायरस है जो शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है।

जब यह वायरस शरीर में पहुंचता है, तो यह व्हाईट ब्लड सेल्स को नुकसान पहुंचाता है जो शरीर को बीमारियों से लड़नें में मदद करती है। इस दौरान उन्होंने नर्सिंग की छात्राओं द्वारा एड्स दिवस के अवसर पर बनाई गई रंगोली एवं पोस्टर्स का अवलोकन किया। इस अवसर पर न्यायिक मजिस्ट्रेट अविनाश छारी, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे, नोडल अधिकारी जिला एड्स नियंत्रण समिति बालाघाट एवं अन्य चिकित्सकगण, नर्सिंग स्टॉफ एवं पैरालीगल वालेन्टियर्स आदि उपस्थित रहें।

उत्कृष्ट विद्यालय में मनाया गया नेशनल साइबर दिवस

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट एनसीसी के ट्रुप क्रमांक 242 एवं ट्रूप क्रमांक 78 के छात्रों ने 6 एमपी बटालियन बालाघाट के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता के मार्गदर्शन में आज नेशनल साइबर दिवस मनाया गया।

इस उपलक्ष में साइबर सिक्योरिटी विषय पर विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक तुषार सिंह धुर्वे ने महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कैडेट्स को बताया सोशल मीडिया हमारी शिक्षा के लिए जितना जरूरी है, उसके साथ उसकी कुछ हानियां भी है। हानियों से बचने के लिए हमें क्या-क्या सावधानियां बरतनी चाहिए, जिस पर उन्होंने कैडेट्स को जागरूक किया। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य शरद ज्योतिषी ने कैडेट्स को आजकल होने वाले अलग-अलग साइबर फ्रॉड के बारे में जानकारी दी ,उन्होंने बताया कि आजकल होने वाले साइबर अपराधों से बचने के लिए हमें क्या क्या सावधानियां रखनी चाहिए। इस कार्यक्रम में डॉक्टर पूनम मिश्रा, श्री कौशलेंद्र थोटे, श्रीमती नीतू मोहारे एवं सेकंड ऑफिसर कल्पना ठोंबरे उपस्थित रहे।

6 माह बीत जाने के बाद भी नही किये भारमुक्त स्थानांतरण नीति की खुलेआम उड़ रही धज्जियां

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। वन विभाग बालाघाट में स्थानांतरण नीति के तहत अधिकारी कर्मचारियों के स्थानांतरण किए गए थे। उनमें अनेक अधिकारी कर्मचारियों को लगभग छः महा बीत जाने के बाद भी उनके स्थानांतरण स्थानों के लिए भारमुक्त नहीं किया गया है। जिसके चलते स्थानांतरण नीति का घोर उल्लंघन किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बालाघाट में वनविभाग के अंतर्गत मध्य प्रदेश शासन की स्थानांतरण नीति के अनुसार उपवन क्षेत्रपालों एवं वनपालों तथा वंरक्षकों का स्थानांतरण प्रभारी मंत्री एवं जिला कलेक्टर की अनुशंसा पर किया गया था किंतु उन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके स्थानांतरण स्थानों पर भारमुक्त नहीं किया गया है। जिसमें अधिकारी कर्मचारी काफी परेशान है, वहीं इन अधिकारियों कर्मचारियों को वनमंडलाधिकारी द्वारा स्थानांतरण होने के बाद ही वन मंडल से भारमुक्त कर दिया गया था। किंतु वनपरिक्षेत्र अधिकारी द्वारा स्थानांतरित कर्मचारियों को भारमुक्त नहीं किया जा रहा हैं तथा अपने वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है वहीं यह भी जानकारी मिली है कि वन परिक्षेत्र अधिकारियों के द्वारा अपने चहेते वनपाल एवं वनरक्षकों को भारमुक्त नहीं कर रहे हैं।स्थानांतरण नीति की सरेआम धज्जियां उड़ाने वाले ऐसे अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग वन मुख्य संरक्षक से की गई है।

इनका कहना है

यदि भारमुक्त नहीं किए गए हैं तो उनकी जानकारी ले लेता हूं। **श्री गौरव चौधरी मुख्य वन संरक्षक वन व्रत बालाघाट**

सहायक ग्रेड-03 चंदन खैरवार को सेवानिवृत्ति पर दी गई बिदाई

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। कलेक्ट्रेट कार्यालय बालाघाट में सहायक ग्रेड-3 के पद पर पदस्थ चंदन खैरवार अपनी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर 30 नवम्बर को शासकीय सेवा से निवृत्त हो गए है। 01 दिसम्बर को कलेक्ट्रेट कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें भावभिनी बिदाई दी गई। बिदाई कार्यक्रम में अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक एवं कलेक्ट्रेट कार्यालय का समस्त स्टॉफ मौजूद था। 30 वर्ष की शासकीय सेवा देने के बाद सेवानिवृत्त होने पर चंदन खैरवार का कार्यक्रम में शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। अपर कलेक्टर धुर्वे एवं बर्मन एवं समस्त स्टॉफ ने चंदन खैरवार को सेवानिवृत्ति के बाद के जीवन के लिए शुभकामना दी और प्रार्थना की कि ईश्वर उन्हें स्वस्थ और लंबा जीवन दे।

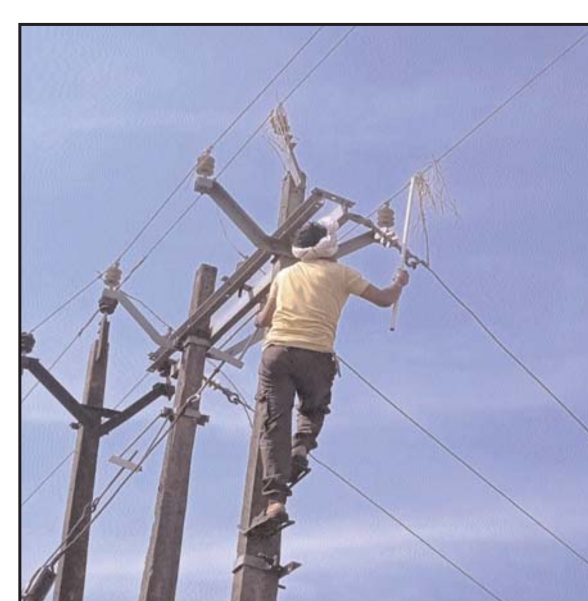

थ्रेसर मशीन से धान की मलाई करते समय खंभों के तारों में फस रहे पैरा

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। किरनापुर मुख्यालय स्थित गांवों में किसानों द्वारा अपनी कटी हुई फसलों को कम समय लगे सोच कर थ्रेसर मशीन से मला जा रहा है, किन्तु खाली स्थान न देख कर जहां बिजली के खंभे और तार है वहीं पर थ्रेसर मशीन से धान कि फसलों को मला जा रहा है जिसमें उड़ रहे पैरा बिजली के तारों में फस रहे है एवं खंभों के आस पास पैरा को जलाने से बिजली कि आपूर्ति बाधित हो रही है माटे फीडर बिजली विभाग के कर्मचारी द्वारा निरंतर खंभे के तारों में फंसे पैरा को निकाला जा रहा है। किसानों को थ्रेसर मशीन को बिजली के खंभे और तार से एक सुरक्षित दूरी पर ही चालू करना चाहिए जिससे फसल भी सुरक्षित हो और बिजली भी सुचारू रूप से चलती रहे।